Page 11 — खेल
Page 09 — देश

हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

खेल: आईपीएल में सबसे कम पारियों में 1000 से 14 हजार रन बनाने वाले भारतीय, कोहली ने 6...

देश: गरीब, मिडिल क्लास और कैब चालकों पर पड़ेगा सीधा असर', पेट्रोल- डीजल की...

शुक्ल पक्ष, कृतिका, विक्रम संवत् 2083

• औरंगाबाद • रविवार • 17 मई 2026 • वर्ष 28 • अंक 164 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,43,850	₹ 2,80,000

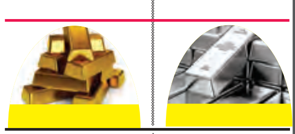

आज का इतिहास

1990 : विश्व स्वास्थ्य संगठन की महासभा ने 17 मई, 1990 को समलैंगिकता को मानसिक रोगों की सूची से हटा दिया। भारत उन देशों में से एक है जहाँ समलैंगिकता अवैध है।

2010 : भारतीय बॉक्सरों ने कॉमनवेल्थ बॉक्सिंग चैंपियनशिप के सभी छह स्वर्ण पदक जीत लिए।

सुपर अल-नीनो की आशंका से बढ़ी चिंता, मानसून पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली (ए.) । भारत में इस वर्ष सामान्य से कम बारिश के अनुमान के बीच सुपर अल-नीनो की सक्रियता की आशंका ने चिंता बढ़ा दी है। अमेरिकी मौसम एजेंसी नेशनल ओशेनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (नोआ) के अनुसार मई से जुलाई के बीच सुपर अल-नीनो प्रभावी हो सकता है।

खान एवं भूतत्व मंत्री की समीक्षा बैठक, अवैध खनन और वाहनों की नीलामी पर सख्त

अवैध खनन रोकने और जब्त वाहनों की नीलामी में तेजी लाने पर जोर

- बालू और वाहनों की समयबद्ध नीलामी सुनिश्चित करने का निर्देश
- बालूघाटों की समीक्षा और पत्थर भूखंडों की नीलामी पर जोर

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने अवैध खनन और उससे जुड़े कारोबार पर शिकंजा कसने की दिशा में सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। शनिवार को खान एवं भूतत्व मंत्री प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में सभी जिलों के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य में खनन प्रबंधन को मजबूत करना तथा राजस्व क्षति को रोकना था।

बैठक में 'बिहार खनिज नियमावली 2019 (संशोधित 2026)' के प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नियमों को जमीनी स्तर पर सख्ती से लागू किया जाए, ताकि खनन क्षेत्र से होने वाले राजस्व नुकसान को रोका जा सके। समीक्षा के दौरान राज्यभर के बालूघाटों की स्थिति का मूल्यांकन किया गया तथा पत्थर भूखंडों की नीलामी प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने राजस्व समाहरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से तय लक्ष्यों को समय पर पूरा करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य के विकास के लिए खनन क्षेत्र से मिलने वाले राजस्व की शत-प्रतिशत वसूली आवश्यक है। बैठक में अवैध खनन, अवैध परिवहन और अवैध भंडारण के खिलाफ जिलों में चल रही कार्रवाई की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। मंत्री ने छापेमारी के दौरान जप्त किए गए बालू और वाहनों की समयबद्ध नीलामी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि सरकारी संपत्ति का नुकसान न हो और अवैध कारोबार में शामिल लोगों पर आर्थिक कार्रवाई की जा सके। विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जिला पदाधिकारियों एवं जिला खनन अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में खान एवं भूतत्व विभाग के निदेशक मनेश कुमार मीणा सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने फील्ड अधिकारियों को तकनीकी और कानूनी पहलुओं की जानकारी दी।

पटना, जमुई में भ्रष्ट इंजीनियर के ठिकानों पर ईओयू की रेड

एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के ठिकानों से 48 लाख कैश और करोड़ों की संपत्ति के दस्तावेज बरामद

निज संवाददाता | पटना

बिहार में ग्रामीण कार्य विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर गोपाल कुमार के पटना और जमुई स्थित ठिकानों पर शनिवार को आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने बड़ी छापेमारी की। आय से अधिक संपत्ति मामले में की गई इस कार्रवाई के दौरान पटना और जमुई से कुल 48 लाख रुपए नकद बरामद किए गए हैं। इसके अलावा करीब 60 लाख रुपए के आभूषण, जमीन से जुड़े दस्तावेज, निवेश संबंधी कागजात और बैंक खातों की जानकारी भी जांच एजेंसी को मिली है। पटना की मजिस्ट्रेट कॉलोनी स्थित जगत विला अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर एफ-2 से ईओयू की टीम ने 40 लाख रुपए नकद बरामद किए। यह रकम डिजिटल लॉकर में रखी गई थी। यहां से बड़ी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण और चांदी के बर्तन भी मिले हैं। बताया जा रहा है कि यह फ्लैट वर्ष 2015 में खरीदा गया था, जिसकी कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए बताई जा रही है। इसके अलावा कंकड़बाग के पूर्वी इंदिरा नगर स्थित तीन मंजिला मकान में भी छापेमारी की गई। वहीं जमुई के केकेएम कॉलेज के पास किराए के मकान से 8 लाख रुपए नकद और एलआईसी निवेश से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए। झाझा स्थित ग्रामीण कार्य विभाग कार्यालय में भी करीब साढ़े सात घंटे तक जांच चली। आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने बैंक खातों, जमीन और निवेश से जुड़े दस्तावेजों की गहन जांच की। तलाशी के दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और वित्तीय लेन-देन से जुड़े कागजात भी खंगाले गए। अधिकारियों का कहना है कि जब्त दस्तावेजों और संपत्तियों का विस्तृत मूल्यांकन कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि एग्जीक्यूटिव इंजीनियर गोपाल कुमार ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि जमुई से बरामद 8 लाख रुपए उनकी मां के इलाज के लिए रखे गए थे और पटना में मिले पैसों का भी उनके पास पूरा हिसाब है। सूत्रों के अनुसार, गोपाल कुमार पहले जमुई में पदस्थापित थे।

बाद में उनका तबादला पटना हुआ, लेकिन पैरवी के जरिए उन्होंने दोबारा झाझा में ही पोस्टिंग करा ली थी। छापेमारी के दौरान जमुई स्थित आवास से करीब 20 लाख रुपए कीमत की नई कार भी जब्त की गई है। छापेमारी के दौरान इलाके में काफी हलचल रही। पड़ोसियों के अनुसार सुबह-सुबह पहुंची ईओयू टीम ने पूरे मकान को घेरकर तलाशी अभियान शुरू किया। वहीं घर में काम करने वाली महिला ने बताया कि इंजीनियर बेहद कंजूस स्वभाव के थे और मजदूरी का भुगतान भी समय पर नहीं करते थे।

सचिवालय कर्मियों के लिए 18 मई से शुरू होगी इलेक्ट्रिक और पिंक बस सेवा

पटना (नि.सं.)। बिहार सरकार राजधानी पटना में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। सचिवालय आने-जाने वाले सरकारी कर्मियों की सुविधा के लिए 18 मई 2026 से विशेष इलेक्ट्रिक और पिंक बस सेवा शुरू की जाएगी। इस नई व्यवस्था के तहत शहर के विभिन्न प्रमुख रूटों से सचिवालय तक सीधी बस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार का उद्देश्य निजी वाहनों पर निर्भरता कम करना, पेट्रोल-डीजल की बचत करना और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देना है। परिवहन विभाग के अनुसार प्रतिदिन बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी निजी कार और बाइक से सचिवालय पहुंचते हैं, जिससे ट्रैफिक दबाव और ईंधन की खपत दोनों बढ़ती है। नई इलेक्ट्रिक बस सेवा से कर्मचारियों को सुरक्षित, सुलभ और समयबद्ध परिवहन सुविधा मिलेगी।

बिहार सरकार का उद्देय

सरकार का मानना है कि अधिक से अधिक लोग यदि निजी वाहनों के बजाय इलेक्ट्रिक बसों का उपयोग करेंगे तो इससे शहर में ट्रैफिक दबाव कम होगा, पेट्रोल-डीजल की खपत घटेगी और प्रदूषण नियंत्रण को भी बढ़ावा मिलेगा। इसे बिहार में हरित और ऊर्जा-संरक्षण आधारित परिवहन व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

सड़क हादसा : बिहार के एक ही परिवार के पांच की मौत

एजेंसी | आजमगढ़ (यूपी)

उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शनिवार को हुए भीषण सड़क हादसे में बिहार के सीवान जिले के पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार खड़े ट्रेलर में पीछे से जा घुसी, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान बिहार के सीवान जिले के सिसवन थाना क्षेत्र स्थित ग्यासपुर निवासी मनीष कुमार श्रीवास्तव (43), उनकी पत्नी कंचन देवी (40), पुत्री आस्था कुमारी (16) और अदिति (11) के रूप में हुई है। एक अन्य शव की पहचान अभी नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि सभी लोग दिल्ली जा रहे थे। हादसा शनिवार दोपहर करीब तीन बजे कंधरापुर थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के 238 माइलस्टोन के पास हुआ। बताया जा रहा है कि कार की रफ्तार करीब 135 किलोमीटर प्रति घंटा थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा और छत पूरी तरह पिचक गई। अंदर की सीटें और पूरा केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

सूचना मिलते ही कंधरापुर थाना पुलिस, सीओ सिटी, फायर टीम और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद ट्रेलर के नीचे फंसी कार को बाहर निकलवाया। हादसे में कार पूरी तरह तबाह हो गई थी। क्षतिग्रस्त वाहन को हटाने के लिए बड़ी क्रेन बुलानी पड़ी। पुलिस को मौके से मनीष श्रीवास्तव के नाम का एक पहचान पत्र मिला है, जिसमें एक पता हरियाणा के फरीदाबाद और दूसरा बिहार के सीवान जिले का दर्ज है। पुलिस ने फरीदाबाद स्थित पते पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन वहां घर बंद मिला। इसके बाद आजमगढ़ पुलिस ने मृतकों की पहचान और परिजनों से संपर्क के लिए सीवान पुलिस से संपर्क साधा है। एसपी ट्रैफिक पंकज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि डायल-112 के माध्यम से हादसे की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर सभी शवों को एम्बुलेंस से पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। फिलहाल पुलिस मृतकों के परिजनों से संपर्क करने और मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

मौसम : 38 जिलों में चेतावनी जारी, वज्रपात का खतरा बढ़ा

पटना (नि.सं.)। बिहार में भीषण गर्मी के बीच मौसम ने अचानक करवट ले ली है। राज्य में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं, जिसके कारण आंधी, बारिश और वज्रपात का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने 16 मई से 17 मई तक पूरे बिहार के लिए अलर्ट जारी किया है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।मौसम विभाग ने राज्य के 16 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। कई जगहों पर पेड़ गिरने और बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका भी जताई गई है। ऑरेंज अलर्ट वाले जिलों में पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, अरवल, औरंगाबाद, खगड़िया, मुंगेर, भागलपुर, बांका और जमुई शामिल हैं। इसके अलावा राज्य के बाकी 22 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में मध्यम बारिश, तेज हवा और वज्रपात की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी आने की वजह से बिहार में प्री-मानसून गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। इसका असर अगले कुछ दिनों तक बना रह सकता है। मौसम बदलने के बावजूद कई जिलों में गर्मी अभी भी बनी हुई है। भभुआ राज्य का सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पीएम मातृत्व दिवस का आयोजन

नवादा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. नवीन कुमार की अध्यक्षता में पीएम मातृत्व दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई । उसके बाद आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया गया। जांच के क्रम में कई गर्भवती महिलाओं में खून की कमी पाई गई। चिकित्सकों की सलाह पर लाभार्थी खुशबू कुमारी, मुन्नी देवी तथा शिवानी कुमारी को आयरन सुक्रोज का प्रथम डोज चढ़ाया गया। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. नवीन कुमार ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान एनीमिया मां और शिशु दोनों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर समस्या बन सकती है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच एवं आयरन सुक्रोज थेरेपी से महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार लेने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा चिकित्सकीय सलाह का पालन करने के लिए जागरूक किया। साथ ही आशा कार्यकर्ताओं को लाभार्थियों का नियमित फ़ालोअप सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

घर बैठे ऑनलाइन हाजिरी बनाने वाली शिक्षिका पर गिरी गाज

कौआकोल। प्रखंड के महुडर पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मननपुर की एक शिक्षिका द्वारा विद्यालय से गायब रहकर घर बैठे ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर हाजिरी बनाने का मामला प्रकाश में आया है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) अजित कुमार ने इसे धोखाधड़ी और अनुशासनहीनता मानते हुए शिक्षिका सृष्टि राज से दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही, 'नो वर्क नो पे' के आधार पर उनका वेतन रोकने का आदेश जारी किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीईओ द्वारा 12 मई को विद्यालय के औचक निरीक्षण के दौरान शिक्षिका सृष्टि राज अनुपस्थित पाई गईं। जांच में पता चला कि वे 2 मई से ही स्कूल नहीं आ रही थीं। चौंकाने वाली बात यह है कि ई-शिक्षाकोष पोर्टल के अवलोकन से स्पष्ट हुआ कि शिक्षिका विद्यालय से कई किलोमीटर दूर रहकर 'मार्क ऑन ड्यूटी' दर्ज कर रही थीं। निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार, शिक्षिका 4, 6, 8 और 9 मई को ऑनलाइन उपस्थिति में भी अनुपस्थित पाई गईं। बीईओ ने अपने आदेश में कहा है कि कार्य के प्रति यह लापरवाही,मनमानापन और जनगणना जैसे अति-महत्वपूर्ण कार्यों की अवहेलना है। बीईओ ने जारी पत्र में स्पष्ट किया है कि जब तक इस मामले में संतोषजनक स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होता,तब तक संबंधित तिथियों का वेतन काटा जाएगा। इस कार्रवाई से फर्जी तरीके से डिजिटल हाजिरी बनाने वाले शिक्षकों में हड़कंप मच गया है।

ई-रिक्शा पलटने से चालक समेत चार घायल

कौआकोल। कौआकोल–महुडर मुख्य पथ पर मधुरापुर गांव के समीप शनिवार को एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया,जिससे चालक सहित चार लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार कौआकोल बाजार से गुलरियातरी गांव की ओर जा रहा ई-रिक्शा मधुरापुर गांव के पास अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। दुर्घटना में चालक गुलरियातरी गांव निवासी नवीन कुमार समेत उसी गांव के माणिक महतो,हरिश्चंद प्रसाद के पुत्र अजित कुमार तथा तेलियागढ़ी गांव निवासी कुलो राय के पुत्र भीम राय घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए कौआकोल पीएचसी पहुंचाया गया। जहां गंभीर रूप से घायल माणिक महतो की स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए नवादा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं अन्य तीन घायलों का उपचार स्थानीय निजी क्लिनिक में कराया जा रहा है। दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। बताया जा रहा है कि वाहन असंतुलित होने के कारण हादसा हुआ।

फांसी लगाकर युवती ने की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

कौआकोल। कौआकोल थाना क्षेत्र अंतर्गत पावापुरी गोवरैया गांव में एक 22 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान विक्कू कुमारी,पिता अनिल सिंह के रूप में की गई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार,प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। बताया जाता है कि घर में किसी बात को लेकर डांट-फटकार एवं घरेलू विवाद के बाद युवती ने यह कदम उठा लिया। परिजनों द्वारा आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया,जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही शनिवार को पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवादा भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

रूपौ थाना स्थित सुम्मा पहाड़ी से अपहृत बच्चे के शव का अवशेष व कपड़ा बरामद

कौआकोल। प्रखंड के सहायक रूपौ थाना क्षेत्र अंतर्गत नावाडीह एवं भीखमपुर गांव की सीमा से सटे घने जंगल स्थित सुम्मा पहाड़ी से पुलिस ने शेखपुरा जिला से अपहृत 5 वर्षीय बच्चे के शव का अवशेष एवं कपड़ा बरामद किया है। मृतक की पहचान शेखपुरा जिला के कसार थाना क्षेत्र अंतर्गत बरसा गांव निवासी कन्हैया कुमार पंडित के पुत्र दीपांशु कुमार के रूप में की गई है, जो 7 मई 2026 को रहस्यमय तरीके से लापता हो गया था। घटना की सूचना पर कसार थाना में मामला दर्ज कर विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। जांच के दौरान पुलिस को साइबर से अर्जित पैसे के लेन-देन के विवाद को लेकर बच्चे के अपहरण के बाद गला दबाकर हत्या किए जाने की बात सामने आई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संतोष मांझी,प्रदीप मांझी,अजीत मांझी एवं संदीप मांझी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर रूपौ थाना क्षेत्र के सुम्मा पहाड़ी से बच्चे के शव के अवशेष एवं कपड़े बरामद किए गए। घटनास्थल पर एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) की टीम ने पहुंचकर साक्ष्य संग्रह किया। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है तथा अन्य संभावित आरोपियों की तलाश जारी है।

अखंड सुहाग की कामना को लेकर महिलाओं ने किया वट सावित्री पूजा

कौआकोल। पति की दीर्घायु एवं अखंड सुहाग की कामना को लेकर सुहागन महिलाओं द्वारा मनाया जाने वाला वट सावित्री व्रत शनिवार को श्रद्धा,भक्ति एवं पारंपरिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। सुबह सूर्योदय के साथ ही प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बरगद के पेड़ों के आसपास महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सोलह श्रृंगार से सजी सुहागन महिलाएं पूजा की थाल, फल, मिष्ठान एवं अन्य पूजन सामग्री के साथ बरगद वृक्ष के नीचे एकत्रित हुईं और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अपने पति के स्वस्थ एवं लंबी आयु की कामना की। पूजा के दौरान वातावरण भक्तिमय हो उठा तथा पूरे क्षेत्र में धार्मिक आस्था का माहौल देखने को मिला। कई स्थानों पर पंडितों द्वारा वट सावित्री व्रत की कथा सुनाई गई,जबकि अधिकांश स्थानों पर महिलाओं ने स्वयं सामूहिक रूप से पूजा-पाठ कर कथा श्रवण किया। इस अवसर पर महिलाओं ने बरगद वृक्ष की परिक्रमा करते हुए अखंड सुहाग का आशीर्वाद मांगा।

300 लीटर महुआ देशी शराब व तीन बाइक जब्त

कौआकोल। कौआकोल थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 300 लीटर महुआ देशी शराब बरामद की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मननियांतरी गांव से पूरब स्थित जंगली क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार की देर शाम पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने तीन बाइक पर अलग-अलग छह गैलन में लदी करीब 300 लीटर महुआ देशी शराब बरामद की। हालांकि पुलिस की भनक लगते ही शराब धंधेबाज मौके से फरार होने में सफल रहा। थानाध्यक्ष सह पुलिस इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने बताया कि एएसआई रिंकू कुमार एवं रामाकांत चौधरी के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। पुलिस ने शराब एवं तीनों बाइक को जब्त कर कौआकोल थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली है तथा फरार धंधेबाज की पहचान व गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

अमावां संगत में महंत के ताजपोशी के दौरान हुए हंगामे के बाद प्राथमिकी दर्ज

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

- **ग्रामीणों ने कहा कि संगत कोई सरकारी सम्पत्ति नहीं बल्कि उदासीन मठ है**
- **दयानंद मुनि को बताया फर्जी,चरित्रहीन एवं षड्यंत्रकारी संपत्ति लोभी**

रजौली। रजौली प्रखंड स्थित अमावां संगत में बीते शुक्रवार को महंत शक्ति मुनि दास के ताजपोशी के दौरान हुए हंगामे के मामले में दयानंद मुनि ने लगभग एक दर्जन लोगों को नामजद करते हुए गाली-गलौज,मारपीट एवं छिनतई को लेकर रजौली थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। ग्रामीण प्रमोद कुमार सिंह, शंकर सिंह,तनिक रविदास,टिंकू राय समेत दर्जनों लोगों ने बताया कि बीते दस वर्षों से अमावां संगत के महंत शक्ति मुनि दास हैं। दयानंद मुनि द्वारा फर्जी दस्तावेज के जरिए न्यास बोर्ड से आदेश लेकर बीते दो माह पूर्व पदाधिकारियों की आंखों में धूल झोंककर संगत में प्रवेश कर गया और खुद को नया महंत बताने लगा,जिसका विरोध स्थानीय सनातनियों के द्वारा की गई। दयानंद मुनि के विरोध के पीछे उनकी चरित्रहीनता और संगत की चल-अचल संपत्ति को षड्यंत्र कर लूटना बताया जा रहा है।

दयानंद मुनि ने दर्ज कराई प्राथमिकी,लगाई सुरक्षा की गुहार :- अमावां संगत के कथित महंत दयानंद मुनि ने थाने को लिखित आवेदन देकर बताया कि वह अमावां संगत का विधिवत महंत एवं न्यासधारी है। साथ ही बताया कि जिला प्रशासन एवं अनुमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर रजौली बीडीओ के द्वारा 19 मार्च 2026 को अमावां संगत के महंत पद पर प्रभार ग्रहण कराया गया था। इसी बीच पटना के कुर्जी स्थित उदासीन मठ में रहने वाले रामदास उदासीन के पुत्र शक्ति मुनि व दिना दास ने ग्रामीणों के साथ षड्यंत्र रचकर बीते शुक्रवार को मुझपर जानलेवा हमला कर छिनतई की गई। इसमें अमावां गांव के शरण राय के पुत्र टिंकू राय,राजकुमार सिंह के पुत्र शंकर सिंह,जतन सिंह के पुत्र मनोज सिंह,दशरथ सिंह के पुत्र सोनू सिंह,देवलाल सिंह के पुत्र मुन्ना सिंह,रामदेव राजवंशी के पुत्र बड़न राजवंशी,किशोरी रविदास के पुत्र तनिक रविदास,प्रमोद सिंह एवं बौद्धु सिंह के साथ कई लोग अज्ञात हैं। दयानंद मुनि ने बताया कि उक्त लोग संगत परिसर में घुसकर संगत आए हुए साधु-संतों के साथ गाली-गलौज,मारपीट एवं छीना-झपटी करते हुए संगत की चल-अचल संपत्ति लूटते हुए मुझे जान से करने का प्रयास किया गया। इस दौरान मेरे जेब से लगभग 53000 रुपए की छिनतई की गई। इस दौरान कुछ उपद्रवियों द्वारा संगत के आगे पीछे अवैध हथियार एवं शराब पीकर उपद्रव किया गया। दयानंद मुनि ने कहा कि कभी भी उक्त लोग हमें जान मार सकता है,इसलिए हमारी जान माल की सुरक्षा की जाए।

अमावां संगत में मौजूद श्रद्धालुओं की भीड़ और पुलिस बल

अमावां के लोगों ने आरोपों को किया खारिज :- अमावां में बीते शुक्रवार को कथित महंत दयानंद मुनि के विरुद्ध हजारों श्रद्धालुओं ने मोर्चा खोला और बीते दस वर्षों से महंत पद पर आसीन महंत शक्ति मुनि दास की ताजपोशी कराई।

ग्रामीण प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि ताजपोशी के दौरान किसी के द्वारा फर्जी महंत दयानंद मुनि को गाली-गलौज,मारपीट एवं छिनतई आदि नहीं की गई है और ना ही कोई श्रद्धालु शराब पीकर हथियार का प्रदर्शन किया है।उन्होंने कहा कि संगत में हजारों लोगों के हाथों में मोबाइल था और पुलिस-प्रशासन के साथ मीडियाकर्मी भी थे। दयानंद मुनि द्वारा बिना किसी ठोस सबूत के महंत समेत ग्रामीणों को फंसाया गया है। साथ ही पुलिस-प्रशासन से आवश्यक जांच कर उचित कार्रवाई करने की अपील की है।

क्या कहते हैं थानाध्यक्ष :- इस संबंध में थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने कहा कि दयानंद मुनि द्वारा प्राप्त आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

रजौली में धूमधाम से मनाई गई वट सावित्री पूजा, सुहागिनों ने की पति की लंबी आयु की कामना

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

- **सुबह से ही बरगद वृक्ष के पास जुटीं महिलाएं, पूजा-अर्चना कर कच्चे सूत से की परिक्रमा**

रजौली। रजौली नगर पंचायत मुख्यालय समेत प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में शनिवार को वट सावित्री पूजा बड़े ही श्रद्धा, उल्लास और धूमधाम से मनाई गई। ज्येष्ठ अमावस्या के दिन सुहागिन महिलाएं अहले सुबह से ही सोलह श्रृंगार कर पूजा की थाली लेकर बरगद वृक्ष के समीप पहुंचने लगीं। नगर के पुरानी बस स्टैंड, बाजार, महादेव मोड़, बौढी कला, अमावां, सिरोडाबर, हरदिया समेत सभी गांवों में वट वृक्षों के पास महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी। व्रती महिलाओं ने विधि-विधान से वट वृक्ष की पूजा की। बरगद के पेड़ पर कच्चा सूत लपेटकर 7 या 108 बार परिक्रमा की और पति की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य एवं सुख-समृद्धि की कामना की।

पूजा के दौरान महिलाओं ने सावित्री-सत्यवान की कथा का श्रवण किया। पंडितों ने कथा में बताया कि सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस लाए थे। इसी मान्यता के अनुसार महिलाएं अखंड सौभाग्य के लिए यह व्रत रखती हैं। पूजन में बरगद के पत्ते, बांस का पंखा, अक्षत, रोली, मौली, फल, फूल, धूप-दीप और भीगे चने का प्रयोग किया गया।

कई मोहल्लों में सामूहिक रूप से पूजा का आयोजन किया गया। नई नवेली दुल्हनों में इस पर्व को लेकर खास उत्साह देखा गया। महिलाएं लाल, पीली साड़ी और पारंपरिक आभूषण पहनकर पूजा में शामिल हुईं। पूजा समाप्ति के बाद महिलाओं ने सास-ससुर व घर के बड़े-बुजुर्गों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और एक-दूसरे को वट सावित्री की शुभकामनाएं दीं। साथ ही आसपास के मंदिर में पूजा-अर्चना भी की।

वट सावित्री को लेकर बाजारों में शुक्रवार शाम से ही रौनक रही। पूजा सामग्री, फल, फूल, श्रृंगार के सामान और बांस के पंखों की दुकानों पर सुबह से ही खरीदारी के लिए भीड़ जुटी रही। बरगद के पेड़ के पास मिट्टी के दीये, अगरबत्ती और कपूर की खुशबू से माहौल भक्तिमय हो गया। स्थानीय बुजुर्ग महिलाओं ने बताया कि वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवों का वास माना जाता है। इस वृक्ष की पूजा से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। पूरे दिन महिलाओं ने निर्जला व्रत रखा और शाम को कथा सुनने के बाद फलाहार कर व्रत का पारण किया।

एससी-एसटी एक्टः 7 हत्या मामलों में मुआवजा, 2 को नौकरीः रजौली में 19 पेंशनधारियों, 39 पीड़ितों को भी मिला लाभ

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली अनुमंडल सभागार में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। एसडीएम स्वतंत्र कुमार सुमन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पीड़ितों को मिलने वाले लाभ, मुआवजे, पेंशन और नौकरी की गहन समीक्षा की गई। बैठक में हत्या के 7 मामलों में मुआवजे की पहली किस्त जारी करने और 2 आश्रितों को नौकरी देने सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस अनुमंडल स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक में एसडीपीओ गुलशन कुमार, समाजसेवी पिंकी भारती और मौला देवी भी उपस्थित रहे। सदस्यों को अधिनियम 1989 और संशोधित नियम 1995, 2016 के प्रावधानों की जानकारी दी गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पीड़ितों को अधिनियम के तहत मिलने वाले सभी लाभ समय पर और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराए जाएं।

बैठक में शामिल जनप्रतिनिधि व समाजसेवी

पेंशन भुगतान की समीक्षा के दौरान बताया गया कि रजौली अनुमंडल में कुल 19 पेंशनधारी हैं। इन सभी 19 पेंशनधारियों को फरवरी 2026 तक की पेंशन राशि का भुगतान कर दिया गया है। अनुमंडल क्षेत्र में 19 सितंबर 2020 को संकल्प जारी होने की तिथि से अब तक हत्या के कुल 7 मामले दर्ज किए गए हैं। इन सभी 7 मामलों में मुआवजे की पहली किस्त का भुगतान किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, 4 मामलों में आरोप गठन की सूचना भी प्राप्त हुई है। नियुक्ति के संबंध में, 2 आश्रितों को परिचारी/परिचारी (विशिष्ट) के पद पर नियुक्त किया गया है। इनमें से एक मामले में आश्रित नाबालिग है, जबकि एक अन्य मामले में आश्रित से आवश्यक कागजात मांगे गए हैं। पीड़ितों, आश्रितों और साक्षियों को अन्वेषण और सुनवाई के लिए यात्रा भत्ता/दैनिक भरण-पोषण भत्ता की भी समीक्षा की गई। अनुमंडल क्षेत्र के थानों से प्राप्त रिपोर्ट और न्यायालय में उपस्थिति के आधार पर कुल 39 पीड़ितों को यात्रा भत्ता/दैनिक भरण-पोषण का भुगतान उनके बैंक खातों में कर दिया गया है।

राष्ट्रीय स्तर की बिजनेस मेंटरिंग वर्कशॉप में सोखोदेवरा गांव के युवक को मिला सम्मान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कौआकोल। कौआकोल प्रखंड के सोखोदेवरा गांव के युवा नवप्रवर्तक जलेन्द्र कुमार को राष्ट्रीय स्तर की बिजनेस मेंटरिंग वर्कशॉप में सहभागिता के लिए सम्मानित किया गया है। उनकी इस उपलब्धि से गांव एवं क्षेत्र में खुशी का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जलेन्द्र कुमार ने अपने नवाचार "आयरन कटिंग एंड बेंडिंग मशीन" के साथ कार्यशाला में भाग लिया था। यह कार्यशाला

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान भारत एवं नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT) पटना में 14 एवं 15 मई 2026 को किया गया। कार्यशाला में देशभर से आए नवप्रवर्तकों को व्यवसाय विकास,तकनीकी मार्गदर्शन तथा उद्यमिता से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। सफल सहभागिता के बाद जलेन्द्र कुमार को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर प्रखंड के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। ग्रामीणों ने कहा कि जलेन्द्र कुमार की सफलता से क्षेत्र के युवाओं को नवाचार एवं स्वरोजगार के लिए प्रेरणा मिलेगी।

हाथी के हमले में जान गंवाने वाले सनोज भुइयां के पीड़ित परिवार को मिला 10 लाख का मुआवजा, विधायक विमल राजवंशी और रेंजर ने सौंपा चेक

मृतक के पत्नी को चेक सौंपते विधायक व रेंजर के साथ अन्य

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

- **विपदा की घड़ी में सरकार और जनप्रधिनिधि ने बढ़ाया मदद का हाथ, रजौली विधायक ने वन विभाग की त्वरित कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का जताया आभार**

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के हरदिया पंचायत अंतर्गत सुअरलेटी गांव में बीते 24 मार्च की रात जंगली हाथी के हमले में असमय काल के गाल में समाए सनोज भुइयां के शोकाकुल परिवार को शासन और प्रशासन की ओर से मुआवजा दिया गया है। इस हृदयविदारक घटना के बाद से ही स्थानीय विधायक विमल राजवंशी पीड़ित परिवार को न्याय और सहायता दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत थे, जिनके अथक प्रयासों के फलस्वरूप आखिरकार वन विभाग द्वारा स्वीकृत 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि का चेक मृतक की पत्नी सुनीता देवी को सौंप दिया गया। इस भावुक क्षण के दौरान स्वयं रजौली विधायक विमल राजवंशी, रेंजर नारायण लाल सेवक और भाजपा के जिला महामंत्री गौरव शांडिल्य गगन ने संयुक्त रूप से पीड़ित महिला के घर पहुंचकर उसे ढांढस बंधाया और सहायता राशि की यह चेक राशि सुपुर्द की, जिससे इस विकट परिस्थिति में बेसहारा हुए परिवार को जीवन यापन के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक संबल प्राप्त हुआ है।दुख की इस घड़ी में जहां पूरा क्षेत्र सनोज भुइयां की दर्दनाक मौत से मर्माहत और शोक संतप्त था, वहीं इस आर्थिक सहायता ने पीड़ित परिवार को संकट से उबरने की एक नई उम्मीद दी है। चेक वितरण के इस संवेदनशील मौके पर उपस्थित विधायक और प्रशासनिक अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि वे भविष्य में भी हरसंभव सहयोग के लिए उनके साथ खड़े रहेंगे। इसके साथ ही विधायक विमल राजवंशी ने सुदूर और जंगली क्षेत्रों में निवास कर रहे स्थानीय ग्रामीणों से बेहद भावुक और सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब भी जंगली हाथियों का झुंड रिहायशी या वन क्षेत्रों में विचरण करता हुआ दिखाई दे, तो लोग तुरंत किसी सुरक्षित स्थान पर चले जाएं, हाथियों को किसी भी तरह से उकसाने या छेड़ने का प्रयास बिल्कुल न करें और अविलंब इसकी सूचना नजदीकी वन विभाग को दें ताकि जान-माल के नुकसान को समय रहते रोका जा सके। इस बेहद संवेदनशील और दुखद मामले में तत्परता दिखाते हुए पीड़ित परिवार को इतनी शीघ्रता से आर्थिक मदद पहुंचाने के लिए विधायक ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और बिहार के वन एवं पर्यावरण मंत्री के प्रति सहृदय आभार भी व्यक्त किया।

रामलाल इण्टर विद्यालय तारगीर में लू से बचाव और स्वरोजगार पर विशेष कार्यक्रम, छात्रों ने दिखाया हुनर

सजग और इको क्लब के तहत लगी मॉडल, प्रोजेक्ट, पेंटिंग और रोल प्ले की प्रदर्शनी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली प्रखंड क्षेत्र के लेंगुरा पंचायत के तारगीर स्थित रामलाल इण्टर विद्यालय में शुक्रवार को सजग और इको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में "लू से बचाव, कौशल विकास और स्वरोजगार" विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को गर्मी और आपदा से बचाव के साथ आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना रहा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक राणा रंजीत सिंह के द्वारा की गई।

विद्यालय प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने मॉडल, प्रोजेक्ट, पेंटिंग, रोल प्ले और निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई। इसमें नवाम, सुहनी, नाजुक, शिवानी, अनुपम, सुनीता, एसडी परवीन, अंजुमन प्रवीण, रफत, लक्ष्मी, रीफा और प्रिंस समेत दशम कक्षा की छात्राओं

सजग कार्यक्रम में शामिल छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण

ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में शिक्षक सौरभ तिवारी ने तूफान और आंधी से बचाव के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अगले शनिवार को चक्रवाती तूफान/आंधी से बचाव की तैयारी को लेकर विशेष मॉक ड्रिल और जागरूकता कार्यक्रम किया जाएगा। शिक्षक देवेंद्र प्रकाश चौबे ने लू से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि तेज धूप में घर से बाहर निकलने से बचें, सिर ढककर रखें, पर्याप्त पानी पिएं और हल्के सूती कपड़े पहनें। वहीं संगीत और रोल प्ले का संचालन विजय शंकर पांडे ने किया। शिक्षक संदीप कुमार और शिक्षिका नित्य कुमारी ने छात्रों द्वारा बनाए गए मॉडल और प्रोजेक्ट की सराहना करते हुए कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला।

शिक्षक शशि कुमार, संगीता कुमारी , रूही गजाला और मुकेश कुमार ने पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिता का मार्गदर्शन किया। इको क्लब के प्रभारी आशुतोष गौतम ने अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण और स्वरोजगार के विभिन्न विकल्पों जैसे कताई, बुनाई, सिलाई और मोबाइल रिपेयरिंग पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ कौशल सीखकर छात्र भविष्य में स्वावलंबी बन सकते हैं। इस दौरान प्रधानाध्यापक ने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में जागरूकता और रचनात्मकता बढ़ाते हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

2 करोड़ लागत से भव्य बनेगा मंगला स्थान मंदिर, बिहारशरीफ में 63 करोड़ का विकास कार्य

नालंदा। बिहारशरीफ के मंगला स्थान में करीब 2 करोड़ रुपए की लागत से भव्य मंदिर का निर्माण होगा। शनिवार को प्रेस वार्ता में बीजेपी विधायक सह पूर्व मंत्री डॉ. सुनील ने इसकी घोषणा की है। इस 3 मंजिला मंदिर में माता की मूर्ति के अलावा भगवान श्रीराम और हनुमान जी की भी प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। विधायक ने बताया कि शहर के व्यवसायियों और आम श्रद्धालुओं के चंदे से यह मंदिर बनेगा। इसके बाद बिहारशरीफ के अन्य प्राचीन धर्मस्थलों का भी इसी तर्ज पर कायाकल्प किया जाएगा। बीजेपी विधायक डॉ. सुनील ने बताया कि मंदिर को आधुनिक और उत्कृष्ट रूप दिया जाएगा। ग्राउंड फ्लोर पर माता की मूर्ति रहेगी। पहले फ्लोर पर एक बड़ा हॉल बनेगा, जहां महिलाएं और श्रद्धालु भजन-कीर्तन और शिव चर्चा कर सकेंगे। गुंबद के चारों तरफ देवी-देवताओं की मूर्तियां लगेंगी। इसके ऊपर एक और फ्लोर बनेगा, जहां भगवान श्रीराम और हनुमान जी विराजमान होंगे। मंदिर के ढांचे (स्ट्रक्चर) को इतना मजबूत बनाया जा रहा है कि सिर्फ उस पर ही सवा करोड़ से अधिक का खर्च आएगा। डॉ. सुनील ने बताया कि 2023 में उन्होंने मंदिरों के निर्माण के लिए 'सनातन धर्म विकास ट्रस्ट' का गठन किया था। मंगला स्थान मंदिर के निर्माण को लेकर व्यवसायियों और श्रद्धालुओं के साथ कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। स्थानीय लोग और व्यवसायी इस पुनीत कार्य के लिए बढ़-चढ़कर चंदा देने को तैयार हैं। कुल 2 करोड़ से अधिक की लागत से यह मंदिर शहर में आकर्षण का केंद्र बनेगा। बिहारशरीफ में फिलहाल 63 करोड़ रुपए के विकास कार्य चल रहे हैं। सोहसराय सूर्य मंदिर के पास 2 करोड़ की लागत से 'इंद्रधनुषी पुल' बन रहा है। वहीं, 2.68 करोड़ रुपए की लागत से हिरण्य पर्वत का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, जहां श्रीराम की आदमकद मूर्ति, कैफेटेरिया और फाउंटेन बनेंगे। इसके अलावा मोरा तालाब सहित शहर के विभिन्न छठ घाटों का भी भव्य निर्माण कराया गया है।

शॉर्ट-सर्किट से बस में लगी आग, मरम्मत के बाद वर्कशॉप से निकली थी गाड़ी, दमकल ने 1 घंटे में बुझाई लपटें

गयाजी। गयाजी-डोभी मुख्य मार्ग पर शनिवार दोपहर बस में आग लग गई। बस बिहार राज्य परिवहन निगम की बताई जा रही है। गनीमत रही कि बस में एक यात्री सवार नहीं थे। बताया जा रहा कि डोभी वर्कशॉप से मरम्मत के बाद गांधी मैदान सरकारी बस स्टैंड बस लौट रही थी। इसी दौरान आग लगी है। आग लगते ही ड्राइवर और कंडक्टर बस छोड़कर फरार हो गए। आसपास के ग्रामीण और राहगीर बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। पहले छोटी दमकल गाड़ी पहुंची, लेकिन आग इतनी भयंकर थी कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। इसके बाद फायर ब्रिगेड की बड़ी गाड़ी बुलाई गई। करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। घटना निजी अस्पताल एम्स के पास की है। बस दो महीने से खराब थी बस के पिछले हिस्से, बीच और आगे से लगातार आग की ऊंची लपटें उठती रहीं। सुरक्षा के मद्देनजर मेडिकल थाना पुलिस ने गया-डोभी मुख्य मार्ग के दोनों तरफ का ट्रैफिक रोक दिया। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। हालांकि ट्रैफिक रोकने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी सहूलियत मिली। खलासी ने बताया कि बस पिछले 2 महीने से खराब थी और उसे मरम्मत के लिए डोभी वर्कशॉप भेजा गया था। मरम्मत के बाद गयाजी लौटने के दौरान शॉर्ट-सर्किट से आग लग गई। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। मेडिकल थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ट्रैफिक डायवर्ट किया गया। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बस पूरी तरह जल चुकी है। बस निजी थी या सरकारी, इसकी औपचारिक पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

2 पक्षों में खूनी संघर्ष, युवक की मौत, भोज के दौरान हुआ था विवाद, मारपीट में 5 लोग घायल

नालंदा। नालंदा के पुनहा गांव में दो पक्षों के बीच मामूली विवाद को लेकर हिंसक झड़प हो गई। इस खूनी संघर्ष में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दोनों पक्षों से पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान अनिल चौधरी के पुत्र रवि कुमार(25) के तौर पर हुई है। घटना रहुई थाना क्षेत्र की है। ग्रामीण अनिल चौधरी और वाल्मीकि चौधरी उर्फ धीरेंद्र चौधरी के बीच भोज के दौरान हंसी-मजाक हुआ था। देखते ही देखते यह मजाक व्यक्तिगत विवाद में बदल गया और देर रात इसने हिंसक रूप ले लिया। मृतक के दिव्यांग पिता

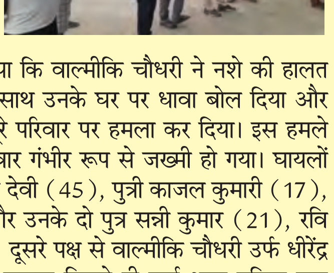

अनिल चौधरी ने आरोप लगाया कि वाल्मीकि चौधरी ने नशे की हालत में करीब एक दर्जन लोगों के साथ उनके घर पर धावा बोल दिया और लाठी-डंडों और हथियार से पूरे परिवार पर हमला कर दिया। इस हमले में अनिल चौधरी का पूरा परिवार गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घायलों में अनिल चौधरी की पत्नी गौरी देवी (45), पुत्री काजल कुमारी (17), भाई दामोदर चौधरी (55) और उनके दो पुत्र सन्नी कुमार (21), रवि कुमार (25) शामिल है। वहीं, दूसरे पक्ष से वाल्मीकि चौधरी उर्फ धीरेंद्र चौधरी (48) भी घायल हैं। सूचना मिलते ही रहुई थाना पुलिस बल के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए आनन-फानन में सदर अस्पताल बिहारशरीफ पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने रवि कुमार (25) को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरे पुत्र सन्नी कुमार की चिंताजनक स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद पावापुरी मेडिकल कॉलेज अस्पताल(VIMS) रेफर कर दिया गया है। अस्पताल परिसर में मृतक के पिता अनिल चौधरी का रो-रोकर बुरा हाल था। उन्होंने कहा कि मैं खुद दिव्यांग हूं। मेरा बेटा रवि ही पूरे घर को संभालता था और वही घर का इकलौता कमाऊ सदस्य था। हाल ही में उसकी शादी तय हुई थी, घर में खुशियों का माहौल था, लेकिन इस घटना ने सब कुछ उजाड़ दिया। पुलिस ने मृतक के पिता के फर्द बयान के आधार पर औपचारिक प्राथमिकी (FIR) दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कुल 14 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है, जिनमें से पुलिस ने त्वरित छापेमारी कर 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सुरक्षा के लिहाज से घटनास्थल को सील कर दिया गया है और साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल (FSL) की टीम को बुलाकर सूक्ष्म निरीक्षण कराया जा रहा है। फिलहाल गांव में स्थिति नियंत्रण में है और पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस बाकी बचे तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी लगातार छापेमारी कर रही है।

अखंड सौभाग्य और पति की लंबी उम्र की कामना के साथ मनाई गई वट सावित्री पूजा

वट वृक्ष की पूजा-अर्चना कर सुहागिन महिलाओं ने मांगी परिवार की सुख-समृद्धि

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

इमामगंज। प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को वट सावित्री पूजा श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक उल्लास के साथ धूमधाम से मनाई गई। सुबह से ही गांवों और बाजारों में सुहागिन महिलाओं की भीड़ पूजा स्थलों पर उमड़ पड़ी। महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा-अर्चना कर पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना की। पूजा को लेकर पूरे क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय बना रहा। वट सावित्री पूजा को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सोलह श्रृंगार कर वट वृक्ष के पास पहुंचीं और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान महिलाओं ने वट वृक्ष में कच्चा सूत बांधकर उसकी परिक्रमा की तथा सावित्री-सत्यवान की कथा सुनी। कई स्थानों पर सामूहिक रूप से पूजा और कथा वाचन का आयोजन किया गया, जहां महिलाओं ने धार्मिक अनुष्ठानों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इमामगंज बाजार, बिश्रामपुर, कोठी, विकोपुर, सलैया समेत विभिन्न गांवों में वट वृक्ष के पास सुबह से ही पूजा करने वाली महिलाओं की लंबी कतारें देखी गईं। महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर परिवार की सुख-शांति, पति की दीर्घायु और वैवाहिक जीवन की मंगलकामना की। पूजा के दौरान मंदिरों और पूजा स्थलों पर धार्मिक गीतों, भजन और मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस पर्व को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने एक-दूसरे को वट सावित्री पूजा की शुभकामनाएं दीं और परिवार की खुशहाली तथा समृद्धि की प्रार्थना की। हिंदू धर्म में वट सावित्री पूजा को सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व वाला पर्व माना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत और पूजा से पति की आयु लंबी होती है तथा परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

हाइवा से टकराई बालू लोडेड ट्रक, खलासी की मौत

ड्राइवर की हालत गंभीर अचानक ब्रेक लगाने के चलते हादसा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालंदा। नालंदा में बालू लोडेड ट्रक हाइवा से टकरा गई। हादसे में ट्रक के खलासी की मौत हो गई, जबकि ड्राइवर की हालत गंभीर है। घटना सरमेरा थाना क्षेत्र के बढ़िया गांव के पास की है। मृतक की पहचान जमुई जिले के सांचौड़ गांव निवासी इंद्रदेव यादव के पुत्र श्रवण यादव(25) के रूप में की गई है। वहीं, इस हादसे में उनका भाई बबलू यादव(ड्राइवर) गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

आरोपी ड्राइवर मौके से फरारः परिजन पवन कुमार ने बताया कि दोनों भाई अरवल से ट्रक पर बालू लोड कर सहरसा जा रहे थे। इसी बीच बढ़िया गांव के पास हादसे के शिकार हो गए। हाइवा ड्राइवर के अचानक ब्रेक लगाने के चलते हादसा हुआ है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद हाइवा ड्राइवर वाहन समेत मौके से फरार होने में कामयाब रहा।

आवेदन के आधार पर की जाएगी कार्रवाईः थानाध्यक्ष साकेन्द्र कुमार बिंद ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को इलाज के लिए पहले सरमेरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए बिहार शरीफ सदर अस्पताल रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान श्रवण यादव की मौत हो गई। पीड़ित पक्ष की ओर से आवेदन मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वट सावित्री पर्व पर गयाजी में उमड़ी आस्था, सुहागिन महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। अखंड सौभाग्य और पति की लंबी आयु की कामना के साथ शनिवार को गयाजी में वट सावित्री पर्व श्रद्धा और भक्ति के माहौल में मनाया गया। सुबह से ही शहर के विभिन्न मंदिरों और वट वृक्षों के पास सुहागिन महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

शहर के चांद चौरा, गोदावरी शिव मंदिर, समीर तकिया शिव मंदिर, नूतन नगर शिव मंदिर, मार्कंडेय मंदिर तथा बाईपास दुर्गा स्थान मंदिर समेत कई धार्मिक स्थलों पर महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा की। व्रतियों ने वट वृक्ष के चारों ओर धागा बांधकर पति की दीर्घायु और वैवाहिक जीवन की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की। मंदिर परिसरों में दिनभर पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का दौर चलता रहा।

महिलाओं की पूजा की थालियों में फल, फूल, मिठाई, भीगा चना, पापड़, धूप, अगरबत्ती और सुहाग की सामग्री सजी हुई थी। पूजा के दौरान महिलाओं ने माता सावित्री और सत्यवान की कथा सुनी तथा भगवान शिव की आराधना की। कई स्थानों पर सामूहिक रूप से व्रत कथा का आयोजन किया गया, जहां महिलाओं ने भजन-कीर्तन भी किए। शंख और घंटियों की ध्वनि से मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबे रहे। पारंपरिक परिधानों और सोलह श्रृंगार में पहुंचीं महिलाओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ पूजा संपन्न की। व्रती सीता, मनीषा और पूजा ने बताया कि वट सावित्री व्रत भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता सावित्री ने अपने दृढ़ संकल्प और तपस्या से यमराज से पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। उसी परंपरा का निर्वहन करते हुए सुहागिन महिलाएं यह व्रत रखती हैं, ताकि उनके पति को लंबी आयु, अच्छा स्वास्थ्य और सुखमय जीवन प्राप्त हो। पूरे शहर में वट सावित्री पर्व को लेकर धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहा और मंदिरों में देर शाम तक महिलाओं की आवाजाही जारी रही।

कोठवारा गांव में विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला, पति फरार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

डोभी, गया। बहेरा थाना क्षेत्र के कोठवारा गांव स्थित मांझी टोला में शनिवार सुबह एक 18 वर्षीय विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान रानी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह अचानक रंजित कुमार ने शोर मचाया कि उसकी पत्नी रानी ने फांसी लगा ली है। आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो देखा कि रानी कमरे में पंखे की कुंडी से दुपट्टे के सहारे लटकी हुई थी। कमरे में एक खटिया भी रखी थी। पड़ोसियों ने बिना पुलिस को सूचना दिए फंदा काटकर शव को नीचे उतार दिया और डॉक्टर को बुलाया गया। जांच के बाद डॉक्टर ने रानी को मृत घोषित कर दिया।

परिजनों और ग्रामीणों ने बताया कि करीब छह-सात माह पहले रंजित कुमार रानी को अपने घर लाया था और लोगों को बताया था कि उसने उससे शादी कर ली है। घटना के बाद से गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

सूचना मिलने पर बहेरा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। थानाध्यक्ष रविरंजन कुमार ने बताया कि पुलिस को शव जमीन पर पड़ा मिला तथा गले पर फंदे के निशान पाए गए। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो रंजित कुमार और उसकी चाची नगीना देवी घर से फरार थे। बाद में काफी खोजबीन के बाद पुलिस ने नगीना देवी को हिरासत में ले लिया।

पुलिस ने नगीना देवी की मौजूदगी में शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। वहीं फरार रंजित कुमार की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

सड़क हादसे में चूड़ी कारीगर की मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालंदा। नालंदा में तेज रफ्तार वाहन ने पैदल जा रहे चूड़ी कारीगर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही मौत हो गई। मृतक संजय कुमार(30) लहेरी के ब्रह्मस्थान के रहने वाले थे। तीन भाइयों में सबसे बड़ा थे। अभी उसकी शादी भी नहीं हुई थी। घटना दीपनगर थाना क्षेत्र के साठोपुर पावर ग्रिड के पास की है। छोटे भाई उदय कुमार ने बताया कि भैया शुक्रवार शाम किसी काम से घर से निकले थे। काफी देर तक नहीं लौटे। खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चला। सुबह एक दोस्त ने फोन कर बताया कि साठोपुर के पास उनका शव पड़ा हुआ है। जिसके बाद परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत की आशंका है। वहीं, दीपनगर थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया है। परिजनों की ओर से लिखित आवेदन मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आरोपी ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

क्षेत्रीय दवा भंडार भवन का निर्माण शुरू, 18 हजार वर्गफुट में 7.06 करोड़ से किया जाएगा निर्माण, स्वास्थ्य सेवाएं होंगी बेहतर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने गया में क्षेत्रीय दवा भंडार भवन के निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। यह भवन छोटकी नवादा स्थित कुष्ठ अस्पताल परिसर में बनाया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से गया सहित आसपास के जिलों की स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस परियोजना पर कुल 7 करोड़ 6 लाख 20 हजार रुपये की लागत आएगी। लगभग 18 हजार वर्गफुट क्षेत्र में इसका निर्माण होगा। भवन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा ताकि दवाओं का सुरक्षित एवं वैज्ञानिक तरीके से भंडारण किया जा सके। डॉ. प्रेम कुमार ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। यह क्षेत्रीय दवा भंडार भवन अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों तक दवाओं की आपूर्ति को अधिक सुचारु और व्यवस्थित बनाएगा।

दवाइयों के उचित भंडारण न होने के कारण स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर असरः विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि कई बार दवाओं के उचित भंडारण की व्यवस्था न होने के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ता है। ऐसे में यह नया भवन दवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने और जरूरत के समय त्वरित आपूर्ति सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे मरीजों को समय पर दवा उपलब्ध होंगी और इलाज में होने वाली परेशानियां काफी हद तक कम होंगी। विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप और तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है और इसे आगामी छह माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

डॉ. प्रेम कुमार ने उम्मीद जताई कि भवन के तैयार होने के बाद गया जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा आम लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ मिल सकेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य गाँव से लेकर शहर तक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना है।

मरीजों को अस्पतालों में समय पर दवाएं उपलब्ध हों, इसके लिए भंडारण और आपूर्ति व्यवस्था को आधुनिक बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं के विकास से लोगों को सीधा लाभ मिलेगा और चिकित्सा सेवाओं में पारदर्शिता एवं दक्षता बढ़ेगी। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने भी इस परियोजना का स्वागत किया और इसे स्वास्थ्य सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। मौके पर सुनील सिन्हा, पप्पू चंद्रवंशी, शंभू यादव, देवानंद पासवान, समीर चटर्जी, शिवनारायण जी, राजेश मस्तान, लक्ष्मण पांडे, विवेक चंद्रवंशी, पम्मी सिंह, राजनंदन गांधी, दीपक कुमार, राकेश आईटी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक कौशल यादव पहुंचे केशरिया गावं, दिलाया न्याय का भरोसा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नारदीगंज(नवादा) पूर्व विधायक कौशल यादव शनिवार को केशौरिया गांव पहुंचे। उनके साथ कार्यकर्ताओं का भी काफिला शामिल रहें। इस मौके पर पूर्व विधायक की आगमन की खबर सुनते ही पुलिस के डर से छिपे कई ग्रामीण पुरुष,महिलाएं,युवा,किशोर आये,और अपनी व्यथा को सुनाए। गांव पहुंचते ही पूर्व विधायक कौशल यादव को जहां ग्रामीणों ने स्वागत किया गया, वही हल्की सी आक्रोश भी उठानी पड़ी। उसके बाद पूर्व विधायक ने गांव के प्रत्येक गली से होकर गुजरते हुए हर घर पहुंचे, और हालत का जायजा लिया, ग्रामीणों की फरियाद भी गम्भीरता से सुनी,उसके बाद न्याय दिलाने आश्वाशन दिलाया। उन्होंने घटना की तीव्र निंदा करते हुए कहा इस घटना में संलिप्त लोगों पर कार्रवाई हो,निर्दोष महिलाओं, और पुरुषों को दोषमुक्त किया जाय। इसके लिए आईजी और एसपी से मिलकर निष्पक्ष जांच करने मांग करने भरोसा दिलाया । पूर्व विधायक ने स्पष्ट रूप से कहा यहां राजनीति हो रहा है, साजिश के तहत लोगों को फंसाया गया है। बालू खनन के अवैध खनन में पूरे जिले में कई लोग लगे हुए हैं। वैसे लोगों पर भी कड़ी कार्रवाई होना चाहिए। उन्होंने आईजी को आभार व्यक्त करते हुए कहा 14 मई को गांव पहुंचकर हालात की जानकारी प्राप्त कर विधि व्यवस्था को संधारण किये। इस बीच ग्रामीण गोपाल यादव,राजेश यादव ,नीतीश यादव,सतीश यादव,रिशु कुमार,मंटू यादव,पुतुल देवी,संजू देवी ,रंजू देवी,लालो देवी,जयमंती देवी समेत अन्य लोगों का आरोप

है कि बीते 13 और 14 मई 2026 को पुलिस प्रशासन द्वारा महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। घर में तोड़फोड़, मारपीट,वाहन को क्षतिग्रस्त करना,बाइक,स्कार्पियो, ट्रैक्टर जबरन उठाकर लेकर चले जाना। घटना में एक व्यक्ति दोषी था। उसपर कार्रवाई होना चाहिए था,लेकिन पुलिस प्रशासन ने पूरे गांव में कहर बरपाया है। निर्दोष लोगों पर केस दर्ज किया है। गिरफ्तार किया, बाइक समेत अन्य वाहन को जब्त किया है। यह पुलिस प्रशासन के कार्यशैली पर प्रश्न उठता है। इसके अलावा अन्य गंभीर आरोप लगाया। वही श्री यादव ने कहा उसके पुत्र राजगीर विश्विद्यालय बाइक से आता जाता है,उसका भी नाम केस में दर्ज कर दिया है। बाइक के अलावा पत्नी, बहु,और भावज को भी गिरफ्तार कर लिया है। हम सभी डरे सहमे हुए हैं। रतजगा कर जहां तहां समय बिता रहे हैं। मवेशियों की भी चारा नहीं मिल पा रहा है। गांव की बहू,बेटी जेल में है,ऐसे में उनके बच्चे भी भी भूखे रह रहे हैं। पूर्व विधायक ने सभी लोगों को आश्वासन दिया है निष्पक्ष जांच की जाएगी, और न्याय मिलेगा। आप सभी शांतिपूर्ण तरीके गांव में रहे। उल्लेखनीय है कि बीते 13 मई को पुलिस के गुप्त सूचना मिली थी कि मधुवन(पथरा केशौरिया) गांव में पंचाने नदी के समीप बालू का अवैध खनन की छापेमारी पुलिस पहुंची थी,पुलिस का कहना है कि जहां जमादार नागेन्द्र कुमार पर बालू माफिया के हमले में जख्मी हो गए थे,उसके बाद पुलिस ने केशौरिया गांव में बड़ी एक्शन की थी। इस एक्शन में 28 गिरफ्तारी है, जिसमे 19 महिलाएं और नौ पुरुष हैं । 20 बाइक ,दो स्कार्पियो और एक ट्रैक्टर जब्त किया है। ऐसे में गांव में सन्नाटा पसर गया गया है। इधर,थानाध्यक्ष आदित्य कुमार को कार्य में लापरवाही के बरतने को लाइन हाजिर भी कर दिया गया है। मौके पर राजद जिला उपाध्यक्ष विनय कुमार यादव,सूरज कुमार,जिला पार्षद देवानंद चौहान, अजय यादव,अर्जुन यादव,कैलाश प्रसाद यादव,पूर्व उप मुखिया संजय यादव, संदीप कुमार,सकल देव यादव,शंभु यादव,धर्मेन्द्र यादव,पूर्व पैक्स अध्यक्ष अशोक कुमार समेत अन्य रहे।

रोगी कल्याण समिति सदस्यों ने किया अस्पताल का निरीक्षण

मरीजों को बेहतर सुविधा को लेकर दिया कई सुझाव

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

डेहरी। रोहतास। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को बेहतर सुविधा मिले इसे लेकर डेहरी रोगी कल्याण समिति सदस्यों ने विभिन्न सरकारी अस्पतालों का निरीक्षण किया। तथा चिकित्सकों व कर्मियों से बात कर स्वास्थ्य सेवाओं का हाल जाना, और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर सुविधा हो, इसे लेकर सदस्यों ने चिकित्सक व कर्मियों को सुझाव भी दिया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा गठित रोगी कल्याण समिति सदस्यों कमलेश कुमार, हेमंती देवी, उर्मिला देवी, कमलाकांत सिंह, ज्योति कुमारी ने संयुक्त रूप से शनिवार को सर्वप्रथम हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर बेरकप पहुंचे, जहां ड्यूटी में तैनात एएनएम बबीता कुमारी ने हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर के कार्यों की जानकारी दी। केंद्र में पदस्थापित कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर पूजा कुमारी ने बताया कि सप्ताह में 3 दिन बेरकप और तीन दिन सिधौली हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर में कार्यरत है। कर्मियों की कमी है, दवाइयां समेत सभी व्यवस्थाएं उचित है। किंतु सिधौली हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर में किसी प्रकार की कोई सुविधा नहीं होने से मरीजों को उचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। रोगी कला समिति सदस्यों ने समिति सदस्यों का नाम, मोबाइल नंबर एक फ्लेक्स बोर्ड के साथ केंद्र पर लगाने और अधिक से अधिक आसपास के मरीज केंद्र पर पहुंचे इसके लिए प्रयास करने का सुझाव दिया। तत्पश्चात सदस्यों की टीम अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दरिहट पहुंची, जहां पदस्थापित डॉक्टर कमलेश कुमार से स्वास्थ्य विभाग की चल रही योजनाओं व चिकित्सक व कर्मियों द्वारा की जाने वाले कार्यों की जानकारी दी। चिकित्सक द्वारा बताया गया कि चिकित्सक के अभाव में कुछ महीने से अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव व अन्य कार्य नहीं किया जा रहे हैं । जिस पर सदस्यों ने नाराजगी व चिंता जताई। चिकित्सक का कहना था, कि इसकी जानकारी वरीय अधिकारी को दी गई है। समिति सदस्यों ने कहा कि 24 घंटे अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो, इसके लिए डीएम, सिविल सर्जन समेत विभाग के अन्य अधिकारियों से बात की जाएगी। चिकित्सक व कर्मियों को समिति सदस्यों ने कई अन्य सुझाव भी दिया। इसके अलावा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मकराइन पहुंचे समिति सदस्यों ने निजी मकान में चल रहे स्वास्थ केंद्र पर चिंता जताई। तथा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति देखकर तत्काल वरीय अधिकारियों से बात कर अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को अन्यत्र स्थान पर स्थानांतरण का सुझाव दिया। केंद्र में तैनात चिकित्सक राजू मौर्य समेत एएनएम व अन्य कर्मियों ने अपने कार्यों की जानकारी दी। उनका कहना था, कि आशा कार्यकर्ता व अन्य माध्यम से अधिक से अधिक मरीजों को लाने का प्रयास किया जाता है, किंतु किराए में चल रहे स्वास्थ्य केंद्र में मूलभूत सुविधाएं नहीं होने के कारण समस्याएं उत्पन्न होती है। चिकित्सक राजू मौर्य ने समिति के सभी सदस्यों से सुझाव लिया और सहयोग की उम्मीद जताते हुए भविष्य में और बेहतर स्वास्थ्य कार्य करने की बात कही।

संक्षिप्त समाचार

नारायण वर्ल्ड स्कूल के बोर्ड टॉपर्स को पूर्व सांसद ने किया पुरस्कृत

डेहरी (रोहतास) जमुहार में आयोजित 'शैल संजीवनी' बोर्ड टॉपर्स पुरस्कार सम्मान समारोह में विद्यालय के 12वीं तथा 10वीं बोर्ड टॉपर्स को पूर्व राज्यसभा सांसद गोपाल नारायण सिंह ने सम्मान राशि तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया । लगभग तीन सौ से भी अधिक की संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों के माता-पिता, अभिभावक, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूल उद्देश्यों को हासिल करने के लिए स्कूली शिक्षा का वैश्विक और प्रायोगिक होना अति आवश्यक है। विद्यार्थियों को एक निश्चित लक्ष्य के साथ अपनी माटी के प्रति समर्पित रहकर अध्ययन रत होना होगा ताकि 2047 तक विकसित भारत बनाने के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल किया जा सके। पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में मुख्य रुप से 12वीं के विज्ञान संकाय की राष्ट्रीय औसत में 98.8% अंक प्राप्त करने वाली टॉपर सुश्री आकृति सिंह तथा 10वीं के राष्ट्रीय औसत में 97% अंक प्राप्त करने वाले उज्वल कुमार का नाम शामिल रहा जिन्हें विद्यालय द्वारा दस हजार रुपए मानधन राशि प्रदान की गई। 12वीं तथा 10वीं कक्षा के लिए पुरस्कृत होने वाले दूसरे तथा तीसरे स्थान के टॉपर्स में आयुष कुमार सिंह, अंकित कुमार, आदिती चौहान एवं मनीष कुमार सिंह का नाम शामिल किया गया जिन्हें क्रमशः 7500 रुपए तथा 5000 रुपए की सम्मान राशि प्रदान की गई। विद्यार्थियों के बेहतर परिणामों पर खुशी व्यक्त करते हुए विद्यालय की निदेशक डॉ मोनिका सिंह ने विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय की पूरी टीम को भी शुभकामनाएं प्रेषित की और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने को लेकर विद्यालय की प्रतिबद्धता को अपना प्रथम लक्ष्य बताया।

नाबालिग छात्रा के लापता होने में कोचिंग शिक्षक पर आरोप, मामला दर्ज

करगहर (रोहतास)। करगहर थाना क्षेत्र से नौवीं कक्षा की एक 13 वर्षीय छात्रा के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने कोचिंग सेंटर के शिक्षक पर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, छात्रा स्थानीय उच्च विद्यालय में पढ़ती है और शुक्रवार को मॉर्निंग स्कूल के बाद शिव मंदिर के समीप संचालित एक कोचिंग सेंटर पढ़ने गई थी। देर दोपहर तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई। काफी खोजबीन और रिश्तेदारों से संपर्क करने के बावजूद छात्रा का कोई सुराग नहीं मिल सका। पीड़ित पिता ने बताया कि जब घर में रखे रुपये देखने गए तो 50 हजार नकद गायब मिले। वहीं बक्से की जांच करने पर कुछ आभूषण भी नहीं मिले। छात्रा अपनी मां का मोबाइल फोन लेकर गई थी, जिसमें फोन-पे चालू था। बैंक खाते की जांच में 40 हजार रुपये निकाले जाने की जानकारी मिली। आरोप है कि कोचिंग शिक्षक ने ही अपने नाम से राशि निकाली है। इस संबंध में करगहर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि चेनारी थाना क्षेत्र के कर्मा गांव निवासी प्रिंस कुमार, पिता विजय पासवान, के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। पुलिस छात्रा की बरामदगी एवं आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

कार व बाइक की टक्कर में बाइक सवार युवक हुआ घायल इलाज जारी

काराकाट / रोहतास । थाना क्षेत्र के मुंजी पोखरा के समीप कार व बाइक की टक्कर में बाइक सवार युवक घायल हो गया। घायल रौशन कुमार बिक्रमगंज थाना के कहुआरा गांव का निवासी बताया जा रहा है। स्थानीय लोगो के सहयोग से उसे सीएचसी ले जाया गया,जहां से डाक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार इस घटना में युवक का एक पैर टूट गया है। वह बाइक से सलेमपुर होते गांव की ओर लौट रहा था। तभी सामने से आ रहे कार ने बाइक में टक्कर मार दिया। टक्कर लगते ही युवक मोटर साइकिल से गिर गया जिसमें उसका पैर टूट गया इलाज चल रहा है।

कौआकोल अंचल कार्यालय में जनता दरबार, तीन मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन

कौआकोल। आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर शनिवार को अंचल कार्यालय कौआकोल में जनता दरबार का आयोजन किया गया। आयोजित जनता दरबार में कुल छह मामलों की सुनवाई की गई, जिसमें तीन मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर संबंधित पक्षों को राहत प्रदान की गई, जबकि शेष तीन मामलों में आवश्यक जांच एवं साक्ष्य के आधार पर अगली तिथि निर्धारित कर सुनवाई के लिए रखा गया। जनता दरबार की अध्यक्षता अंचल अधिकारी मनीष कुमार ने की। इस दौरान राजस्व अधिकारी अनीश कुमार एवं थानाध्यक्ष सह पुलिस इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से भूमि एवं राजस्व से जुड़े मामलों की सुनवाई करते हुए निष्पादन में सहयोग किया। अधिकारियों ने उपस्थित लोगों की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए निष्पक्ष समाधान का आश्वासन दिया। जनता दरबार में राजस्व कर्मचारी नरेंद्र कुमार, प्रकाश कुमार, मिथुन कुमार, दीपक कुमार, आदित्य कुमार, नितेश कुमार मिश्रा एवं लिपिक नीतीश कुमार सहित अंचल कार्यालय के अन्य कर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए निर्धारित जनता दरबार में पहुंचकर लाभ उठाएं।

कला एवं शून्य निवेश नवाचार विकसित करने को लेकर मुखौटा कार्यक्रम का आयोजन

नवादा। विद्यार्थियों में कला एवं शून्य निवेश नवाचार विकसित करने के उद्देश्य से इंटर विद्यालय आती कादिरगंज में बच्चों के बीच मुखौटा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बच्चे अपने कला का प्रदर्शन करते हुए तरह-तरह के पशु एवं पक्षियों का मुखौटा का निर्माण किया विद्यालय के नवाचारी शारीरिक शिक्षक संतोष कुमार वर्मा के द्वारा लगातार यह प्रयास रहता है कि बच्चों को किताबी शिक्षा के साथ-साथ खेल-खेल में पढ़ाई नए-नए शैक्षणिक प्रयोग का आयोजन होता रहे ताकि बच्चे नियमित विद्यालय आकर गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सके और अपने रोजगार परख शैक्षणिक प्रयास से कैरियर बना सके इस तरह के प्रतियोगिता से एकाग्रता शारीरिक प्रयास और सीखने की क्षमता को बढ़ाता है साथ ही साथ प्रतिस्पर्धा करने की सामाजिक प्रेरणा विद्यार्थियों द्वारा अधिक मेहनत करने को प्रेरित करती है विद्यार्थियों के द्वारा वेस्टेज कूट के माध्यम से कबाड़ का जुगाड़ करते हुए इतनी सुंदर-सुंदर पशु एवं पक्षियों का फेस कलाकारी दिखाएं हैं इस मुखौटा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले नंदिनी सोनाली प्रियंका राजनंदनी सुप्रिया तैयबा रजनी खुशी नीतू राजवी सीता वंदना संजना रेशम कोमल आदि विद्यार्थियों ने ग्रामीण क्षेत्र में रहकर भी प्रोजेक्ट वर्क के माध्यम से कला का अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों का मनोबल को बढ़ाने के लिए विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक विजय कुमार के द्वारा सोमवार को मोमेंटो मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा

वट सावित्री पूजा में उमड़ी महिलाओं की आस्था, पति की लंबी उम्र की मांगी कामना

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

करगहर (रोहतास)। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में शनिवार को वट सावित्री पूजा श्रद्धा और भक्ति के माहौल में संपन्न हुई। सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी आयु, परिवार की सुख-समृद्धि एवं अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर बरगद वृक्ष की पूजा-अर्चना की। पूजा को लेकर सुबह से ही महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

महिलाएं पारंपरिक परिधान और पूजा सामग्री के साथ वट वृक्ष के पास पहुंचीं, जहां विधि-विधान से पूजा कर वृक्ष की परिक्रमा की तथा सूत का धागा बांधकर मंगल कामना की। पूजा के दौरान महिलाओं ने सावित्री-सत्यवान की कथा सुनी और एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर सौभाग्यवती रहने का आशीर्वाद दिया।

धार्मिक मान्यता के अनुसार वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है। कहा जाता है कि माता सावित्री ने अपने पतिव्रत धर्म के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। इसी मान्यता के साथ महिलाएं यह व्रत रखती हैं।

पूजा के बाद महिलाओं के बीच चना, गुड़ और अन्य प्रसाद का वितरण किया गया। नवविवाहित महिलाओं में पहली बार व्रत करने को लेकर विशेष उत्साह देखा गया।

इस अवसर पर सोनाली कुमारी ने बताया कि वह पिछले छह वर्षों से लगातार वट सावित्री का व्रत कर रही हैं। वहीं राधा पाठक ने कहा कि यह पर्व महिलाओं की आस्था और विश्वास का प्रतीक है, जिसका सभी बेसब्री से इंतजार करती हैं। पूजा करा रहे पंडित अनिल मिश्र ने बताया कि विधि-विधान से वट सावित्री पूजा करने से पति की आयु लंबी होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

काराकाट महिलाओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना की

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट प्रखंड के शहरी और ग्रामीण इलाकों में शनिवार को वट सावित्री व्रत धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं में जोरदार उत्साह देखने को मिला। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की। सुबह से ही गांवों के मंदिरों, चौक-चौराहों और वट वृक्षों के नीचे पूजा-अर्चना और कथा श्रवण का दौर चला। पूजा के बाद महिलाओं ने ब्राह्मणों को पूजन सामग्री, फल और दक्षिणा अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया।विद्वतजनों ने व्रत की कथा सुनाते हुए बताया कि माता सावित्री ने अपने अटूट विश्वास और संकल्प से यमराज से पति सत्यवान के प्राण वापस लिए थे। यह व्रत पतिव्रता धर्म और नारी शक्ति का प्रतीक है। पंडित हरिशरण दुबे ने कहा कि वट सावित्री व्रत नारी शक्ति, त्याग और परिवार के प्रति अटूट विश्वास का जीवंत प्रतीक है। पंडित लालबाबू दुबे और शुभराज पांडेय ने बताया कि वट वृक्ष अमरत्व और जीवनदायिनी शक्ति का प्रतीक है, जिसकी पूजा से परिवार में सुख-समृद्धि और दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहती है।

बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाएं इस पूजा में शामिल हुईं। सभी व्रतियों ने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना करते हुए श्रद्धापूर्वक व्रत किया। पूजा में बंदना पांडेय, चंचल उर्फ वैशाली पाण्डेय ,शारदा पांडेय,ललिता देवी, फूलवंती देवी, पम्मी देवी, पूजा देवी और सरिता देवी सहित कई महिलाएं उपस्थित थीं।

नाइट क्रिकेट लीग का रोमांचक फाइनल शनिवार दोपहर हुआ संपन्न

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट /रोहतास । नगर पंचायत के गोडारी मुख्यालय पर शुक्रवार रात से चल रही नाइट क्रिकेट लीग का रोमांचक फाइनल शनिवार दोपहर संपन्न हुआ। 16 टीमों के मध्य खेले गए गोडारी प्रीमियम लीग 2026 के फाइनल में भोजपुर जिले के नारायणपुर ने बिक्रमगंज (रोहतास) को 10 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। लीग का आयोजन नाइट क्रिकेट कमेटी के अध्यक्ष दीपक कुमार के नेतृत्व में कराया गया था। उद्घाटन समारोह शुक्रवार रात मुख्य अतिथि उपमुख्य पार्षद रविश रंजन ने फीता काटकर और आतिशबाज़ी के बीच किया। उद्घाटन के समय वार्ड पार्षद संजय राम, संतोष कुमार, दिलीप कुमार और विशाल भारती भी उपस्थित थे। हार-जीत के अलावा आयोजन में ग्रामीणों की अच्छी भीड़ और जोश दिखा। फाइनल मुकाबले में बिक्रमगंज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए छह ओवर में 85 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया। जवाब में नारायणपुर ने छह ओवर में 86 रन मात्र 5 ओवर 2 गेंद में बनाकर लक्ष्य पूरा कर लिया और विरोधी टीम को बराबर दबदबा दिया। नारायणपुर के विकास कुमार ने मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्लेयर ऑफ द सीरीज और प्लेयर ऑफ द मैच दोनों पुरस्कार जीते; उन्हें 32 इंच एलईडी टीवी और मोबाइल दिया गया। उन्होंने ऑरेंज कैप भी हासिल किया। बिक्रमगंज के रोशन विराट को बेस्ट फील्डर और रॉकी को बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार मिला। विजेता टीम को मुख्य अतिथि रविश रंजन ने ट्रॉफी व मेडल देकर सम्मानित किया। उपविजेता को भी ट्रॉफी व 6,000 नकद इनाम दिया गया जबकि विजेताओं को ट्रॉफी के साथ 15,000 नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। समाजसेवी पिंकू पांडे व कमेटी के उपाध्यक्ष युवराज सिंह, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार, व्यवस्थापक पवन राज उर्फ मल्लू सहित अनेक ग्रामीण और युवाओं ने पुरस्कार वितरण में हिस्सा लिया। दोनों अंपायरों तथा कमेंटेटर अमन राज को भी सम्मानित किया गया।

जनाब सुहैल अंसारी के निधन पर राष्ट्रीय जनता दल परिवार की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रोहतास जिले के वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं राष्ट्रीय जनता दल के मज़बूत स्तंभ, शहर सासाराम की सियासत के अहम किरदार जनाब सुहैल अंसारी के निधन पर राष्ट्रीय जनता दल परिवार की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

सभा की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रामचंद्र ठाकुर ने की, जबकि संचालन सदर हुसैन अंसारी ने किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक विजय कुमार मंडल, पूर्व राजद प्रत्याशी सत्येंद्र साह, वरिष्ठ नेता सलाम बेग, जितेंद्र नटराज,राजीव रंजन,कार्यक्रम के आयोजन करता शिवंत कुशवाहा,रामप्रवेश कुशवाहा,मकसूद अलम,विजय महतो, सरबजीत सिंह खालसा,जयशंकर मुखिया,प्रखंड अध्यक्ष सद्दाम राजा,चांद अशरफ खान,तौकीर आलम मंसूरी कलमदार साहब,लुकमान फरहान,गुलरेज अंसारी,इमरान मकरानी साहब समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन दिल्ली एजुकेशनल पब्लिक स्कूल, चौखंडी रोड, सासाराम में किया गया, जहां उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने जनाब सुहैल अंसारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि वे संकट के दौर में भी हमेशा पार्टी के साथ मजबूती से खड़े रहे और सामाजिक न्याय की राजनीति का परचम शहर सासाराम में बुलंद करते रहे। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सुहागिनों ने किया वट सावित्री व्रत, वृक्ष की पूजा कर बांधा रक्षा सूत्र

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

राजपुर। वट सावित्री व्रत शनिवार को क्षेत्र अन्तर्गत श्रद्धा भक्ति के साथ धूमधाम से मनाया गया.इस अवसर पर सुहागिनें अहले सुबह नहा धोकर वट वृक्ष वाले स्थलों पर जाकर श्रृंगार प्रसाधनों से वृक्ष स्थल का श्रृंगार करते हुए विभिन्न सामग्रियों से पूजा किया.वैदिक रीति-विधि से पीपल युक्त वट वृक्ष की पुजा करके 108 बार रक्षा सूत्र बांधकर प्रदक्षिणा करते हुए भगवान ब्रह्मा व सावित्री का आराधना की

वृक्ष के नीचे समूह में बैठकर पुरोहित से सत्यवान् व सावित्री की पवित्र व्रत कथा का श्रवण करते हुए व्रत महत्व को जाना.जेष्ठ कृष्ण अमावस्या के इस पावन अवसर पर सुहागिनों ने अपने अखण्ड सुहाग की रक्षा एवं सौभाग्य प्राप्ति वरदान की मनौती रखते हुए वृक्ष को चावर डोलाया.घर पहुंचने पर सुहागिनों ने पति को गुड चने का प्रसाद खिला पंखा झलकर आशीर्वाद प्राप्त किया. यह व्रत पकडी, राजपुर,काशिपुरी, श्रीनगर, पटखौलिया, मंगरवलिया, डिहरी, अमाडी, पडरिया, रोतवा समेत क्षेत्र के सभी गांव में सम्पन्न हुआ. कथावाचक पुरोहित पंडित दया शंकर दुबे,शशिकान्त पाठक,अंजनी स्वामी,पंडित कृष्णा शास्त्री आदी ने कहा कि दशकों बाद इस बार अमावस्या पर एक साथ कई महासंयोग बने हैं.आज के दिन निष्ठा पूर्वक विधि विधान से पूजा करने वाली सुहागिनों को अखंड सौभाग्य प्राप्ति का फल मिलता है.पाकड,पीपल युक्त वट वृक्ष की पूजा से निःसंतान सुहागिनों की गोद भर जाती है.

करगहर बाजार में अतिक्रमण पर प्रशासन सख्त, पांच दिनों की मोहलत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

करगहर (रोहतास)। करगहर बाजार में लगातार बढ़ रही अतिक्रमण की समस्या को लेकर प्रशासन अब पूरी तरह सख्त हो गया है। सड़क किनारे किए गए स्थायी एवं अस्थायी अतिक्रमण के कारण बाजार में रोजाना जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए अंचल प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों को पांच दिनों के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया है।

सीओ अजीत कुमार ने बताया कि करगहर बाजार के दक्षिणी छोर से लेकर सेमरी मोड़ तक सासाराम-चौसा मुख्य पथ पर सड़क की जमीन पर कब्जा कर दुकानें, ठेला एवं अन्य अस्थायी निर्माण करने वालों को लाउडस्पीकर के माध्यम से चेतावनी दी गई है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने यह भी साफ कर दिया है कि अतिक्रमण हटाने के दौरान होने वाले सरकारी खर्च की वसूली संबंधित अतिक्रमणकारियों से ही की जाएगी। बाजार में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए सड़क किनारे खड़ी बसों एवं ऑटो को भी दूसरी जगह शिफ्ट करने की तैयारी की जा रही है।

सीओ ने कहा कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर हर हाल में बाजार को अतिक्रमणमुक्त बनाया जाएगा। उन्होंने आम लोगों से भी प्रशासनिक कार्रवाई में सहयोग करने की अपील की है।

गौरतलब है कि वर्षों से करगहर बाजार में अतिक्रमण के कारण जाम की समस्या बनी हुई है। सड़क पर वाहनों के दबाव और अवैध कब्जे के चलते राहगीरों, मरीजों तथा स्कूल आने-जाने वाले बच्चों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार एंबुलेंस तक जाम में फंस जाती है, जिससे मरीजों को परेशानी होती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए स्थायी समाधान की मांग की

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

घरों के छत पर वट सावित्री पूजा

मुंगेर। मुंगेर में शनिवार को वट सावित्री व्रत श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पतियों की लंबी आयु और सौभाग्य की कामना के लिए वटवृक्ष की पूजा की। जिला मुख्यालय के विभिन्न स्थानों पर पूजा-अर्चना के लिए महिला श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। बेकापुर शनि मंदिर, फोर्ट एरिया, किला मुसहरी, कस्तूरबा वाटर्स, वासुदेवपुर दुर्गा स्थान, महिला थाना के समीप, रिफ्यूजी कॉलोनी, मंगल बाजार, माधोपुर, मकससपुर, कासिम बाजार, चुआबाग और पूरबसराय सहित कई अन्य जगहों पर वटवृक्ष के नीचे महिलाओं ने पूजा की।

घरों की छतों पर ही वटवृक्ष की टहनी मंगाकर पूजा-अर्चना की: बरियारपुर प्रखंड के चिरैयाबाद गांव में भी यह पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कुछ स्थानों पर महिला व्रतियों ने अपने घरों की छतों पर ही वटवृक्ष की टहनी मंगाकर पूजा-अर्चना की। व्रत करने वाली श्रद्धालु शांति देवी, सोनी देवी, पुतुल देवी, रूबी झा, आशा देवी, सुजाता देवी और प्रोफेसर मोहनी झा ने बताया कि सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सौभाग्य की रक्षा के लिए यह व्रत रखती हैं।

ग्रामीण इलाकों में भी सुहागिन महिलाओं में उत्साह देखा: वट सावित्री पूजा को लेकर मुंगेर के शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी सुहागिन महिलाओं में उत्साह देखा गया। सदर मुंगेर, जमालपुर, बरियारपुर, धरहरा, हवेली खड़गपुर, टेटिया बंबर, संग्रामपुर, तारापुर और असरगंज प्रखंड सहित विभिन्न क्षेत्रों में जगह-जगह पर सुहागिन महिलाओं ने पूजा-अर्चना की।

अजगैबीनाथ धाम में वट सावित्री पर उमड़ी भीड़

भागलपुर। भागलपुर के सुल्तानगंज स्थित प्रसिद्ध अजगैबीनाथ धाम में वट सावित्री पूजा को लेकर श्रद्धा और आस्था का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाएं सज-धजकर वट वृक्ष के समीप पहुंचीं। विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर अपने पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में पूजा को लेकर खासा उत्साह देखा गया। महिलाओं ने वट वृक्ष के चारों ओर धागा बांधकर फल, फूल, प्रसाद और पूजन सामग्री अर्पित की। पूजा के दौरान महिलाओं द्वारा पारंपरिक गीत भी गाए गए, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुबह से ही मंदिर परिसर, गंगा घाट और मुख्य मार्गों पर चहल-पहल बनी रही।

बाजार में सुबह से रही रौनक: जिले की कचहरी चौक, बरका चौक, एसएम कॉलेज रोड, शहीद चौक समेत विभिन्न इलाकों में भी महिलाओं ने सामूहिक रूप से वट सावित्री पूजा की। कई जगहों पर पूजा मंडप सजाए गए थे, जहां महिलाओं ने पारंपरिक परिधान में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। शहर के बाजारों में भी सुबह से रौनक देखी गई। पूजा सामग्री, फल, मिठाई और श्रृंगार सामग्री की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ लगी रही। संगीत देवी ने बताया कि यह पर्व पति की लंबी उम्र और अखंड सौभाग्य के लिए है। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता सावित्री ने अपने तप और संकल्प से यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। इसी परंपरा के तहत सुहागिन महिलाएं वट वृक्ष की पूजा कर अपने पति की लंबी आयु की कामना करती हैं।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम: श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट नजर आया। प्रशिक्षु एएसपी सह थानाध्यक्ष सायम रजा के नेतृत्व में गंगा घाट से लेकर मंदिर क्षेत्र और शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जगह-जगह पुलिस की गश्ती भी जारी रही, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

ऑटो शोरूम में पत्नी का हंगामा

मुंगेर। मुंगेर शहर के घोषी टोला स्थित श्यामा ऑटो मोबाइल शोरूम में शुक्रवार को हंगामा हो गया। शोरूम मालिक सुनील कुमार की पत्नी उर्वशी कुमारी ने पति पर दूसरी शादी और प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए तोड़फोड़ की। महिला ने शोरूम का शीशे का गेट तोड़ दिया और अंदर रखी टेबल-कुर्सियों को पलटकर नुकसान पहुंचाया। इस घटना के बाद इलाके में भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला अचानक शोरूम पहुंची और तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान शोरूम का शीशा टूट गया। हंगामे में शीशे के टुकड़े महिला के हाथ और शरीर में लगे, जिससे वह घायल हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे शांत करने की कोशिश की, लेकिन वह पति के खिलाफ अपना विरोध जताती रही।

काफी प्रयास के बाद महिला को शांत कराया: घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने काफी प्रयास के बाद महिला को शांत कराया। घायल अवस्था में महिला को बैठाकर प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई। इस घटना से शोरूम में मौजूद कर्मचारी और ग्राहक भयभीत हो गए थे। घायल उर्वशी कुमारी ने बताया कि उनकी शादी वर्ष 2007 में सुनील कुमार से हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही पति ने उन्हें पत्नी का अधिकार और सम्मान नहीं दिया।

पति का दूसरी महिला से प्रेम संबंध था: महिला का कहना है कि उनके पति का दूसरी महिला से प्रेम संबंध था और बाद में उसने दूसरी शादी भी कर ली। उन्होंने यह भी बताया कि प्रताड़ना से परेशान होकर वह पहले भी कासिम बाजार थाना में शिकायत दर्ज करा चुकी हैं। पुलिस ने इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। दिनदहाड़े शोरूम में हुई इस घटना की चर्चा पूरे शहर में बनी हुई है।

दास टोला में भीषण आग, दो घर जले

मुंगेर। मुंगेर के सफियासराय थाना क्षेत्र अंतर्गत परहम पंचायत के वार्ड संख्या 10 स्थित दास टोला में शुक्रवार देर शाम अचानक भीषण आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते छतरी चौधरी और बाल्मीकि दास का घर इसकी चपेट में आ गया। घटना के बाद पूरे इलाके में चीख-पुकार मच गई और लोग जान बचाने के लिए घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों के अनुसार आग तेजी से फैल रही थी, जिससे आसपास के घरों में भी दहशत का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और इसकी सूचना प्रशासन को दी गई।

ग्रामीणों और गोताखोर टीम ने संभाला मोर्चा: आग लगने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। स्थानीय गोताखोर टीम ने भी मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के साथ आग बुझाने में सहयोग किया। ग्रामीणों ने बाल्टी, मोटर और अन्य संसाधनों की मदद से घंटों मशक्कत की, जिसके बाद किसी तरह आग पर काबू पाया जा सका। लोगों की तत्परता के कारण आग को आसपास के अन्य घरों तक फैलने से रोक लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

घर का सारा सामान जलकर राख: इस आगलगी की घटना में दोनों परिवारों को भारी नुकसान हुआ है। पीड़ित परिवारों के अनुसार घर में रखा फर्नीचर, कपड़े, अनाज, बर्तन समेत अन्य जरूरी सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। पीड़ितों ने बताया कि आग में करीब तीन लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। घटना के बाद दोनों परिवारों के सामने रोजमर्रा की जरूरतों का संकट खड़ा हो गया है।

पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल: घटना के बाद पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि वर्षों की मेहनत से जुटाया गया सामान कुछ ही देर में आग की भेंट चढ़ गया। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि पीड़ित परिवारों को खाने-पीने और रहने की व्यवस्था के लिए तुरंत मदद की जरूरत है।

आग लगने के कारणों की जांच जारी: फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। मामले की सूचना स्थानीय प्रशासन को दे दी गई है। प्रशासनिक अधिकारी नुकसान का आकलन करने में जुटे हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो आसपास के कई और घर इसकी चपेट में आ सकते थे। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

विधायक आवास पर ग्रामीणों ने दिया धरना, 20 साल से सड़क नहीं

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में शनिवार को ग्रामीणों ने विधायक बुलो मंडल के आवास पर धरना दिया और सड़क निर्माण की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि 20 साल से सड़क की समस्या है। जनप्रतिनिधि और प्रशासन सिर्फ आश्वासन देते हैं। परेशान होने के बाद आज धरने पर बैठे हैं। धरना में शामिल वार्ड सदस्य अजय मंडल ने बताया कि गांव की स्थिति बेहद दयनीय है। गांव तक पहुंचने के लिए आज भी लोगों को पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। बच्चों को स्कूल जाने में सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। नदी पार करनी होती है। किसी की मौत हो जाने पर शव को कंधे पर उठाकर पानी पार कर श्मशान तक ले जाना पड़ता है। गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने में भी भारी परेशानी होती है। कई बार प्रसव रास्ते में या वाहन में ही हो जाता है। मामला गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डिम्हा पंचायत के नवटोलिया काटी धार गांव का है।

हमेशा कहा जाता है 'हो जाएगा': अजय मंडल ने कहा कि सड़क नहीं रहने के कारण गांव के युवकों की शादी तक नहीं हो पा रही है। लोग गांव आने से कतराते हैं। 2007 से लगातार सड़क निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। अजय मंडल ने आरोप लगाया कि विधायक से समस्या बताने पर हर बार केवल "हो जाएगा" कहकर उन्हें वापस भेज दिया जाता है।

कच्ची सड़क पूरी तरह से जर्जर हो गई है: अजय कुमार ने बताया कि गांव में आने-जाने के लिए लोगों को कई बार सोचना पड़ता है। कच्ची सड़क भी पूरी तरह जर्जर हो चुकी है और बरसात में पूरे गांव में कीचड़ और पानी भर जाता है। मरीज आधे रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मिल चुके हैं। आवेदन और ज्ञापन भी सौंपे गए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। आखिरकार मजबूर होकर ग्रामीण विधायक आवास पहुंचे और धरना-प्रदर्शन शुरू किया। धरना के दौरान ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सड़क निर्माण की दिशा में पहल नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। ग्रामीणों की मांग है कि नवटोलिया काटी धार गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने के लिए स्थायी सड़क का निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को बुनियादी सुविधाएं मिल सकें और वर्षों पुरानी समस्या से निजात मिल सके।

पति को यमराज के चंगुल से छुड़ाने की गाथा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। अररिया शहर में आज वट सावित्री पूजा का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। विभिन्न मंदिरों और बरगद के पवित्र स्थानों पर सुबह से ही महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं ने अपने पतियों की लंबी आयु, स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के साथ यह व्रत रखा। सज-धजकर पहुंची महिलाएं पूजा की थालियां, फल-फूल, रक्षा सूत्र और अन्य सामग्री लेकर आईं। पुरोहितों ने बरगद के पेड़ के नीचे विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई। इस दौरान महिलाओं ने बरगद के पेड़ की परिक्रमा कर रक्षा सूत्र बांधा।

श्रद्धा और सत्य से पति को यमराज के चंगुल से छुड़ाने की गाथा: वट सावित्री पूजा का महिलाओं के लिए विशेष महत्व है। यह व्रत ज्येष्ठ मास की अमावस्या को मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह पूजा सावित्री और सत्यवान की कथा पर आधारित है, जिसमें पत्नी की श्रद्धा और सत्य से पति को यमराज के चंगुल से छुड़ाने की गाथा है।

ठाकुरवाड़ी मंदिर प्रांगण में भी पूजा का आयोजन धूमधाम से: शहर के कृष्ण पुरी स्थित राधा कृष्ण मंदिर, चंद्र चौक के बजरंगबली मंदिर, कोसी कॉलोनी गेट स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर और नगर थाना परिसर के बरगद के पेड़ पर महिलाओं की भारी भीड़ देखी गई। सार्वजनिक ठाकुरवाड़ी मंदिर प्रांगण में भी पूजा का आयोजन धूमधाम से हुआ। पुरोहितों ने श्रद्धालु महिलाओं को व्रत की महत्ता बताई और विधिपूर्वक पूजा संपन्न कराई। पूजा के बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाया और मंगल कामनाएं व्यक्त कीं। शहर की महिलाएं पारंपरिक वस्त्रों में नजर आईं और उन्होंने बताया कि यह पूजा धार्मिक के साथ-साथ सामाजिक रूप से भी महिलाओं को एकजुट करती है। पूरा शहर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा और शाम तक पूजा-अर्चना जारी रही।

पोखर में डूबा बच्चा, मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बांका। बांका जिले के रजौन प्रखंड स्थित नयाटोला मधाय गांव में शनिवार को एक आठ साल के बच्चे की पोखर में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान नयाटोला मधाय गांव निवासी चंदन साह के पुत्र सोनू कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। सोनू कुमार गांव के अन्य बच्चों के साथ धोबिया पोखर में स्नान करने गया था। स्नान करते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। साथ में मौजूद बच्चों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके।

आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे: बच्चों के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों और परिजनों ने पोखर में काफी देर तक खोजबीन की। काफी मशक्कत के बाद सोनू को पानी से बाहर निकाला जा सका। सोनू को तत्काल डॉक्टर के पास ले जाया गया, जहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

ओम नगर में सड़क निर्माण पर विवाद

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। अररिया नगर परिषद क्षेत्र के ओम नगर में कोल्ड स्टोर के सामने रानीगंज रोड से शुरू हो रही लगभग 1500 मीटर लंबी पीसीसी सड़क का निर्माण कार्य स्थानीय वार्डवासियों ने रोक दिया। ग्रामीणों ने निर्माण में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए पारदर्शिता की मांग की है। वार्डवासियों का कहना है कि सड़क किस योजना के तहत बनाई जा रही है, कुल लागत कितनी है, सड़क कहां से कहां तक बनेगी और इसके मापदंड क्या हैं, इसकी कोई जानकारी आम नागरिकों को नहीं दी गई है। निर्माण स्थल पर न तो एस्टीमेट बोर्ड लगाया गया है और न ही कोई सूचना पट्टिका।

चौड़ाई और ढलाई की मोटाई को लेकर भी स्पष्टता नहीं: स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क में पहले बैडमिसाली डाली गई, जिसकी मोटाई मात्र दो इंच है। जबकि नगर परिषद के इंजीनियर विकास कुमार ने स्पष्ट किया कि बैडमिसाली कम से कम छह इंच होनी चाहिए। सड़क की चौड़ाई और ढलाई की मोटाई को लेकर भी स्पष्टता नहीं है। वार्डवासियों ने आरोप लगाया कि साइड में छह-सात इंच की माप ली गई, लेकिन फिटिंग के बाद ढलाई मात्र चार से छह इंच की हो रही है। इस कार्य की संवेदक सुशीला साह हैं। संवेदक के पुत्र अंकित ने सवालों पर कोई जवाब देने से इनकार कर दिया और बोर्ड लगाने की बात पर सिर्फ "लगवा देंगे" कहकर टाल दिया।

प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की: आक्रोशित वार्डवासियों ने काम रोककर प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने जोर देकर कहा कि निर्माण एस्टीमेट के अनुसार ही होना चाहिए और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने नगर परिषद से तुरंत एस्टीमेट, लागत और मापदंड सार्वजनिक करने की मांग की। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद पर "लूट" का आरोप लगाते हुए महादेव चौक पर हाल ही में गिरे स्वागत द्वार का उदाहरण भी दिया। इस मामले में अब नगर परिषद प्रशासन और जिला प्रशासन की भूमिका पर सबकी नजर है। वार्डवासियों ने चेतावनी दी है कि बिना पूरी जानकारी और गुणवत्ता सुनिश्चित किए काम शुरू नहीं होने दिया जाएगा। इसके अलावे ओम नगर वार्ड संख्या 8 के पार्षद प्रतिनिधि राजेश पासवान ने बताया कि वार्ड वासियों की मांग जायज है। गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ होने नहीं दिया जा सकता है। उन्होंने विभाग के इंजीनियर से गुणवत्तापूर्ण कार्य करने का अनुरोध किया है। वही इस मामले को लेकर नगर परिषद के कार्यपालक अभियंता चंद्र प्रकाश से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जांच कराई जाएगी।

वट सावित्री पूजा, फलों के दाम बढ़े

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। अररिया शहर में वट सावित्री पूजा को लेकर शनिवार सुबह से ही बाजारों और चौक-चौराहों पर भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह-सुबह महिलाएं फूल, फल और पूजा सामग्री खरीदने के लिए बाजार पहुंचीं, जिससे पूरे शहर में चहल-पहल का माहौल बना रहा। वट सावित्री व्रत में महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के साथ बरगद के वृक्ष की पूजा करती हैं। इस बार त्योहार को लेकर महिलाओं में खास उत्साह देखने को मिला। बाजारों में न केवल खरीदारों की भीड़ उमड़ी, बल्कि मांग बढ़ने के कारण फलों और पूजा सामग्री की कीमतों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई।

फलों की कीमतों में आई तेजी: स्थानीय बाजारों में पूजा के लिए इस्तेमाल होने वाले फलों के दाम आसमान छूते नजर आए। बाजार में सेब 200 से 220 रुपये प्रति किलो, अनार 200 से 220 रुपये प्रति किलो और संतोला 280 से 300 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। वहीं लिची की कीमत भी काफी बढ़ गई है। एक पीस लिची 4 रुपये में मिल रही है, जबकि 50 पीस की थैली 200 रुपये में बेची जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि वट सावित्री पूजा को लेकर मांग बढ़ने से कीमतों में उछाल आया है।

पूजा सामग्री की दुकानों पर भी भीड़: पूजा सामग्री की दुकानों पर भी दिनभर भारी भीड़ लगी रही। पूजा में इस्तेमाल होने वाली छोटी टोकरी 150 रुपये और बड़ी टोकरी 200 रुपये प्रति पीस बिक रही है। इसके अलावा बांस का पारंपरिक पंखा 60 से 80 रुपये तक में बेचा जा रहा है। फूल, माला और गजरे की दुकानों पर महिलाओं की लंबी कतारें देखी गईं। कई दुकानदारों ने बताया कि सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ लगातार बनी रही।

"श्रद्धा में कोई कमी नहीं": खरीदारी करने पहुंची महिलाओं ने बताया कि वट सावित्री पूजा की सबसे बड़ी खासियत नए-नए फलों को भगवान को चढ़ाने की परंपरा है। इसी वजह से महिलाएं सेब, लिची, अनार और संतोला समेत विभिन्न मौसमी फलों की खरीदारी कर रही हैं। एक महिला ने कहा, "पति की लंबी उम्र के लिए हम हर साल यह व्रत रखती हैं। इस बार पूजा सामग्री और फल महंगे जरूर हुए हैं, लेकिन श्रद्धा में कोई कमी नहीं आने दी।"

ग्रामीण इलाकों में भी दिख रहा उत्साह: वट सावित्री पूजा को लेकर अररिया के ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्साह का माहौल है। गांवों में महिलाएं पूजा की तैयारियों में जुटी हुई हैं। कई स्थानों पर बरगद के पेड़ों की साफ-सफाई और सजावट भी की जा रही है। हिंदू परंपरा के अनुसार वट सावित्री पूजा ज्येष्ठ अमावस्या के दिन मनाई जाती है। इस दिन महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं और शाम को बरगद के वृक्ष की पूजा-अर्चना कर व्रत खोलती हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस व्रत से पति की आयु लंबी होती है और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

सुल्तानगंज उपसभापति और दोनों बेटे पर इनाम घोषित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। सुल्तानगंज नगर परिषद के चेयरमैन राज कुमार गुड्डू हत्याकांड में पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई। इस मामले में मुख्य आरोपी रामधनी यादव के एनकाउंटर के बाद अब उपसभापति नीलम देवी समेत उनके दो बेटों की भी गिरफ्तारी होगी। भागलपुर पुलिस की ओर से तीनों की गिरफ्तारी के लिए इनाम घोषित किया गया है। एसएसपी प्रमोद कुमार यादव की अनुशंसा पर रेंज आईजी विवेक कुमार ने रामधनी यादव की पत्नी नीलम देवी पर 25 हजार और उनके पुत्र मनीष कुमार, अंकित कुमार पर 50-50 हजार का इनाम घोषित किया है। पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमार कर रही है। इस मामले में दो शूटर दीपक यादव, पिक यादव और रामधनी के एक बेटे शनि यादव की गिरफ्तारी पहले हो चुकी है।

28 अप्रैल को ऑफिस में घुसकर बरसाई थीं गोलियां: 28 अप्रैल को शाम 4 बजे भागलपुर की सुल्तानगंज नगर परिषद में हथियार के साथ 3 लोग दाखिल हुए। उस वक्त एग्जीक्यूटिव ऑफिसर कृष्णा भूषण और चेयरमैन राजकुमार गुड्डू मीटिंग कर रहे थे। अपराधियों ने घुसते ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। अपराधियों के निशाने पर राजकुमार गुड्डू थे। इस दौरान बीच बचाव करने आए एग्जीक्यूटिव ऑफिसर कृष्णा भूषण की मौके पर ही मौत हो गई थी।

रामधनी यादव और राजकुमार गुड्डू के बीच थी पुरानी अदावत: फायरिंग करने वाला रामधनी यादव चूंकि नगर परिषद के उपसभापति नीलम देवी का पति था और नगर परिषद के चेयरमैन राजकुमार गुड्डू से उसकी पुरानी अदावत थी। रामधनी यादव का नगर परिषद ऑफिस आना जाना था, इसलिए वो एग्जीक्यूटिव अफसर कृष्णा भूषण कुमार से भी परिचित था। जब रामधनी फायरिंग कर रहा था, तब कृष्णा भूषण गुड्डू बीच बचाव में आए थे।

सरेंडर के बाद की फायरिंग: पुलिस ने अपराधी की पहचान कर ली थी। अपराधी को भी इसकी भनक लग गई थी कि पुलिस उसे पहचान गई है। खुद को बचाने के लिए अपराधी रामधनी यादव शाम करीब 8 बजे ऑटो से पुलिस स्टेशन पहुंचा और सरेंडर कर दिया। पुलिस ने उससे पूछताछ शुरू की। जिस हथियार से मर्डर किया गया था, पुलिस उसे बरामद करना चाहती थी। लेकिन रामधनी बार-बार पुलिस सवालों को घुमा रहा था। सख्ती बरतने पर रामधनी ने बताया कि, हथियार को सुनसान इलाके में फेंक दिया है। पुलिस हर हाल में हथियार बरामद करना चाहती थी। लिहाजा हत्या के अगले दिन यानी 29 अप्रैल को रामधनी को साथ लेकर वो वहां पहुंची जहां रामधनी ने हथियार छिपा रखा था। पुलिस रामधनी को लेकर आगे बढ़ रही थी, पीछे-पीछे रामधनी के गुर्गे भी आ रहे थे।

पुलिस पर की ताबड़तोड़ फायरिंग: रामधनी को यह भनक लग गई कि अगर हथियार बरामद हो जाता है तो वो बुरी तरफ फंस जाएगा। जैसे ही रामधनी सुनसान इलाके में पहुंचता है वो अपने गुर्गों को फायरिंग करने के लिए कहता है। गुर्गे पुलिस पर फायरिंग शुरू कर देते हैं। इतने में रामधनी भी छिपाई जगह से पिस्टल निकाल लेता है और फायरिग शुरू कर देता है। गोलीबारी में डीएसपी नवनीत कुमार सहित तीन पुलिसकर्मी घायल हो जाते हैं। पुलिस भी बचाव में फायरिंग शुरू कर देती है। गोली रामधनी के सीने में लगती है वो वहीं जमीन पर गिर जाता है। पुलिस रामधनी के दो गुर्गों दीपक और उसके साले को मौके से अरेस्ट करती है। रामधनी को घायल हालत में मायागंज अस्पताल लाया जाता है, लेकिन डॉक्टर उसे मृत घोषित कर देते हैं।

पुलिस बन ठग ने महिला से मांगे 6500

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बांका। बांका के रजौन थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का एक नया मामला सामने आया है। यहां एक साइबर ठग ने खुद को पुलिस पदाधिकारी बताकर एक महिला से रुपये ऐंठने की कोशिश की। हालांकि महिला की सतर्कता के कारण ठगी की यह कोशिश नाकाम हो गई। जानकारी के अनुसार लहोरिया गोपालपुर गांव की एक महिला ने दो दिन पहले मारपीट और लगातार प्रताड़ित किए जाने को लेकर रजौन थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

"अभियुक्त को जेल भेजना है, पैसे दीजिए": इसी बीच महिला के मोबाइल पर एक फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को रजौन थाना का पुलिस पदाधिकारी बताया। उसने महिला से कहा कि मामले में केस दर्ज हो चुका है और अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजना है। आरोप है कि कथित पुलिस अधिकारी ने कार्रवाई के नाम पर महिला से 6500 रुपए की मांग की। फोन करने वाला लगातार जल्द पैसे भेजने का दबाव बना रहा था।

महिला को हुआ शक, खुल गई ठगी की पोल: महिला ने तुरंत पैसे देने के बजाय कुछ देर इंतजार करने की बात कही। बातचीत के दौरान उसे संदेह हुआ कि फोन करने वाला व्यक्ति फर्जी हो सकता है। इसके बाद उसने स्थानीय मीडियाकर्मी से संपर्क कर पूरी जानकारी साझा की। जब मामले की पुष्टि के लिए स्थानीय थाना से संपर्क किया गया, तो पता चला कि जिस नाम से फोन किया गया था, उस नाम का कोई पुलिस पदाधिकारी थाना में पदस्थापित ही नहीं है। जांच में यह मामला साइबर ठगी का निकला।

ऑनलाइन एफआईआर की जानकारी जुटा रहे ठग: बताया जा रहा है कि साइबर ठग अब ऑनलाइन आवेदन और प्राथमिकी से जुड़ी जानकारी हासिल कर लोगों को निशाना बना रहे हैं। ठग व्हाट्सएप डीपी पर पुलिस अधिकारियों की तस्वीर लगाकर लोगों को भरोसे में लेने की कोशिश करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जिससे आम लोग दहशत में हैं।

पुलिस ने जारी की चेतावनी: स्थानीय पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट कहा है कि कोई भी पुलिस पदाधिकारी फोन पर पैसे की मांग नहीं करता। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा पुलिस अधिकारी बनकर पैसे मांगे जाएं, तो उसकी जानकारी तुरंत स्थानीय थाना को दें। साथ ही किसी अनजान नंबर पर पैसे ट्रांसफर करने से बचें।

बढ़ रही साइबर ठगी की घटनाएं: विशेषज्ञों का कहना है कि साइबर अपराधी अब लोगों की निजी और कानूनी जानकारियों का इस्तेमाल कर उन्हें मानसिक दबाव में लेने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे मामलों में थोड़ी सी सतर्कता बड़ी ठगी से बचा सकती है। पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि किसी भी संदिग्ध कॉल या मैसेज की पुष्टि बिना किए भरोसा न करें और तुरंत इसकी शिकायत साइबर हेल्पलाइन या स्थानीय पुलिस से करें।

संक्षिप्त समाचार

जिला जनता दरबार में 22 लोगों की सुनी गयी समस्याएं

आरा| जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देशानुसार शुक्रवार को अपर समाहर्ता, लोक शिकायत ने ईज ऑफ लिविंग के तहत जिला जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में कुल 22 लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया और संबंधित मामलों पर आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देश दिए गए। अपर समाहर्ता लोक शिकायत, भोजपुर ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देशित किया।

100% गृह गणना कार्य पूर्ण करने वाले प्रगणकों को किया जाएगा पुरस्कृत

आरा। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को जूम मीटिंग के माध्यम से जनगणना 2027, सहयोग शिविर व फॉर्मर रजिस्ट्रेशन कार्य की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिया कि हाउस लिस्टिंग व एचएलबी कार्य में तेजी लायी जाए और प्रतिदिन किए जा रहे गृह गणना कार्य की संख्या में वृद्धि सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जिन प्रगणकों ने 100 प्रतिशत गृह गणना कार्य पूर्ण कर लिया गया है, उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। इसके लिए सभी चार्ज अधिकारियों को अगले दिन तक सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। फॉर्मर रजिस्ट्रेशन कार्य की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि जमाबंदीधारियों की मोबाइल नंबर सहित सूची जिला कृषि कार्यालय को उपलब्ध करायी जाए। ताकि किसान निबंधन प्रक्रिया में तेजी लायी जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक प्रखंड में अगले दिन न्यूनतम 100 किसान निबंधन हर हाल में पूर्ण किया जाए। आगामी 19 मई को 42 पंचायतों में आयोजित शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश सहयोग शिविर की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आगामी 19 मई को 42 पंचायतों में आयोजित होने वाले शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार जनप्रतिनिधियों, वार्ड सदस्यों व अन्य माध्यमों से किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर से संबंधित प्राप्त सभी आवेदनों का डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाए और पेंशन, राशन, आवास, दाखिल-खारिज, परिमार्जन आदि योजनाओं से संबंधित आवेदनों पर त्वरित अनुपालन किया जाए। उन्होंने सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारियों व 42 सहयोग शिविरों के नोडल पदाधिकारियों को नियमित तौर से प्राप्त आवेदनों की प्रगति की मॉनिटरिंग करने और पंचायत व प्रखंड स्तर पर समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस मौके पर उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी व अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे। दाखिल-खारिज, परिमार्जन, मापी, डिजिटाइजेशन का शीघ्र निष्पादन का निर्देश जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि उनके क्षेत्रीय पदाधिकारी व कर्मी अंचल कार्यालय के साथ समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक किसानों का निबंधन सुनिश्चित करें। साथ ही सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों व अंचलाधिकारियों को व्यापक जनसंपर्क व मोबिलाइजेशन करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी अंचलाधिकारियों को निर्देशित किया कि दाखिल-खारिज, परिमार्जन, मापी, डिजिटाइजेशन आदि लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिकाधिक किसानों का निबंधन कराया जा सके।

सीईटी-बीएड 2026 की तैयारियां तेज, 7 जून को होगी परीक्षा

आरा। बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों के सरकारी एवं निजी कॉलेजों में दो वर्षीय बी.एड. तथा शिक्षा शास्त्री पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए आयोजित होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा सीईटी- बीएड 2026 की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। यह परीक्षा आगामी 7 जून 2026 को राज्य के 11 प्रमुख शहरों में आयोजित की जाएगी। इस बाबत वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के 20 बीएड कॉलेजों में नामांकन के लिए शाहाबाद क्षेत्र के अभ्यार्थियों ने आवेदन किया है। शाहाबाद के नोडल पदाधिकारी डॉ राजेश वर्मा ने बताया कि लोकभवन, पटना को भेजी गई रिपोर्ट के अनुसार परीक्षा को पूरी तरह पारदर्शी, कदाचारमुक्त एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। नोडल विश्वविद्यालय बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश चंद्र राय ने राज्य नोडल पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि लोकभवन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप परीक्षा का सफल एवं निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित किया जाए। राज्य नोडल पदाधिकारी प्रो. संजय कुमार ने बताया कि सभी संबंधित जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर स्थानीय स्तर पर कानून-व्यवस्था की निगरानी के लिए जोनल कोऑर्डिनेटर नियुक्त करने का अनुरोध किया गया है। परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षकों, डीआईजी, प्रमंडलीय आयुक्तों एवं उच्च शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव के साथ भी समन्वय स्थापित किया गया है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। शुक्रवार, 15 मई 2026 की शाम 3 बजे तक राज्य भर से कुल 82,425 अभ्यर्थियों ने सफलतापूर्वक पंजीकरण कराया है। विलंब शुल्क के साथ आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 मई 2026 निर्धारित की गई है। अंतिम दिनों में सर्वर पर बढ़ते दबाव को देखते हुए तकनीकी टीम को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। परीक्षा के सफल संचालन के लिए राज्य के 11 चयनित शहरों में परीक्षा केंद्र बनाए जा रहे हैं। प्रस्तावित केंद्रों के भौतिक सत्यापन की जिम्मेदारी संबंधित विश्वविद्यालयों के नोडल पदाधिकारियों को सौंपी गई है, ताकि आधारभूत सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी न रहे। परीक्षा संचालन के लिए विस्तृत आधिकारिक निर्देशिका भी तैयार कर ली गई है, जिसमें सुरक्षा प्रोटोकॉल एवं परीक्षा संबंधी नियमों का विस्तृत उल्लेख किया गया है।

बाल विवाह के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान

आरा। भोजपुर जिले में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को खत्म करने के लिए जस्ट राईट्स फोर चिल्ड्रेन की साथी संस्था दिशा एक प्रयास द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। संस्था के कार्यकर्ता गांव-गांव, टोला-मुहल्लों, स्कूलों और समुदायों में जाकर लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक कर रहे हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि बाल विवाह बच्चों के भविष्य, शिक्षा, स्वास्थ्य और अधिकारों के लिए बेहद नुकसानदायक है। बताया गया है कि संस्था की टीम घर-घर जाकर अभिभावकों, किशोर-किशोरियों और समुदाय के लोगों से संवाद कर रही है। लोगों को बताया जा रहा है कि कम उम्र में शादी होने से बच्चों की पढ़ाई बाधित हो जाती है और खासकर लड़कियों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। कम उम्र में गर्भधारण मां और बच्चे दोनों के लिए खतरा बन सकता है। दिशा एक प्रयास के कार्यकर्ता स्कूलों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को उनके अधिकारों और शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दे रहे हैं। साथ ही अभिभावकों और शिक्षकों को भी बाल विवाह रोकने में अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान के दौरान सामुदायिक बैठक, जनसंवाद और जागरूकता रैली जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। लोगों को बाल विवाह निषेध कानून की जानकारी भी दी जा रही है, ताकि समाज कानूनी तौर से भी जागरूक हो सके। संस्था का कहना है कि बाल विवाह केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की समस्या है और इसे मिलकर खत्म करना जरूरी है। इस जागरूकता अभियान में दिशा एक प्रयास की टीम से राजेश कुमार राय, रजत कुमार, बिरेंद्र सिंह, संजीत कुमार सिंह, रंजू कुमारी, अखिलेश कुमार यादव सहित कई ग्रामीण और युवा मौजूद रहे।

ज्येष्ठ शिवरात्रि के पावन अवसर पर ब्रह्मपुर महोत्सव का हुआ शुभारंभ

ब्रह्मपुर| हर साल की भाती इए साल भी ब्रह्मपुर के गौरी शंकर विवाह महोत्सव आश्रम में ब्रह्मपुर महोत्सव का शुभारंभ हुआ । बाबा बरमेश्वर नाथ की नगरी में वर्षों से आयोजित ज्येष्ठ शिवरात्रि से गंगा दशहरा तक होने वाला ब्रह्मपुर महोत्सव का शिवरात्रि से शुभारंभ हो गया इस अवसर पर प्रख्यात कवि ब्रह्मपुर महोत्सव साहित्य के राष्ट्रीय प्रभारी श्री राम निवास वर्मा ने ब्रह्मपुर महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए की अद्भुत काव्यांजलि प्रस्तुत की। इस अवसर महोत्सव के संस्थापक आचार्य धर्मेंद्र को स्मृति चिन्ह भेंट की गई।

रील्स देखने से रोकने पर प्रेग्नेंट पत्नी ने खाया जहर, मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। आरा में रील्स देखने से मना करने पर एक गर्भवती महिला ने जहर खा लिया। गंभीर हालत में परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। नगर थाना क्षेत्र के उजियार टोला स्थित बिंद टोली मोहल्ले की है। मृतका की पहचान पटना जिले के महीनावां गांव निवासी गोविंद महतो की पत्नी पार्वती देवी(22) के तौर पर हुई है। उसके दो छोटे बच्चों हैं। पति ने बताया कि पार्वती वीडियो देखने के लिए मोबाइल मांग रही थी, मैंने मना कर दिया। इसी बात से नाराज होकर उसने जहर खा लिया।

मोबाइल को पति-पत्नी में बहस हुईः पति गोविंद महतो ने बताया कि वह गुजरात के राजकोट में एक लोहा कंपनी में मजदूरी करता है। 30 अप्रैल को अपनी भांजी की शादी में शामिल होने के लिए पूरे परिवार के साथ गांव आया था। शादी के बाद पत्नी की इच्छा पर वह बच्चों के साथ ससुराल चला आया था। शुक्रवार की सुबह पार्वती ने उससे मोबाइल मांगा, ताकि वह रिल्स देख सके, लेकिन उसने मोबाइल देने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद

पार्वती देवी
मृतका

बढ़ने पर मैं घर से बाहर निकल गया था। कुछ देर बाद ससुराल वालों ने फोन कर सूचना दी कि पार्वती ने जहर खा लिया है। इसके बाद वह तुरंत घर पहुंचा और आनन-फानन में इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लेकर आया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

मौत से पहले का वीडियोः जहर खाने से पहले पति-पत्नी के बीच हुई लड़ाई का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों के बीच मोबाइल को लेकर तीखी नोकझोंक होती दिखाई दे रही है। वीडियो में साफ देखा जा रहा है कि महिला मोबाइल को अपने पास दबा रखा है। भाई धन्नु ने बताया कि झगड़े के दौरान पार्वती काफी आक्रोश में थी। पति जब वीडियो बना रहा था तो उसने मोबाइल छीनने की भी कोशिश की थी।

बहन के साथ मारपीट हुई हैः मृतका के छोटे भाई धन्नु ने पति पर मारपीट का आरोप लगाया है। उसने बताया कि सुबह से ही मोबाइल को लेकर दोनों के बीच झगड़ा चल रहा था और जीजा ने उसकी बहन के साथ मारपीट भी की थी। परिवार के लोगों ने दोनों को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन विवाद लगातार बढ़ता गया। बहन ने पहले राजकोट में अपने पति को साइकिल खरीदने के लिए एक हजार रुपए दिए थे। जब पति ने मोबाइल देने से इनकार किया तो उसने अपने पैसे वापस मांगे, ताकि खुद मोबाइल खरीद सके। इसी बात को लेकर पार्वती और अधिक नाराज हो गई थी।

झगड़े के दौरान पति वीडियो बना रहा थाः भाई धन्नु ने आगे बताया कि झगड़े के दौरान पार्वती काफी आक्रोश में थी। पति जब वीडियो बना रहा था तो उसने मोबाइल छीनने की भी कोशिश की थी। कुछ देर बाद घर के लोग बाहर चले गए। इसी बीच उसने घर में रखे जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिवार वालों को इसकी जानकारी हुई और उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

गंगा में डूबे छात्र का शव बरामद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के महुली गंगा घाट पर गुरुवार की दोपहर डूबे छोटे भाई का शव दूसरे दिन बरामद हुआ। मुंडन संस्कार के दौरान दो भाई पानी में डूब गए थे। घटना से कुछ समय बाद पहले का शव मिला था। मृतक सोनू यादव(17) सिन्हा थाना क्षेत्र के चंदा गांव वार्ड नंबर-1 का रहने वाला था। पिता सुदर्शन यादव ने बताया कि सोनू के चचेरी बहन खुशी कुमारी की इसी माह शादी है। 21 मई को तिलक और 25 मई को बरात आने वाली है। जिसको लेकर दोनों भाई अपने परिवार के साथ कुछ दिन पहले ओडिशा से अपने गांव आए थे। इसी बीच उसके चचेरे भाई प्रकाश यादव के बेटे कल्लू का मुंडन संस्कार का कार्यक्रम बन गया। उसी में भाग लेने के लिए परिवार के सभी सदस्य महुली गंगा घाट गए थे। वहां नहाने के दौरान धनु और सोनू गंगा में डूब गए थे।

दूसरे दिन सोनू का शव मिलाः एसडीआरएफ ने सर्च अभियान चलाकर धनु का शव बरामद कर लिया गया था। जबकि सोनू को कुछ पता नहीं चल पाया था। दूसरे दिन शुक्रवार की सुबह से

ही एसडीआरएफ की टीम के द्वारा लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा था। जिसके बाद शव बरामद हुआ।

शादी की खुशियां मातम में बदलीः जहां एक तरफ परिवार के लोग उसकी चचेरी बहन खुशी कुमारी की शादी और भतीजे कल्लू के मुंडन संस्कार को लेकर खुशियां मना रहे थे। घरो में ढोल और शहनाइयां बज रही थी। देखते ही देखे उस घर में शादी का माहौल मातम में तब्दील हो गया। घर में रोने-धोने और चीखने- चिल्लाने की आवाज गूंजने लगी। बहन की घर से डोली उठने से पहले ही दो चचेरे भाइयों की अर्थी उठ गई।

19 मई को लगेगा रोजगार मेला

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर में बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। जिला नियोजनालय बक्सर द्वारा 19 मई 2026 को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन संयुक्त श्रम भवन, आईटीआई फील्ड स्थित जिला नियोजनालय परिसर में होगा। यह मेला सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। इस मेले में कई निजी कंपनियां भाग लेंगी और मौके पर ही अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। नियुक्ति प्रक्रिया युवाओं की शैक्षणिक योग्यता और अनुभव पर आधारित होगी। पुरुष और महिला दोनों अभ्यर्थी इसमें शामिल हो सकते हैं।

सहायक परोसक और सफाई कर्मी जैसे पदों पर भर्तीः प्रमुख कंपनियों में आगास इंडिया फाउंडेशन, व्यवसाई सुरक्षा कल्याण ट्रस्ट, अर्पणा अचार, पाटलिपुत्र प्रॉपर्टी केयर प्राइवेट लिमिटेड और दही बुनिया ढाबा प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। ये कंपनियां जिला समन्वयक, प्रखंड समन्वयक, बिक्री प्रतिनिधि, संपत्ति अभिकर्ता, दूरभाष परिचालक, भोजन परोसने वाले कर्मचारी, सहायक परोसक और सफाई कर्मी जैसे पदों पर भर्ती करेंगी। कुल 750 से अधिक पदों पर नियुक्ति की संभावना है। चयनित उम्मीदवारों को 12 हजार रुपये से 30 हजार रुपये तक का मासिक वेतन मिलेगा। अधिकांश पदों के लिए न्यूनतम योग्यता इंटरमीडिएट या स्नातक है, जबकि कुछ के लिए होटल प्रबंधन की योग्यता भी

आवश्यक है। कार्यस्थल पूरे बिहार में हो सकता है, साथ ही स्थानीय स्तर पर भी नियुक्तियां संभव हैं।

राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते युवाः जिला नियोजन पदाधिकारी के अनुसार, मेले में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों का नियोजनालय में पंजीकरण अनिवार्य है। जिन युवाओं ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है, वे राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को अपना बायोडाटा (जीवन-वृत्त), आधार कार्ड और सभी आवश्यक शैक्षणिक प्रमाण पत्र साथ लाने होंगे। मेले में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। यह भी स्पष्ट किया गया है कि नियुक्ति से संबंधित सभी शर्तों के लिए संबंधित नियोजक स्वयं जिम्मेदार होंगे, और जिला नियोजनालय केवल एक सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य करेगा।

नाच देखने के विवाद में खूनी संघर्ष

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर के सोहरा गांव में नाच के दौरान हुए विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। जिसमें दोनों पक्षों से 11 लोग जख्मी हो गए। जिनका इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। घायलों में एक पक्ष के श्री चौधरी(62), उनका पुत्र नंदजी चौधरी(32), राजू चौधरी(23), दिलीप चौधरी(26) और मुन्ना चौधरी(18) शामिल है। जबकि दूसरे पक्ष से उसी गांव के निवासी राम सिंगार बिंद(60), मंडल बिंद(55), नीतीश कुमार(18), राम अयोध्या राम(22), सत्यम कुमार(23) और संजीत कुमार(18) शामिल है। घटना कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र की है।

घर से फोन करके बुलाया थाः सत्यम ने बताया कि उसकी चचेरी बहन की शादी 13 मई को थी। जिसमें नाच का आयोजन किया गया था। इसी दौरान गांव का

मुन्ना अपने साथियों के साथ आकर नाच में अर्चन डालकर हंगामा कर रहा था। जब हमलोगों ने इसका विरोध किया तो उसने अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। शुक्रवार को मुन्ना फोन करके मुझे बुलाया। इसके बाद मेरी पिटाई कर दी। जब मेरे परिवार वाले पूछताछ करने गए तो लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर दिया।

नाच देखने के दौरान हुआ था विवादः दूसरे पक्ष के मुन्ना ने बताया कि गांव में नाच का आयोजन किया गया था। गांव के सभी लोग नाच देख रहे थे। कुछ दिन पहले सत्यम के दोस्तों के साथ हमारा झगड़ा हुआ था। जिसको लेकर धमकी दिया था। नाच देखने के दौरान सत्यम ने मेरी पिटाई की थी। उसी विवाद को लेकर अपने पूरे परिवार के साथ घर पर हमला कर दिया। लोहे की रॉड से मारकर बुरी तरह जख्मी कर दिया। मारपीट के बाद दोनों पक्षों ने इसकी शिकायत स्थानीय थाना में दी है। उसके बाद पुलिस अभिरक्षा में दोनों पक्षों के जख्मी लोगों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया।

डीटीओ बक्सर से 24 घंटे में मांगा जवाब

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर जिला परिवहन कार्यालय परिसर से शराब की बोतलें बरामद होने के बाद प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। जिला पदाधिकारी (डीएम) ने तत्काल जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। यह कार्रवाई 14 मई 2026 को हुई छापेमारी के बाद की गई है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर के नेतृत्व में नगर थाना पुलिस और मद्य निषेध विभाग की एक संयुक्त टीम ने 14 मई 2026 को जिला परिवहन कार्यालय परिसर में छापेमारी की थी। इस दौरान परिसर से शराब की कई भरी और खाली बोतलें बरामद हुईं, जिससे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने निर्देश जारी किया है। उन्होंने कहा कि सरकारी परिसर में शराब की बरामदगी एक अत्यंत गंभीर विषय है। इस मामले

में किसी भी प्रकार की लापरवाही या संलिप्तता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

वायरल ऑडियो और वीडियो की हो रही जांचः इसके अतिरिक्त, प्रशासन ने 13 मई 2026 को सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक ऑडियो और वीडियो को भी गंभीरता से लिया है। इस वायरल सामग्री में परिवहन विभाग से जुड़े कई आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों की सत्यता की जांच के लिए जिला पदाधिकारी ने एक त्रिस्तरीय जांच दल का गठन किया है। गठित जांच टीम में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों को शामिल किया गया है। टीम को निर्देश दिया गया है कि वायरल ऑडियो और वीडियो में लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष एवं गहन जांच कर जल्द से जल्द संयुक्त जांच प्रतिवेदन जिला पदाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। प्रशासन ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने की बात कही है।

दोषी पाए जाने वालों पर होगी कार्रवाईः जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जांच में जो भी अधिकारी या कर्मी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध कठोर अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार मामले की निगरानी उच्च स्तर पर की जा रही है और जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी। इधर परिवहन कार्यालय परिसर से शराब बरामद होने की घटना के बाद जिले में चर्चाओं का बाजार गर्म है। आम लोगों के बीच भी इस घटना को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। लोगो का कहना है कि डीटीओ कार्यालय धर्मशाला थोड़े है कि कोई शराब रखकर चला जाएगा,फिलहाल सभी की नजर प्रशासनिक जांच और आने वाली रिपोर्ट पर टिकी हुई है।

नगर निगम कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। आरा शहर की सफाई व्यवस्था संभालने वाले नगर निगम कर्मियों ने अब अपने अधिकारों की लड़ाई को लेकर आंदोलन का रास्ता अपना लिया है। वर्षों से लंबित वेतनमान, एरियर और सेवा लाभ की मांग को लेकर आरा नगर निगम के सफाई कर्मियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। हड़ताल का असर पहले ही दिन से शहर की सफाई व्यवस्था पर साफ दिखाई दिया। निगम के 45 वार्डों में कचरा उठाव पूरी तरह ठप हो गया। जिससे कई इलाकों में गंदगी फैल रही है, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और मोहल्लों में जगह-जगह कूड़े का अंबार नजर आया।

ताला बंद कर किया प्रदर्शनः हड़ताल के दौरान बड़ी संख्या में सफाई कर्मी, वार्ड सुपरवाइजर, ड्राइवर और अन्य कर्मचारी नगर निगम कार्यालय पहुंचे, जहां मुख्य गेट में ताला बंद कर धरना-प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों ने निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की मांग उठाई। आंदोलनकारी कर्मियों का कहना है कि लंबे समय से वेतन और सेवा से जुड़े कई मुद्दे लंबित हैं, लेकिन निगम प्रशासन गंभीर पहल नहीं कर रहा है।

पूरे महीने का वेतन मिलना चाहिएः संघ की अध्यक्ष पुष्पा सिंह कुशवाहा ने बताया कि कर्मचारियों को मात्र 10,200 रुपए मासिक वेतन दिया जा रहा है। वह भी केवल 26 दिनों का भुगतान होता है। महंगाई के इस दौर में इतने कम वेतन में परिवार चलाना बेहद मुश्किल हो गया है। कर्मचारियों की मांग है कि उन्हें पूरे महीने का वेतन दिया जाए। निगम प्रशासन को छह सूत्री मांगों का ज्ञापन पहले ही सौंपा जा चुका है, लेकिन अब तक किसी भी मांग पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। प्रमुख मांगों में अष्टम वेतन अंतर राशि का भुगतान, सातवें वेतनमान को तत्काल लागू करना, NGO कर्मियों को कुशल एवं अति कुशल श्रेणी के अनुरूप वेतनमान देना और स्थायी कर्मचारियों को ACP का लाभ शामिल है। इसके अलावा अस्थायी कर्मियों को नियमित करने और केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित मानदेय लागू करने की भी मांग उठाई गई है।

निगम पर मनमानी का आरोपः कर्मचारी बबीता देवी ने कहा कि ठेका प्रथा समाप्त कर सभी कर्मियों को स्थायी किया जाए, क्योंकि मामूली वेतन में परिवार चलाना मुश्किल हो चुका है। निगम प्रशासन मनमाने तरीके से कर्मचारियों को काम से हटाता है। बिना जांच और स्पष्टीकरण के कर्मियों को हटाने पर रोक लगाने की मांग भी आंदोलन का हिस्सा है। विभागीय बंदी और अवकाश के दिनों में काम लेने के बावजूद अतिरिक्त भुगतान नहीं किया जाता। गुरुवार को निगम कार्यालय में अधिकारियों के साथ वार्ता हुई थी, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। अधिकारियों ने मामला नगर विकास विभाग से जुड़ा बताते हुए असमर्थता जताई। वहीं कर्मचारियों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

इरशाद अंसारी पर वर्ष 2011-12 और 2014-15 समय कक्षाओं के निर्माण में गबन के आरोप

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। आरा बिहार सरकार के शिक्षा विभाग ने भ्रष्टाचार के खिलाफ "जीरो टॉलरेंस" की नीति अपनाते हुए भोजपुर जिले के तत्कालीन प्राथमिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मो. इरशाद अंसारी को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। वित्तीय अनियमितता, गबन और कमीशनखोरी के गंभीर आरोपों में सेवा से बर्खास्त कर दिया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह बर्खास्तगी भविष्य में किसी भी सरकारी नियोजन के लिए अयोग्यता मानी जाएगी। इरशाद अंसारी भोजपुर जिले में दिसंबर 2014 से जुलाई 2016 तक प्राथमिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) थे। शिक्षा विभाग ने यह कार्रवाई वर्ष 2011-12 तथा 2014-15 के दौरान अतिरिक्त वर्ग कक्षों के निर्माण कार्य में वित्तीय गड़बड़ी पर की है। रिपोर्ट के मुताबिक इस पूरे मामले में कुल 8 करोड़ 89 लाख 71 हजार 620 रुपये का संदिग्ध हस्तांतरण हुआ था। विभाग ने अब तक 6 करोड़ 71 लग 18 हजार 927 रुपये की वसूली कर ली है। निजी एजेंसी के खाते

में जमा 77 लाख 11 हजार 590 रुपए की राशि फ्रीज कर दिए गए हैं। हालांकि, सरकारी खजाने के 1 करोड़ 41 लाख 41 हजार 103 रुपये अभी भी वसूल किए जाने बाकी हैं। क्या है पूरा मामला? मामला वर्ष 2016 से शुरू हुआ था। जब सर्व शिक्षा अभियान के तहत सरकारी विद्यालयों में अतिरिक्त वर्ग कक्षाओं के निर्माण के लिए आवंटित राशि में भारी हेराफेरी और गबन की शिकायत मिली थी। जांच में पाया गया कि मो. इरशाद अंसारी ने जिला पदाधिकारी द्वारा अनुमोदित विद्यालयों की सूची को अपनी स्वेच्छा से बदल दिया और नए विद्यालयों को राशि निर्गत कर दी। विभागीय जांच रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी अधिकारी ने सरकारी नियमों को ताक पर रखकर पंजाब नेशनल बैंक से राशि निकालकर मध्य बिहार ग्रामीण बैंक में ट्रांसफर कराई। इसके बाद स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के माध्यम से करोड़ों रुपये की राशि "मैत्रेय कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड" नामक एक निजी संस्था के खाते में भेज दी गई। जांच में इसे सीधे तौर पर कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार का हिस्सा माना गया है। प्रमुख आरोप जिन पर गिरी गाज ▪ अनुमोदित स्कूल सूची में अवैध बदलाव । ▪ सरकारी राशि का निजी कंपनी के खाते में हस्तांतरण। ▪ बड़े पैमाने पर वित्तीय गबन और कमीशनखोरी। ▪ सरकारी सेवक आचार नियमावली का उल्लंघन । हाईकोर्ट के आदेश के बाद दोबारा हुई जांच मो. अंसारी को पूर्व में भी बर्खास्त किया गया था। लेकिन उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट के आदेश पर विभागीय अधिसूचना को निरस्त कर नए सिरे से जांच शुरू की गई। नई जांच में विशेष सचिव सुबोध कुमार चौधरी ने पाया कि अंसारी ने वित्तीय नियमों का उल्लंघन किया, वरीय अधिकारियों के आदेशों की भी अवहेलना की।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में समाहरणालय की पार्किंग रही खाली

हाजीपुर। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के 'नो व्हीकल डे' के आह्वान का असर शनिवार को वैशाली में दिखा। जिलाधिकारी वर्षा सिंह समेत कई अधिकारी पैदल और ई-रिक्शा से अपने कार्यालय पहुंचे। समाहरणालय परिसर में वाहन पार्किंग स्थल खाली रहा। जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने वैशाली जिला वासियों से अपील की कि वे सरकार के इस आह्वान का पालन करें। उन्होंने कहा कि सप्ताह में एक दिन ई-रिक्शा, पैदल या साइकिल से कार्यालय आएं। मुख्यमंत्री का स्पष्ट संदेश है कि ईंधन का कम से कम उपयोग किया जाए और सप्ताह में एक दिन 'नो फ्यूल डे' मनाया जाए। जिलाधिकारी स्वयं अपने आवास से त्रिमूर्ति चौक तक ई-रिक्शा से आईं और वहां से गांधी चौक होते हुए अधिकारियों के साथ पैदल कार्यालय पहुंचीं। यह निर्णय मध्य-पूर्व क्षेत्र में उत्पन्न भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण लिया गया है। इन परिस्थितियों के चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैस और पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने डीजल-पेट्रोल की बचत के लिए वाहनों का कम उपयोग करने और सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' मनाने का आह्वान किया था। मुख्यमंत्री की अपील के बाद शनिवार को जिलाधिकारी वर्षा सिंह के साथ एडीएम संजय कुमार, डीडीसी कुंदन कुमार और एसडीओ राम बाबू बैठा सहित कई अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी ई-रिक्शा, साइकिल या पैदल कार्यालय पहुंचे। अधिकारियों और कर्मचारियों के वाहन न होने के कारण समाहरणालय परिसर का पार्किंग स्थल पूरी तरह खाली रहा। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक शनिवार को सभी अधिकारी और कर्मचारी ईंधन की बचत करते हुए कार्यालय आएंगे। उन्होंने कारपूलिंग और सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को भी बढ़ावा देने की बात कही। डीएम ने आम लोगों से भी ईंधन का कम इस्तेमाल करने, पीएम सूर्य योजना के तहत सोलर प्लांट लगाने और पीएनजी गैस कनेक्शन व स्वच्छ ऊर्जा संसाधनों को अपनाने की अपील की।

वैशाली में सड़क पर शव रखकर हंगामा, हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

हाजीपुर। वैशाली जिले में लालगंज-हाजीपुर मुख्यमार्ग पर नामीडीह के पास आज सुबह यातायात बाधित हो गया। यह अवरोध एक सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान हुई मौत के विरोध में किया गया। जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना 15 मई 2026 को इसी मुख्यमार्ग पर नामीडीह के पास हुई थी, जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया, जिसके कारण आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। मृतक की पहचान अमरजीत साह (35) के रूप में हुई है, जो लालगंज थाना क्षेत्र के बलुआ बसंता गांव निवासी रामप्रवेश साह के पुत्र थे। दुर्घटनास्थल काजीपुर थाथन थाना क्षेत्र के दौलतपुर चांदी में था। अमरजीत अपने पांच भाई-बहनों में तीसरे स्थान पर थे और उनके दो बेटे तथा एक बेटी है। मृतक के परिजन विक्रम कुमार ने बताया कि अमरजीत साह हलवाई का काम करते थे। हाजीपुर से काम कर लौटने के दौरान काजीपुर में एक सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई थी। परिजनों को पुलिस द्वारा मौत की सूचना दी गई। आक्रोशित परिजनों ने तेज रफ्तार हाईवा चालकों को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मार्ग पर हाईवा तेज गति से चलते हैं, जिससे लगातार दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

मिड-डे मील में बदबूदार अंडा मिलने पर हंगामा छात्रों, परिजन ने एनजीओ के खाने का विरोध किया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के कुढ़नी प्रखंड स्थित राष्ट्रीयकृत उच्च माध्यमिक विद्यालय मुरौल में मिड डे मील को लेकर शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। विद्यालय में बच्चों के लिए भेजे गए भोजन और अंडे में बदबू आने की शिकायत पर ग्रामीण, अभिभावक और रसोइया आक्रोशित हो गए। विरोध के बाद बच्चों के बीच भोजन वितरण रोक दिया गया। ग्रामीणों ने एनजीओ के माध्यम से भेजे जा रहे भोजन की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाते हुए व्यवस्था बदलने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि शुक्रवार को मिड डे मील में जो अंडे भेजे गए थे, उनमें से तेज बदबू आ रही थी। इसके बाद अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने बच्चों को वह भोजन खिलाने से इनकार कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने कहा कि एनजीओ के जरिए भेजे जाने वाले खाने की गुणवत्ता अक्सर खराब रहती है और बच्चों की सेहत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। ग्रामीण ममता कुमारी ने कहा कि बच्चों को स्कूल में अच्छी पढ़ाई और सुरक्षित भोजन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर मिड डे मील स्कूल की स्थानीय रसोइयों द्वारा बनाया जाए तो खाना ताजा और बेहतर रहेगा। उन्होंने बताया कि कई बार खाने को लेकर शिकायतें मिली हैं और इस बार अंडे में से बदबू आ रही थी। उन्होंने साफ कहा कि जरूरत पड़ी तो वे अपने बच्चों को घर से टिफिन देकर भेजेंगी, लेकिन खराब खाना नहीं खाने देंगी। वहीं ग्रामीण प्यारेलाल ने भी कहा कि बच्चों की ओर से अक्सर खाने की शिकायत की जाती है। उन्होंने मांग की कि या तो स्कूल की रसोइया द्वारा भोजन बनाया जाए या फिर ऐसी व्यवस्था बंद की जाए। विद्यालय में भोजन परोसने वाली रसोइयों ने भी एनजीओ के खाने का विरोध किया। उनका कहना था कि कई बार खाना ठंडा और बदबूदार अवस्था में पहुंचता है। रसोइयों ने बताया कि वे केवल भोजन परोसती हैं, लेकिन खाने की गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें मिलती रहती हैं। पूरे मामले पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश ने बताया कि एनजीओ द्वारा भेजे जा रहे भोजन को लेकर पहले भी शिकायतें मिली हैं। शुक्रवार को अंडे में बदबू आने की शिकायत सामने आई है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में एनजीओ से बात की जाएगी और मामले को संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाया जाएगा।

शादी के 16वें दिन कैश-ज्वेलरी लेकर दुल्हन फरार, दूल्हा बोला- साथ सोई थी, सुबह नींद खुली तो गायब मिली

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में शादी के 16 दिन बाद दुल्हन कैश और गहने लेकर फरार हो गई। घटना मुजफ्फरपुर जिले के गायघाट थाना क्षेत्र के लोमा गांव (वार्ड संख्या 1) की है। लोमा गांव के रामबाबू मांझी के बेटे धर्मेंद्र कुमार की शादी 25 अप्रैल को पियर थाना क्षेत्र की एक लड़की से हुई थी। परिजनों ने बताया कि शादी के बाद सब कुछ सामान्य चल रहा था। शादी के 16वें दिन, जब धर्मेंद्र और उसके परिजन सो रहे थे, दुल्हन ने घर के बक्से और अलमारी में रखे 72 हजार रुपए नकद और लाखों के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गई। सुबह जब धर्मेंद्र की नींद खुली, तो उसने अपनी पत्नी को बिस्तर पर नहीं पाया। शुरुआती खोजबीन के बाद जब वह कहीं नहीं मिली, तो परिजनों को चिंता हुई। आसपास और रिश्तेदारों में तलाश की गई, लेकिन दुल्हन का कोई सुराग नहीं मिल सका। शक होने पर जब घर के कीमती सामानों की जांच की गई, तो परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। घर से न केवल नकदी गायब थी, बल्कि शादी के गहने भी गायब थे। तब जाकर धर्मेंद्र और उसके पिता को एहसास हुआ कि वे एक सोची-समझी साजिश का शिकार हुए हैं और उनकी बहू असल में एक लुटेरी दुल्हन है। पीड़ित पति धर्मेंद्र कुमार ने इस मामले को लेकर गायघाट थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराने की बात कही है। हालांकि, पुलिस के बयान में थोड़ा विरोधाभास नजर आ रहा है।

गायघाट थानाध्यक्ष के अनुसार, मामला मीडिया के माध्यम से संज्ञान में आया है। फिलहाल थाने में पीड़ित पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। जैसे ही आवेदन मिलता है, पुलिस मामले की छानबीन कर उचित कानूनी कार्रवाई करेगी। इस घटना के बाद लोमा गांव में यह चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग हैरान हैं कि महज 16 दिनों में कोई इस तरह की वारदात को कैसे अंजाम दे सकता है। फिलहाल, पीड़ित परिवार सदमे में है और पुलिस के पास गुहार लगा रहा है कि उनकी गाढ़ी कमाई और जेवरात वापस मिल जाएं। यह घटना उन लोगों के लिए एक चेतावनी भी है जो बिना पूरी छानबीन के शादियां तय कर लेते हैं। लुटेरी दुल्हन गैंग मुख्य रूप से शादी के नाम पर ठगी और चोरी करने का एक संगठित गिरोह है, जो भोले-भाले पुरुषों और उनके परिवारों को अपना शिकार बनाता है। ये गिरोह एक सोची-समझी योजना के तहत काम करता है।

पति की लंबी आयु के लिए सुहागिनों ने की वट सावित्री की पूजा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसौढ़ी! ज्येष्ठ माह की अमावस्या को पति की लंबी आयु के लिए मनाया जाने वाला वट सावित्री पूजा अनुमंडल क्षेत्र में सुहागिनों ने हर्षोल्लास पूर्वक विधि विधान से मनाया.शनिवार को पति की लंबी आयु की कामना के साथ सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री की पूजा की और व्रत रखा.महिलाओं ने सावित्री और सत्यवान की कथा सुनकर अपने पति के लिए लंबी उम्र की कामना के साथ वट सावित्री का पर्व मनाया.शनिवार को मणिचक सूर्य मंदिर मसौढ़ी थाना परिसर राम जानकी मंदिर सहित अन्य में जगहों पर लाखों सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी उम्र के लिए पूजा की.सुहागिनों ने सोलह श्रृंगार कर बरगद वृक्ष के समझ पूजा अर्चना की. सुहागिनों ने अक्षय वट की परिक्रमा करते हुए वृक्ष में रक्षा सूत्र बांधकर सभी व्रतियों ने पति की लंबी आयु की कामना की. वट सावित्री व्रत के दौरान महिलाओं ने संपूर्ण श्रृंगार कर वट वृक्ष को धागा से लपेटे हुए सात बार वट वृक्ष की परिक्रमा कर अपने पति की लंबी आयु की कामना की. मान्यता यह है कि इस व्रत को करने से महिलायें आजीवन सुहागन रहती हैं. पूजा के दौरान महिलाओं ने सावित्री और सत्यवान की कथा भी सुनी. यह पर्व पति-पत्नी के बीच प्रेम और स्नेह का प्रतीक माना जाता है. वट सावित्री व्रत हिंदू धर्म की महिलाओं का एक महत्वपूर्ण व्रत है. इस व्रत को सुहागन स्त्रियां अपने पति की दीर्घायु के लिए करती हैं. वट वृक्ष को धागा से बांधकर, उस पर फल, फूल, मिठाई आदि अर्पित किया.कुछ महिलाओं ने व्रत भी रखा था। पूजा के दौरान महिलाओं ने सावित्री और सत्यवान की कथा भी सुनी. वट सावित्री की कथा महाभारत में वर्णित है. इस कथा के अनुसार, सावित्री ने अपने पति सत्यवान की मृत्यु के बाद यमराज से उनका जीवन वापस मांग लिया था.

वट सावित्री पूजा के दौरान बरगद के पेड़ में लगी आग, मची अफरातफरी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। वट सावित्री पूजा के दौरान शनिवार को फतुहा प्रखंड कार्यालय परिसर में बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब पूजा के बीच प्राचीन बरगद के पेड़ में अचानक भीषण आग लग गई। घटना के बाद परिसर में अफरातफरी का माहौल बन गया और पूजा कर रही महिलाओं में चीख-पुकार मच गई। हालांकि समय रहते लोगों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार वट सावित्री व्रत के अवसर पर सुबह से ही प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित बरगद के पेड़ के पास सुहागिन महिलाओं की भारी भीड़ जुटी थी। महिलाएं पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना कर रही थीं। पूजा के दौरान महिलाएं बरगद के पेड़ के चारों ओर कच्चा सूत लपेटकर उसकी परिक्रमा कर रही थीं।

इसी दौरान पूजा के लिए जलाए गए घी के दीये की लौ पेड़ में बंधे सूखे धागों के संपर्क में आ गई। देखते ही देखते धागों ने आग पकड़ ली और कुछ ही क्षणों में आग पूरे पेड़ के निचले हिस्से में फैल गई। पेड़ पर लिपटे सैकड़ों धागे धू-धू कर जलने लगे और आग की लपटें उठने लगीं। अचानक आग भड़कते ही पूजा कर रही महिलाओं और श्रद्धालुओं में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। महिलाएं पूजा की सामग्री छोड़कर सुरक्षित स्थान की ओर भागने लगीं। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों और कर्मचारियों ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

विनोद सिंह गुंजियाल ने शिक्षा एवं खेल विभाग के सचिव पद का संभाला कार्यभार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2007 बैच के वरिष्ठ अधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने शनिवार को बिहार सरकार के शिक्षा एवं खेल विभाग के सचिव पद का कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने यह जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिकारी डॉ. बी. राजेन्द्र से ली। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सरकार द्वारा एक दिन पहले किए गए प्रशासनिक फेरबदल में कई आईएएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं, जिसमें विनोद सिंह गुंजियाल का नाम भी शामिल था। राज्य सरकार की अधिसूचना के अनुसार गुंजियाल शिक्षा विभाग के साथ-साथ खेल विभाग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। इसके अलावा वे निर्वाचन विभाग में अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों का निर्वहन भी करते रहेंगे। विनोद सिंह गुंजियाल बिहार संवर्ग के 2007 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। प्रशासनिक सेवा में उन्हें विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों और जिलों में कार्य करने का लंबा अनुभव प्राप्त है। इससे पहले वे राज्य निर्वाचन व्यवस्था से जुड़ी अहम जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। अभियंत्रण पृष्ठभूमि से आने वाले गुंजियाल ने पशुपालन, उत्पाद एवं निबंधन, जल संसाधन समेत कई विभागों में महत्वपूर्ण दायित्व निभाए हैं। सीवान के जिलाधिकारी के रूप में उनका कार्यकाल भी काफी चर्चित और उल्लेखनीय माना जाता है। राज्य सरकार को उम्मीद है कि विनोद सिंह गुंजियाल के प्रशासनिक अनुभव, कार्यकुशलता और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की क्षमता से शिक्षा एवं खेल विभाग को नई दिशा और गति मिलेगी।

तर्कसंग्रहकार अन्नमभट्ट संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर का भव्य उद्घाटन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। विहार संस्कृत संजीवन समाज, पटना की ओर से "आधुनिको भव संस्कृतं वद" अभियान के अंतर्गत आयोजित तर्कसंग्रहकार अन्नमभट्ट स्मृति दस दिवसीय अंतरजालीय अंतरराष्ट्रीय संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर का शनिवार को भव्य उद्घाटन किया गया। यह अभियान के तहत आयोजित निरंतर 44वां शिविर है, जिसमें देश-विदेश के संस्कृत प्रेमियों और विद्वानों की सहभागिता रही।

शिविर का विधिवत उद्घाटन अभियान के संरक्षक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व गृह सचिव डॉ. अनिल कुमार सिंह ने किया। उद्घाटन संबोधन में उन्होंने कहा कि न्याय दर्शन और वैशेषिक दर्शन को सरलता से समझने के लिए "तर्कसंग्रह" अत्यंत महत्वपूर्ण ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि इसके रचयिता तेलंगाना निवासी अन्नमभट्ट ने दर्शन शास्त्र को सहज और सरल रूप में प्रस्तुत किया, इसलिए इस ग्रंथ का अध्ययन विद्यार्थियों और विद्वानों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज, पटना के महासचिव डॉ. मुकेश कुमार ओझा ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि अन्नमभट्ट संस्कृत भाषा के महान विद्वान, आत्मविश्वासी चिंतक और दर्शन शास्त्र को जनसामान्य तक पहुंचाने वाले महान आचार्य थे। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा और भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के शिविरों का आयोजन समय की आवश्यकता है।

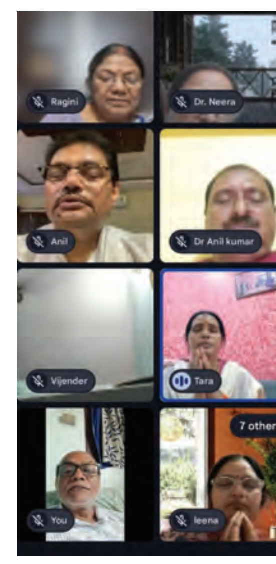

कार्यक्रम में अभियान के संरक्षक धर्मेन्द्रपति त्रिपाठी मुख्य अतिथि तथा प्रोफेसर डॉ. रागनी वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। इसके अलावा डॉ. अनिल कुमार चौबे, डॉ. अवंतिका कुमारी, डॉ. लीना चौहान, डॉ. नीरा कुमारी, डॉ. दीप्ति कुमारी, डॉ. रागनी कुमारी, डॉ. एकता वर्मा, देवेश प्रकाश, बीजेन्द्र सिंह विष्ट, वंदना पटेरिया एवं दयानी शारदेय समेत कई विद्वानों ने अन्नमभट्ट के योगदानों पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने लोगों से तर्कसंग्रह ग्रंथ का अध्ययन करने तथा संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम की शुरुआत नीरा कुमारी द्वारा मंगलाचरण से हुई। डॉ. लीना चौहान ने अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन किया, जबकि तारा विश्वकर्मा ने ऐक्य मंत्र प्रस्तुत किया। पूरे कार्यक्रम में संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया।

मसौढ़ी में अवैध हथियार के साथ एक गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसौढ़ी! लहसुना पुलिस ने थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है।यह गिरफ्तारी गुप्त सूचना के आधार पर की गई।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,शुक्रवार को लहसुना थाना के थानाध्यक्ष खुशबू खातून को एक वीडियो मिला था।

जिसमें यह व्यक्ति अवैध हथियार लेकर लोगों को डरा रहा था।जिसके बाद गुप्त सूचना के आधार पर मिली थी।पुलिस ने छापेमारी कर मौके इस दौरान एक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा,लेकिन पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसकी पहचान निशियावा गांव निवासी धर्मवीर कुमार के रूप में हुई।

पुलिस द्वारा ली गई तलाशी में आरोपी धर्मवीर कुमार के पास से एक देशी कट्टा, बरामद किए गए।इसके बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी : पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।लहसुना थाना अध्यक्ष खुशबू खातून ने बताया कि इलाके में अपराध और अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ उनका अभियान लगातार जारी रहेगा।

पटना के ट्रांसपोर्ट नगर में नए सीएनजी स्टेशन का शुभारंभ

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। राजधानी पटना में स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित नए सीएनजी स्टेशन का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। इस स्टेशन के शुरू होने से राजधानी के वाहन चालकों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। नए सीएनजी स्टेशन का उद्घाटन GAIL (India) Limited के निदेशक (मार्केटिंग) संजय कुमार ने किया। यह स्टेशन बाइपास किनारे विकसित किया गया है और इसे मदर स्टेशन के रूप में तैयार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार मई महीने के अंत तक यहां से आम लोगों के लिए नियमित रूप से सीएनजी उपलब्ध होने लगेगी। स्टेशन शुरू होने के बाद राजधानी के वाहन चालकों, खासकर ऑटो, टैक्सी, बस और निजी सीएनजी वाहनों को काफी सुविधा मिलेगी। अब लोगों को सीएनजी भरवाने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। गेल के महाप्रबंधक एके सिन्हा ने बताया कि पटना में सीएनजी नेटवर्क का लगातार विस्तार किया जा रहा है, ताकि लोगों को किफायती और

पर्यावरण अनुकूल ईंधन उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर का यह मदर स्टेशन आसपास के अन्य सीएनजी स्टेशनों को भी आपूर्ति करेगा, जिससे शहर में सीएनजी वितरण व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। स्टेशन शुरू होने से बाइपास और आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। साथ ही सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को भी गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में राजधानी में और भी सीएनजी स्टेशन शुरू किए जाएंगे, जिससे स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा और प्रदूषण नियंत्रण में भी मदद मिलेगी।

विराट रामायण मंदिर में नंदी की प्रतिमा होगी स्थापित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। विराट रामायण मंदिर में विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग के पास साल के अंत तक नंदी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। मंदिर में ग्राउंड लेवल तक काम पूरा हो गया है। अरघा भी इसी साल बनकर तैयार हो जाएगा। अब नंदी का निर्माण कराने के लिए आयोध्या में रामलला की मूर्ति बनाने वाले कलाकार अरूण योगीराज से संपर्क किया गया है। एक सप्ताह के अंदर अरूण योगीराज विराट रामायण मंदिर का दौरा कर सकते हैं। इस बार यहां सावन में रूद्राभिषेक की भी व्यवस्था होगी। विराट रामायण मंदिर में रूद्राभिषेक के लिए पहले से बुकिंग करानी होगी। बुकिंग के अनुसार ही रूद्राभिषेक के लिए समय का स्लॉट मिलेगा। महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल ने निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा है। मंदिर का निर्माण करने वाली एजेंसी को कुल 46315.73 क्यूबिक मीटर निर्माण करना है, जिसमें अप्रैल 2026 तक 14135.10 क्यूबिक मीटर ही निर्माण कार्य हुआ है। अगर निर्माण एजेंसी द्वारा काम में तेजी नहीं लाई गई तो काम के लिए किसी और एजेंसी की भी मदद ली जा सकती है। मंदिर के बाऊंड्री के निर्माण कार्य के लिए टेंडर दिया जा चुका है। विराट रामायण मंदिर पद्मश्री आचार्य किशोर कुणाल का ड्रीम प्रोजेक्ट है। श्री महावीर स्थान न्यास समिति द्वारा जानकीनगर (कैथवलिया) में 120 एकड़ में निर्माण हो रहा है। मंदिर परिसर में 18 शिखर और 22 मंदिर का निर्माण होगा। इसके साथ ही यहां एक साथ 20 हजार भक्तों के बड़े हॉल में बैठने की व्यवस्था होगी।

आर.पी.एस. लॉ कॉलेज में "भारतीय विधानमंडल में महिला आरक्षण" विषय पर सेमिनार आयोजित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। आर.पी.एस. लॉ कॉलेज में शुक्रवार को "भारतीय विधानमंडल में महिला आरक्षण" विषय पर भव्य सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी और संवैधानिक अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमिनार की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य प्रो. मनमोहन मुरारी ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल सामाजिक आवश्यकता नहीं, बल्कि एक सशक्त और संतुलित लोकतंत्र की आधारशिला है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश अशोक कुमार सिंह ने महिला आरक्षण के कानूनी और संवैधानिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विधानमंडलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से राजनीति में सकारात्मक बदलाव आएंगे और समाज के विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने महिलाओं को राजनीतिक रूप से जागरूक और सक्रिय बनने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. महेश प्रसाद सिंह द्वारा अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। सेमिनार के दौरान वक्ताओं ने भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भूमिका, आरक्षण व्यवस्था की आवश्यकता और इसके सामाजिक प्रभावों पर अपने विचार रखे। सेमिनार को सफल बनाने में प्रो. सुधीर कुमार, प्रो. अशिम कुमार सिन्हा, प्रो. राजेश कुमार और प्रो. प्रखर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने महिला अधिकारों और समान प्रतिनिधित्व को लेकर जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।

झारखंड में गर्मी के बीच बारिश से राहत, 22 मई तक आंधी-तूफान और वज्रपात का अलर्ट

एजेंसी। रांची

झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में इन दिनों दिनभर भीषण गर्मी पड़ रही है, लेकिन शाम के समय हो रही बारिश से लोगों को राहत मिल रही है। मौसम का यह बदला हुआ मिजाज पिछले करीब 15 दिनों से बना हुआ है और मौसम विभाग के अनुसार पूरे मई माह तक इसी तरह की स्थिति बने रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया है कि 22 मई तक राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ बारिश, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इसे देखते हुए विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा 19 मई को राज्य के दक्षिणी, उत्तर-पूर्वी और आसपास के मध्यवर्ती जिलों में तेज गर्जन, बारिश और वज्रपात के साथ 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने इसको लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिमी मध्यवर्ती क्षेत्रों में बने निम्न दबाव के क्षेत्र का असर झारखंड समेत कई राज्यों में देखने को मिलेगा। इसी वजह से अगले कुछ दिनों तक मौसम में बदलाव बना रहेगा। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश बोकारो जिले के नावाडीह में 39 मिलीमीटर दर्ज की गई। इसके अलावा खलारी में 37 मिमी, नीमडीह में 34.6 मिमी, चांडिल में 33.4 मिमी और रामगढ़ जिले के हिंदेगीर में 31.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं मसानजोर में 24.8 मिमी, जमशेदपुर में 24.4 मिमी, बड़कागांव में 16.5 मिमी, बोकारो में 11.5 मिमी और चंदवा में 10.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई। गढ़वा जिले में भी अच्छी बारिश हुई। तापमान की बात करें तो राज्य में सबसे अधिक तापमान 39 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम तापमान रांची के कांके क्षेत्र में 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

शनिवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और तेज धूप निकलने के कारण दोपहर में भीषण गर्मी और उमस महसूस की गई। शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री और न्यूनतम 21.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 36.8 डिग्री और न्यूनतम 21.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 39 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 33.1 डिग्री और न्यूनतम 23.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

वट वृक्ष की पूजा कर सुहागिनों ने मांगा अखंड सौभाग्य का वरदान

एजेंसी। खूंटी

जिले भर में शनिवार को वटसावित्री पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुई। तोरपा, कर्रा, मुरहू सहित विभिन्न प्रखंडों में सुहागिन महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा-अर्चना कर अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना की। सुबह से ही मंदिरों और वट वृक्षों के आसपास महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पारंपरिक परिधानों और सोलह श्रृंगार में सजी महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा कर वट वृक्ष की परिक्रमा की तथा रक्षा सूत्र बांधे और सावित्री सत्यवान की कथा सुनी और सुख-शांति की प्रार्थना की। कई स्थानों पर सामूहिक रूप से पूजा का आयोजन किया गया, जहां महिलाओं ने भक्ति गीत और मंगलगान भी गाए। पूजा को लेकर गांवों और शहरी क्षेत्रों में धार्मिक वातावरण बना रहा। वहीं जिले के प्रमुख शिवालयों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। बुढ़वा महादेव मंदिर, नामकुम शिवालय, पिपराटोली मंदिर, तोरपा के शिवालयों सहित अन्य शिव मंदिरों में सुबह से ही पूजा-अर्चना का दौर चलता रहता रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसरों में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं ने वट वृक्ष के नीचे दीप जलाकर पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया। कई जगहों पर बुजुर्ग महिलाओं ने नवविवाहितों को पूजा की परंपरा और महत्व की जानकारी दी। वटसावित्री पूजा को लेकर पूरे जिले में आस्था और भक्ति का माहौल देखने को मिला।

समर्पण शाखा का जन सेवा अभियान का समापन

एजेंसी। रांची

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की ओर से संस्था की अध्यक्ष शुभा अग्रवाल के नेतृत्व में चलाए जा रहे प्यार बांटते चलो स्लोगन के अंतर्गत 15 दिन 15 जन सेवा अभियान का समापन शनिवार को हुआ। इस अवसर पर संस्था की ओर से राजधानी रांची के अपर बाजार स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर में नींबू पानी का वितरण किया गया। यह सेवा कार्य संस्था की सदस्य रेखा राईका के सहयोग से सम्पन्न हुआ। गर्मी को देखते हुए राहगीरों और जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से शाखा की सदस्याओं ने नींबू पानी वितरित कर सेवा की भावना को बढ़ावा दिया। मौके पर अध्यक्ष शुभा अग्रवाल ने बताया कि 15 दिन 15 जन सेवा अभियान के अंतर्गत आयोजित सभी सेवा कार्य अत्यंत सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। शाखा की सभी सदस्यों के सहयोग, समर्पण और उत्साह के कारण यह अभियान प्रेरणादायक रूप से सफल रहा। इस अवसर पर अध्यक्ष शुभा अग्रवाल, सचिव रेखा राईका, वर्षा धानुका, कोमल पोद्दार, वीणा शर्मा, पायल जैन सहित शाखा की अन्य सदस्य उपस्थित थीं।

कुरमाली भाषा को शैक्षणिक पहचान दिलाने को विधायक पूर्णिमा ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने शनिवार को कोल्हान विश्वविद्यालय में कुरमाली भाषा के शैक्षणिक पदों के सृजन को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। यह मांग अदिवासी कुड़मि समाज, केंद्रीय समिति द्वारा सौंपे गए ज्ञापन के आधार पर उठाई गई है। विधायक ने अपने पत्र में कहा है कि कोल्हान विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विभाग और अंगीभूत महाविद्यालयों में वर्षों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं कुरमाली भाषा की पढ़ाई कर रहे हैं,लेकिन अब तक इस विषय के लिए पर्याप्त शैक्षणिक पद सृजित नहीं किए गए हैं। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई और भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले ही जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से विभिन्न भाषाओं में पद सृजन का निर्णय ले चुकी है, जिसमें कुरमाली भाषा भी शामिल थी।

इसके बावजूद हाल में जारी विभागीय संकल्प में कुरमाली भाषा के पदों का समुचित उल्लेख नहीं होना चिंता का विषय है। विधायक ने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि कुरमाली झारखंड की द्वितीय राजभाषा है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 मातृभाषा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देती है। ऐसे में विद्यार्थियों के हित में जल्द पद सृजन और संशोधन जरूरी है।

रिम्स के एमबीबीएस छात्र ने की आत्महत्या, पुलिस की जांच जारी

एजेंसी। रांची

झारखंड की राजधानी रांची में स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के एक एमबीबीएस छात्र ने हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। छात्र की पहचान अक्षित कुजूर के रूप में हुई है। घटना के बाद उसे गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अक्षित कुजूर रिम्स में एमबीबीएस सेकंड ईयर का छात्र था और हॉस्टल नंबर-8 के एचआईजी ब्लॉक में रहता था। शनिवार को उसने अपने कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या का प्रयास किया। हालांकि समय रहते अन्य छात्रों और हॉस्टल प्रबंधन को इसकी जानकारी मिल गई। घटना की सूचना मिलते ही छात्रों और हॉस्टल कर्मचारियों ने कमरे का दरवाजा तोड़ा और अक्षित को फंदे से नीचे उतारा। इसके बाद उसे तत्काल इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद बरियातू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। बरियातू थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि एमबीबीएस छात्र के आत्महत्या करने की सूचना मिली थी, जिसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि फिलहाल छात्र के कमरे की तलाशी नहीं ली गई है। परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। अक्षित कुजूर झारखंड के सिमडेगा जिले का रहने वाला था। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

स्वास्थ्य योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : उपायुक्त

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

उपायुक्त मनीष कुमार ने शनिवार ko स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। उपायुक्त ने कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने के लिए सभी विभागीय पदाधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि रक्त की कमी से किसी मरीज की जान नहीं जानी चाहिए, इसलिए प्रत्येक माह की 8 और 24 तारीख को जिले के विभिन्न प्रखंडों में नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मियों से स्वयं भी रक्तदान अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाहरणालय सभागार में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक में उपायुक्त ने कहा कि मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि गांव-गांव में सघन जांच अभियान चलाकर मलेरिया की पहचान और उपचार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही "100 डेज टीबी अभियान" को गंभीरता से संचालित करने और संभावित मरीजों की पहचान कर समय पर इलाज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सिकल सेल एनीमिया की जांच को भी प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग कर बीमारी की समय रहते पहचान सुनिश्चित की जाए, ताकि मरीजों को उचित उपचार मिल सके। संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि जिले के सरकारी अस्पतालों में बेहतर प्रसव केंद्र विकसित किए जाएं ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को सुरक्षित प्रसव की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सके। समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम 15 और 18 जून को आयोजित किया जाएगा। इस अभियान के तहत बच्चों को उनकी आयु के अनुसार एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाएगी, जिससे कृमि संक्रमण से बचाव सुनिश्चित किया जा सके।बैठक में सिविल सर्जन, अनुमंडल पदाधिकारी चक्रधरपुर, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

बट सावित्री व्रत पर भक्ति में डूबा जमशेदपुर, सुहागिन महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा कर मांगा अखंड सौभाग्य

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

धार्मिक आस्था,श्रद्धा और सनातन परंपरा के प्रतीक बट सावित्री व्रत पर शनिवार को जमशेदपुर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में रंगा नजर आया। शहर के मंदिरों,वट वृक्षों और पूजा स्थलों पर सुबह से ही सुहागिन महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर विधि-विधान से वट वृक्ष की पूजा की और अपने पति की लंबी आयु, सुखी वैवाहिक जीवन तथा परिवार की समृद्धि की कामना की। सुबह स्नान के बाद महिलाएं पारंपरिक परिधानों और सोलह श्रृंगार में पूजा स्थलों पर पहुंचीं। हाथों में पूजा की थाली,माथे पर सिंदूर और पारंपरिक आभूषणों से सजी महिलाओं ने वट वृक्ष के नीचे दीप जलाकर पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान वट वृक्ष पर जल अर्पित किया गया,रोली-अक्षत चढ़ाए गए तथा कच्चे सूत से वृक्ष की परिक्रमा कर अखंड सौभाग्य की प्रार्थना की गई। इसके बाद महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक सावित्री-सत्यवान की पौराणिक कथा सुनी। पूजा स्थलों पर महिलाओं द्वारा गाए जा रहे पारंपरिक लोकगीतों और भजनों से पूरा माहौल आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा कर सनातन संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश भी दिया। बट सावित्री व्रत को लेकर शहर के बाजारों में भी विशेष रौनक देखने को मिली। फल, फूल, पूजा सामग्री, नारियल, आम, केला, बांस के पंखे और श्रृंगार सामग्री की दुकानों पर सुबह से महिलाओं की भीड़ लगी रही। दुकानदारों ने भी इस पर्व को लेकर विशेष तैयारी की थी। आचार्य राजकुमार मिश्रा और ज्योतिषाचार्य आनंद शर्मा ने बताया कि बट सावित्री व्रत हिंदू धर्म में अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता सावित्री ने अपने तप, त्याग और अटूट संकल्प के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे।

प्रपत्र VII, **समाहरणालय, गढ़वा**
(जिला भू-अर्जन शाखा, गढ़वा) या समाहर्त्ता या समुचित सरकार

अधिघोषणा

(अधिनियम–30/2013 की धारा–19(1) के अधीन)
अधिघोषणा संख्या 314/भू0अ0,गढ़वा, दिनांक 11.05.2026

चूंकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा परियोजना NH-75 से मझिऑव PWD पथ भाया बिकताम–दलेली पथ चौडीकरण योजना हेतु ग्राम–कमरमा, थाना–मेराल, थाना सं0–249, अंचल–मेराल, जिला–गढ़वा में कुल :– 1.80198 एकड़ भूमि अपेक्षित है।

इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू–खण्ड है, जो मानक माप से कमोवेश 1.80198 एकड़ है और जो ग्राम–कमरमा, थाना–मेराल, थाना सं0–249, अंचल–मेराल, जिला–गढ़वा में है, जिसका विवरण निम्नलिखित है :–

क्र.	खाता संख्या	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ0,द0,पू0,प0
1	2	3	4	5	6	7	8
1	57	184	रैयती	–	0.00300	शिव नारायण गुप्ता पिता मालदेव साह	उ0–सुरेन्द्र गुप्ता, द0–हरिनारायण गुप्ता , पू0–रास्ता, प0–नीज,
2	57	185	रैयती	–	0.01600	हरिनारायण गुप्ता पिता मालदेव साह	उ0–शिव नारायण गुप्ता द0–शिव मंदीर पू0–रास्ता, प0–नीज,
3	57	187	रैयती	–	0.01400	गुप्त प्रसाद गुप्ता पिता बालकेश्वर साह	उ0–मंदीर द0–सुरेश प्र0 गुप्ता पू0–रास्ता, प0–नीज,
4	57	187	रैयती	–	0.01400	सुरेश प्रसाद गुप्ता पिता बालकेश्वर साह	उ0–गुप्त प्र0 गुप्ता द0–काशीनाथ पाण्डेय पू0–रास्ता, प0–नीज,
5	63	188	बकास्त	–	0.01700	काशीनाथ पाण्डेय स्व0 इन्देव पण्डेय	उ0–गुपुत प्रसाद द0–मुख राम पू0–,रास्ता प0–नीज
6	33	226	रैयती	–	0.03500	रामचन्द्र भुईयॉ पिता बिरा भुईयॉ	उ0–नीज द0–रास्ता, पू0–ब्रजराज सिंह, प0–जिम्मेदार भुईयॉ
7	33	227	रैयती	–	0.01500	रामचन्द्र भुईयॉ पिता बिरा भुईयॉ	उ0–नीजद0–रास्ता,पू0–ब्रजराज सिंह,प0–जिम्मेदार भुईयॉ
8	29	229	बकास्त	–	0.02900	जिम्मेदार भुईयॉ पिता किशुन भुईयॉ	उ0–नीज द0–रास्ता, पू0–रामचन्द्र भुईयॉ प0–अनिल सिंह
9	47	233	रैयती	–	0.00100	अनिल सिंह पिता विजय बहादुर सिंह	उ0–नीज द0–रास्ता, पू0–जिम्मेदार भुईयॉ, प0–रास्ता,
10	40	235	रैयती	–	0.01400	कैलाश प्रजापति पिता तपेश्वर प्रजापति	उ0–रास्ता द0–नीज पू0–,संजय सिंह प0–शिव भुईयॉ
11	40	236	रैयती	–	0.03900	कैलाश प्रजापति पिता तपेश्वर प्रजापति	उ0–रास्ता, द0–नीज पू0–संजय सिंह वगै0 प0–भगरत भुईया
12	29	240	बकास्त	–	0.02400	शिव कुमार भुईयॉ वगै0 पिता भगरत भुईयॉ	उ0–नीज द0–रास्ता, पू0–कैलाश प्रजापति, प0–महेश भुईयॉ
13	41	245	रैयती	–	0.01800	महेश भुईयॉ पिता लठु भुईयॉ	उ0–नीज द0–रास्ता, पू0–शिव कु0 भुईयॉ वगै0, प0–केतार नाथ सिंह
14	29	247	बकास्त	–	0.04100	हरिहरनाथ सिंह पिता नन्दलाल सिंह	उ0–नीज द0–रास्ता, पू0–महेश भुईयॉ प0–रास्ता
15	39	248	रैयती	–	0.00400	शिव शंकर सिंह वगै0 पिता केदारनाथ सिंह	उ0–गोविन्द नाथ महतो द0–चन्दर सिंह पू0–,नीज प0–रास्ता
16	39	249	रैयती	–	0.03400	शिव शंकर सिंह वगै0 पिता केतारनाथ सिंह	उ0–गोविन्दनाथ सिंह वगै0 द0–चंदर सिंह वगै0, पू0–नीज, प0–रास्ता,
17	39	249	रैयती	–	0.01800	सत्यनारायण सिंह वगै0 पिता चंपर सिंह एवं संजय सिंह वगै0	उ0–शिव शंकर सिंह द0–प्लॉट 356, पू0–नीज, प0–रास्ता,
18	1	256	बकास्त	–	0.04900	सत्यनारायण सिंह वगै0 पिता चंपर सिंह संजय सिह वगै0 पिता राममुरत आजाद	उ0–राजेन्द्र सिंह द0–अनिल सिंह पू0–रास्ता , प0–नीज
19	56	300	रैयती	–	0.01200	जयगोविन्द शर्मा पिता बीरबल शर्मा	उ0–सत्यनारायण सिंह वगै0 द0–सत्यनाराण सिंह , पू0–रास्ता, प0–नीज,
20	56	300	रैयती	–	0.03000	सकुन्तला देवी पति जय कृष्ण विश्वकर्मा	उ0–सत्यनारायण सिंह वगै0 द0–रास्ता, पू0–नीज, प0–नीज,
21	56	300	रैयती	–	0.00500	सत्यनारायण सिंह वगै0 पिता चंदर सिंह	उ0–जय करेश शर्मा द0–जय गोबिन्द शर्मा पू0–रास्ता, प0–नीज,
22	56	301	रैयती	–	0.00600	जयगोविन्द शर्मा पिता बीरबल शर्मा	उ0–सत्यनारायण सिंह वगै0 द0–सत्यनाराण सिंह , पू0–रास्ता, प0–नीज,
23	1	328	बकास्त	–	0.06267	राम सागर उरॉव वो राम नरेश उरॉव वो राम भजन उरॉव वगै0 पिता गंगा उरांव	उ0–रास्ता द0–नीज, पू0–रास्ता प0–रामजी पासवान,
24	1	328	बकास्त	–	0.06267	दिनेश उरांव वोगैरह पित– हरदेव उरांव	उ0–रंजी राम द0–रास्ता, पू0–रास्ता, प0–नीज,
25	1	328	बकास्त	–	0.06266	ललु उरांव पिता– भोला उरांव	उ0–नीज द0–रास्ता, पू0–राजू सिंह, प0–अनिल सिंह, उ0–नीज,
26	1	471	बकास्त	–	0.05233	दिनेश उरांव वोगैरह पित– हरदेव उरांव ललु उरांव पिता– भोला उरांव	उ0–नीज द0–रास्ता, पू0–अनील सिंह प0–राजु सिंह
27	1	471	बकास्त	–	0.05233	ललु उरांव पिता– भोला उरांव	उ0–बांध द0–रास्ता, पू0–नीज प0–रास्ता
28	1	471	बकास्त	–	0.05233	राम सागर उरांव पिता– गंगा उरांव	उ0–नीज द0–रास्ता, पू0–अनील सिंह प0–राजु सिंह
29	29	332	बकास्त	–	0.00100	अनील सिंह वोगैरह पित– बिजय सिंह	उ0–नीज द0–प्लॉट सं0 329, पू0–रास्ता, प0–नीज,
30	75	347	रैयती	–	0.02600	बंसत कु0 केशरी पिता गैरी शंकर गुप्ता	उ0–नीज द0–प्लॉट सं0 329, पू0–रास्ता, प0–नीज,
31	56	348	रैयती	–	0.02600	बंसत कुमार केशरी पिता गैरी शंकर गुप्ता	उ0–नीज द0–प्लॉट सं0 329, पू0–रास्ता, प0–नीज,
32	50	349	रैयती	–	0.07700	बसंत कुमार केशरी पिता गैरी शंकर गुप्ता	उ0–प्लॉट सं0 351 द0–नीज, पू0–रास्ता, प0–नीज,
33	31	351	रैयती	–	0.01750	गुपुत भुईयॉ पिता राम वृक्ष भुईयॉ	उ0–अर्जून भुईयॉ द0–पुरन भुईया, पू0–रास्ता, प0–नीज,
34	31	351	रैयती	–	0.01750	पुरन भुईयां राम वृक्ष भुईयॉ	उ0–अमीरका शर्मा द0–रामदेव भुईयॉ पू0–रास्ता, प0–नीज,
35	33	352	रैयती	–	0.01000	गणेश भुईयॉ पिता रतन भुईया	उ0–अमीरका शर्मा द0–रामदेव भुईयॉ पू0–रास्ता, प0–नीज,
36	33	352	रैयती	–	0.00500	बिहारी भुईयॉ, जोगन भुईयॉ पिता रामदेव भुईयॉ	उ0–गणेश भुईयॉ द0–अर्जून भुईया पू0–रास्ता, प0–नीज,
37	33	352	रैयती	–	0.00500	बिहारी भुईयॉ पिता राम देव भुईयॉ	उ0–रामदेव भुईयॉ वगै0 द0–गुपुत भुईयॉ पू0–रास्त, प0–नीज
38	29	354	बकास्त	–	0.02500	सत्यनारायण सिंह वगै0 पिता चंदर सिंह	उ0–जयगोविन्द शर्मा द0–स्कूल पू0–रास्ता प0–नीज,
39	29	354	बकास्त	–	0.01100	शिव शंकर सिंह वगै0 पिता केतारनाथ सिंह	उ0–सत्यनारायण सिंह द0–पुष्पा देवी पू0–रास्ता प0–नीज,
40	29	354	बकास्त	–	0.01100	पुष्पा देवी पति संजीव सिंह	उ0–शिव शंकर सिंह वगै0 द0–रामनारायण सिंह, पू0–रास्ता प0–, नीज
41	29	354	बकास्त	–	0.01000	रामनारायण सिंह पिता चंदर सिंह	उ0–पुष्पा देवी द0–राम लखन राम, पू0–रास्ता, प0–नीज,
42	29	354	बकास्त	–	0.02200	लालमुनी देवी पति रामलखन राम पिता दुलर राम	उ0–रामनारायण सिंह द0–शहजाद खान, पू0–रास्ता, प0–नीज
43	29	354	बकास्त	–	0.01000	शहजाद खान पिता फरीद खान	उ0–रामलखन राम द0–अमीरका शर्मा, पू0–रास्ता, प0–नीज,
44	29	354	बकास्त	–	0.01600	अमीरका शर्मा पिता मनरखन शर्मा	उ0–शहजाद खान द0–चाई भुईयॉ, पू0–रास्ता, प0–नीज,
45	1	356	बकास्त	–	0.05200	चंदर सिंह वगै0 पिता नन्दलाल सिह	उ0–रामदेव भुईयॉ द0–स्कूल पू0–,नीज प0–रास्ता
46	67	362	बकास्त	–	0.01500	उ0प्रा0वि0 कमरमा	उ0–स्कूल द0–नसीम खान पू0–नीज, प0–रास्ता,
47	54	366	रैयती	–	0.01950	भूण्डूल सिंह उर्फ अभय कु0 सिंह पिता हरिहरनाथ सिंह	उ0–स्कूल द0–नसीम खान पू0–नीज, प0–रास्ता,
48	54	366	रैयती	–	0.00650	शैरून बीबी पति नसीम खान	उ0–भूण्डूल सिंह द0–रास्ता, पू0–,नीज, प0–,रास्ता
49	8	369	रैयती	–	0.03400	शिव शंकर सिंह वगै0 पिता केतारनाथ सिंह	उ0–रास्ता द0–प्रेम केशरी, पू0–नीज प0–रास्ता,
50	8	369	रैयती	–	0.01100	प्रेम केशरी	उ0–शिव शंकर सिंह द0–फरीद खान पू0–नीज, प0–रास्ता,
51	1	372	बकास्त	–	0.02100	अख्तरी बीबी पति फरीद खान	उ0–प्रेम केशरी द0–इसलाम खान पू0–नीज प0–रास्ता,
52	1	372	बकास्त	–	0.02800	इशलामुदीन खान पिता अलि करीम खान	उ0–अख्तारी बीबी द0–शहजाद खान, पू0–नीज, प0–रास्ता,
53	1	372	बकास्त	–	0.01300	शहजाद खान पिता फरीद खान	उ0–इशलाम खान द0–रास्ता पू0–नीज, प0–रास्ता,
54	1	387	बकास्त	–	0.03900	संजय सिंह वगै0 पिता राममुरत आजाद	उ0–रास्ता द0–रास्ता पू0–,नीज प0–नीज
55	29	388	बकास्त	–	0.09200	गोपाल साह पिता पच्चू साह	उ0–नीज, द0–रास्ता, पू0–काशीनाथ पाण्डेय, प0–संजय सिंह
56	29	389	बकास्त	–	0.09500	राधिका देवी पति रटू साह	उ0–नीज द0–रास्ता, पू0–सुरेश राम, प0–रास्ता,
57	36	390	रैयती	–	0.05400	सुरेश राम पिता बैजनाथ राम	उ0–काशीनाथ पाण्डेय द0–रास्ता पू0–रास्ता प0–नीज,
58	29	392	बकास्त	–	0.03450	लल्लू प्रसाद केशरी पिता मोतीलाल केशरी	उ0–रास्ता द0–नीज पू0–रास्ता, प0–नन्दलाल प्र0 केशरी
59	29	392	बकास्त	–	0.03450	नन्दलाल प्र0 केशरी पिता भजन केशरी	उ0–रास्ता द0–नीज, पू0–ललू प्र0 केशरी प0–अंतू चौधरी,
60	14	444	रैयती	–	0.00933	राम कुमार भुईयां पिता बैजनाथ भुईयॉ	उ0–राम कु0 भईयॉ, द0–शिव कु0 भुईयॉ, पू0–नीज, प0–रास्ता,
61	14	444	रैयती	–	0.00933	शिव भुईयॉ पिता बैजनाथ भुईयॉ	उ0–राम कु0 भईयॉ, द0–शिव कु0 भुईयॉ, पू0–नीज,प0–रास्ता
62	14	444	रैयती	–	0.00933	शिव कु0 भुईयॉ पिता बैजनाथ भुईयॉ	उ0–शिव भुईया द0–केतार भुईयॉ, पू0–नीज,प0–रास्ता,
63	5	445	रैयती	–	0.01300	केतार भुईयॉ पिता फूलचन्द भुईयॉ	उ0–शिव कु0 भुईयॉ द0–कलवती कुंवर पू0–नीज, प0–रास्ता,
64	10	448	रैयती	–	0.01500	कलवती कुंवर पति कमेश्वर भुईयॉ	उ0–केदार भुईयॉ द0–दशरथ राम पू0–नीज, प0–रास्ता,
65	11	449	रैयती	–	0.02400	दशरथ राम पिता प्रसाद राम, सीता राम पिता प्रसाद राम	उ0–कलावती कुंवर द0–सीता राम, पू0–नीज, प0–रास्ता,
66	7	452	रैयती	–	0.01900	मुनी राम पिता प्रसाद राम	उ0–सीता राम द0–प्लॉट सं0 252, पू0–नीज, प0–रास्ता,
67	7	452	रैयती	–	0.03000	बंशत कुमार केशरी पिता गैारी शंकर गुप्ता	उ0–दशरथ राम, द0–नीज, पू0–नीज, प0–रास्ता,
68	56	454	रैयती	–	0.02800	बशंत कुमार केशरी पिता गैरी शंकर गुप्ता	उ0–नीज द0–नीज, पू0–नीज, प0–रास्ता,
69	67	457	बकास्त	–	0.02300	बंशत कुमार केशरी पिता गैरी शंकर गुप्ता	उ0–नीज द0–471 पू0–नीज, प0–रास्ता,
				कुल :–	1.80198		

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम सं0–30/2013 की धारा 15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जांच के पश्चात् किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या :– शून्य,

जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किए गए है, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत है :– ग्राम–कमरमा, थाना–मेराल, थाना सं0–249, अंचल–मेराल, जिला–गढ़वा, क्षेत्रफल– 0, एकड़– 0, जिला भूमि अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन योजना के सार नीचे दिये गये है :– शून्य

उपायुक्त, गढ़वा

PR 380032 Land Reforms (26-27)_D

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता में होगा बड़ा एक्शन; नगर निगम की निगरानी सूची में 3000 अवैध इमारतें

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नगर निगम

(केएमसी) के भवन विभाग ने शहर के छह बोरो इलाकों में करीब 3,000 ऐसी इमारतों की पहचान की है, जिन्होंने निर्माण नियमों का गंभीर उल्लंघन किया है। निगम ने इन इलाकों को अनौपचारिक तौर पर 'रेड जोन' की श्रेणी में रखा है। इन इलाकों में तिलजला-तपसिया, एकबालपुर-खिदिरपुर, गार्डेनरीच-मेटियाबुरुज, बड़ा बाजार-चितपुर तथा बाइपास से सटे कई कालोनियां शामिल हैं। निगम अधिकारियों के अनुसार सबसे खराब स्थिति तिलजला-तपसिया बेल्ट की है, जहां अवैध निर्माण सबसे अधिक हुआ है। पूरे तिलजला-तपसिया क्षेत्र को ही अब 'रेड जोन' माना जा रहा है। केएमसी अधिकारियों ने बताया कि इस इलाके में करीब 1,000 इमारतें ध्वस्तीकरण की प्रतीक्षा में हैं। अनुमान है कि पिछले दो दशकों में यहां बने लगभग 70 प्रतिशत भवन बिना किसी आधिकारिक अनुमति के खड़े किए गए। अधिकारियों के अनुसार कई बहुमंजिला अपार्टमेंट घनी आबादी वाले इलाकों में बिना नक्शा स्वीकृति के बना दिए गए। तपसिया, तिलजला, चौभागा और बाइपास से सटे अन्य क्षेत्रों में अवैध निर्माण अब अपवाद नहीं बल्कि सामान्य स्थिति बन चुकी है। केएमसी अधिकारियों का कहना है कि इन इलाकों में नियमित कार्रवाई करना कठिन होता जा रहा है। कई बार बोरो स्तर के भवन विभाग कर्मियों को धमकी, दबाव और टकराव की आशंका के कारण इलाके में प्रवेश करने में भी हिचकिचाहट होती है। यह समस्या केवल तिलजला-तपसिया तक सीमित नहीं है।

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन संस्थान आयुष एवं होम्योपैथी के प्रोत्साहन हेतु कार्य करेगा : दीक्षित

भोपाल। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान भोपाल के उपाध्यक्ष प्रो. राजीव दीक्षित से आज उनके भोपाल स्थित कार्यालय में आयुष एवं होम्योपैथिक चिकित्सा तथा अनुसंधान को प्रदेश में बढ़ावा देने के विषय पर सार्थक एवं सकारात्मक चर्चा हुई। गौरतलब है कि प्रो. राजीव दीक्षित वर्तमान में मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख थिंक-टैंक अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। यह संस्थान सुशासन, प्रभावी नीतियों, शिक्षा एवं जैव-अर्थव्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में राज्य शासन हेतु अनुसंधान एवं रणनीतिक नीतियों के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। संस्थान का मुख्यालय भोपाल में स्थित है तथा इसके अध्यक्ष मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव हैं। बैठक के दौरान प्रो. राजीव दीक्षित ने एथिकल कमिटी (सीसीआरएच) एवं साइंटिफिक एडवाइजरी कमिटी, नॉर्थ ईस्टर्न आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थान, शिलॉन्ग, मेघालय, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य सुप्रसिद्ध होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. ए.के. द्विवेदी की उस मानवीय सेवा की सराहना की, जिसमें उन्होंने दुबई-मुंबई उड़ान के दौरान एक यात्री की अचानक बिगड़ी स्थिति में सीपीआर देकर उसकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस कार्य की सम्पूर्ण देश में व्यापक प्रशंसा हुई थी। इस अवसर पर शासकीय होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल के प्राचार्य डॉ. एस.के. मिश्रा ने डॉ. ए.के. द्विवेदी द्वारा चलाए जा रहे एनीमिया जागरूकता अभियान की जानकारी उपस्थितजनों को दी। उन्होंने बताया कि डॉ. द्विवेदी पिछले तीन दशकों से प्रदेश में एनीमिया जागरूकता के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं तथा प्रत्येक वर्ष जनजागरूकता अभियान चलाकर समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का प्रयास करते हैं। सम्पूर्ण देश से अप्लास्टिक एनीमिया और सिकल सेल सहित बोनमैरो की बीमारी से पीड़ित लोग डॉ एके द्विवेदी के पास इंदौर में इलाज के लिए आते हैं और उनकी होम्योपैथी चिकित्सा से लाभ उठाते हैं। डॉ. ए.के. द्विवेदी ने प्रदेश में होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के विकास एवं शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रो. राजीव दीक्षित से सहयोग का आग्रह किया।

सुरक्षा एजेंसियों का बड़ा खुलासा: राजस्थान के सीमावर्ती जिलों के युवाओं को बरगला रहा पाकिस्तानी आतंकी भट्टी

जयपुर, एजेंसी। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि पाकिस्तानी आतंकवादी शहजाद भट्टी का नेटवर्क सीमावर्ती इलाकों तक ही सीमित नहीं है,बल्कि वह युवाओं को आतंकी गतिविधियों और लॉजिस्टिक सपोर्ट के लिए इस्तेमाल कर रहा है। भट्टी के चंगुल में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे जिलों के युवक फंस रहे हैं। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर राजस्थान-हरियाणा एटीएस और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने दो दिन पहले छापेमारी कर खतरनाक साजिश का खुलासा करते हुए करीब 20 युवकों को हिरासत में लिया है। इनमें सबसे अधिक दस अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के निवासी हैं। ये सभी भट्टी और उसकी गैंग से इंटरनेट मीडिया के जरिए संपर्क में आए हैं। श्रीगंगानगर जिला पुलिस अधीक्षक हरिशंकर ने बताया कि भट्टी पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हेरोइन,विदेशी पिस्टल और आरडीएक्स भेज रहा है। भट्टी उन युवाओं को लक्ष्य बना रहा है जो जल्दी पैसा कमाना चाहते हैं।

इंटरनेट मीडिया के माध्यम से इन्हे धीरे-धीरे जाल में फंसाकर सेना एवं अन्य महत्वूपर्ण जानकारी हासिल की जाती है,बदले में इन्हे हवाला के जरिए पैसे दिए जाते हैं।

युवा इंस्टाग्राम और फेसबुक पर भट्टी को फॉलो कर रहे

पुलिस अधीक्षक ने कहा,हिरासत में लिए गए युवाओं से मोबाइल जब्त कर पूछताछ चल रही है। हिरासत में लिए गए युवा इंस्टाग्राम और फेसबुक पर भट्टी को फॉलो करते थे। इन युवकों द्वारा भट्टी की पोस्ट को लाइक एवं शेयर

करने से उनके स्लीपर सेल का हिस्सा बनने की आशंकर बढ़ गई है। उन्होंने कहा,मामले की जांच जारी है। पुलिस पिछले दो माह में श्रीगंगानगर में सामने आई चार घटनाओं को लेकर सीमावर्ती जिलों के युवाओं से भट्टी के संपर्कों को जोड़ते हुए जांच कर रही है।

लालगढ़ जाटान के आकाशदीप को पुलिस ने गिरफ्तार किया इस साल 26 मार्च को श्रींगानगर के लालगढ़ जाटान के आकाशदीप को पुलिस ने गिरफ्तार किया। वह भट्टी से इंटरनेट मीडिया के माध्यम से संपर्क में था। 25 मार्च को हनुमानगढ़ जिले के किशनपुरा दिखनादा गावं निवासी जसवंत कुमार को भट्टी से संपर्क और हथियारों की फोटो शेयर करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। 6 अप्रेल को हनुमानगढ़ जंक्शन निवासी सुनील को पिस्टल के साथ पकड़ा गया। उसके मोबाइल में पाक गैंगस्टर के व्हाट्सएप नंबर और संदेश मिले। तीन संदिग्धों को दो किलो आरडीएक्स के साथ गिरफ्तार किया उधर 13 मार्च को हरियाणा के अंबाला में 13 मार्च को तीन संदिग्धों को दो किलो आरडीएक्स के साथ गिरफ्तार किया गया। इनमें एक जगवीर सिंह का संपर्क भट्टी से होना सामने आया था। पूछताछ में गिरफ्तार किए गए तीनों लोगों ने बताया था कि आडीएक्स का उपयोग हनुमानगढ़ में विस्फोट में होना था।

पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ा रहा बांग्लादेश, ब्यूरोक्रेट्स की ट्रेनिंग के लिए मसूरी की जगह चुना लाहौर

मसूरी, एजेंसी। भारत का पहाड़ी पर्यटन स्थल मसूरी बांग्लादेशी सिविल सेवकों के लिए कई सालों तक प्रशिक्षण केंद्र रहा, जो दोनों पड़ोसी देशों के बीच घनिष्ठ और स्थिर संबंधों का प्रतीक था। अब संबंधों में तनाव, समझौतों की अवधि समाप्त होने और वीजा संबंधी बाधाओं के चलते ढाका ने मसूरी की जगह लाहौर को चुना है। बांग्लादेश के बारह नौकरशाह लाहौर स्थित सिविल सर्विसेज एकेडमी में प्रशिक्षण (4-21 मई) ले रहे हैं। यह बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच अपनी तरह का पहला व्यवस्थित कार्यक्रम है। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद से दोनों देश एक-दूसरे के करीब आए हैं और कई क्षेत्रों में उनके बीच सहयोग बढ़ा है। बांग्लादेश के मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि एक अतिरिक्त सचिव और 11 संयुक्त सचिव प्रशिक्षण ले रहे हैं। अधिकारियों के प्रशिक्षण का सारा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है। इस दौरे में बांग्लादेश सरकार की कोई वित्तीय भागीदारी नहीं है। मंत्रालय की एक अधिसूचना के अनुसार, प्रशिक्षण के बाद घर लौटने पर अधिकारियों को एक रिपोर्ट जमा करनी होगी। अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए भारत और पाकिस्तान दोनों जगह जा रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि ढाका और नई दिल्ली अपने संबंधों को फिर से बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। 2024 तक बांग्लादेशी अधिकारी ट्रेनिंग के लिए मसूरी में स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी जाते थे।

ग्रेटर नोएडा के जिम्स ने लू से बचाव को लेकर जारी की एडवाइजरी, भीषण गर्मी में कैसे रखें खुद को सुरक्षित

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। भीषण गर्मी और लू को ध्यान में रखते हुए राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) ने शहर वासियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। जनरल मेडिसिन विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. श्रुति सिंह ने बताया कि लू से बचाव के लिए शरीर को हाइड्रेटेड रखना है। इसके लिए प्यास न लगने पर भी नियमित अंतराल पर पर्याप्त पानी पीना अनिवार्य है। पीने के पानी के साथ-साथ ओआरएस, छाछ (मट्ठा), नींबू पानी, आम पन्ना , बेल का शरबत, सत्तू का शरबत, चावल का पानी, गन्ने का रस, और ताजे फलों के रस जैसे घरेलू पेय पदार्थों का सेवन शरीर में

इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। इसके बजाय तरबूज, खरबूजा, संतरा और खीरा जैसे पानी से भरपूर मौसमी फलों को प्राथमिकता देनी चाहिए। खान-पान में विशेष सावधानी बरतते हुए बासी भोजन और उच्च प्रोटीन युक्त आहार से बचना चाहिए। ये मेटाबालिक गर्मी को बढ़ाते हैं। उन्होंने बताया कि शराब, चाय, काफी और अधिक चीनी वाले कार्बोनेटेड ड्रिंक्स के सेवन से बचने की जरूरत है। ये शरीर से तरल पदार्थों की निकासी बढ़ाकर निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) का कारण बनते हैं। धूप में निकलते समय हमेशा हल्के रंग के, ढीले और सूती कपड़े पहनने चाहिए और सिर को छाते, टोपी या गीले कपड़े से ढंकना चाहिए। शिशुओं, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को लू का खतरा सबसे अधिक होता है। इसलिए उनकी विशेष निगरानी आवश्यक है।

निर्वाचन आयोग का महत्वपूर्ण निर्णय: उंगली पर पहले से लगी होगी स्याही, फिर भी पंचायत चुनाव में वोट डाल सकेंगे वकील

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में आगामी पंचायत चुनावों के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। हाल ही में हुए बार काउंसिल चुनावों के कारण कई अधिवक्ताओं की उंगली पर पहले से ही अमिट स्याही का निशान लगा हुआ है, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हो रही थी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि केवल इस निशान के आधार पर वकीलों को मतदान से वंचित नहीं किया जाएगा। अपना वकील पहचान पत्र दिखाने और पहचान सुनिश्चित होने के बाद उन्हें वोट डालने की अनुमति मिलेगी। ऐसे मतदाताओं के बाएं हाथ के बजाय दाएं हाथ की उंगली पर स्याही लगाई जाएगी। यह चुनाव 26, 28 और 30 मई को तीन चरणों में संपन्न होंगे।

पंचायत चुनाव में वोट डालने से नहीं रोका जाएगा-हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनाव के दौरान इस बार कुछ मतदाताओं की उंगली पर पहले से लगी अमिट स्याही भ्रम की स्थिति पैदा कर सकती है। इसे देखते हुए राज्य निर्वाचन आयोग ने साफ किया है कि हाल ही में बार काउंसिल चुनाव में मतदान कर चुके अधिवक्ताओं को पंचायत चुनाव में वोट डालने से नहीं रोका जाएगा।

बताई यह वजह-आयोग ने कहा है कि जिन वकीलों ने बार काउंसिल चुनाव में मतदान किया था, उनकी बाएं हाथ की तर्जनी उंगली पर पहले से अमिट स्याही का निशान मौजूद हो सकता है। लेकिन सिर्फ इस आधार पर उन्हें पंचायत चुनाव में मतदान से वंचित नहीं किया जाएगा।

दिखाना होगा बार काउंसिल का पहचान पत्र- राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, ऐसे मतदाताओं को मतदान केंद्र पर अपना अधिवक्ता परिचय पत्र या बार काउंसिल का पहचान पत्र दिखाना होगा। पहचान की पुष्टि होने के बाद उन्हें वोट डालने की अनुमति दी जाएगी। मतदान से पहले उनके दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली पर अमिट स्याही लगाई जाएगी, ताकि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और रिकॉर्ड दोनों बनाए रखे जा सकें।

जांच के बाद मतदान- आयोग ने इस संबंध में सभी जिला निर्वाचन

अधिकारियों, उपमंडल अधिकारियों और खंड विकास अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि जिन अधिवक्ताओं की उंगली पर पहले से स्याही का निशान हो, उनके पहचान पत्र की जांच के बाद उन्हें मतदान करने दिया जाए। हिमाचल प्रदेश निर्वाचन आयोग का कहना है कि यह व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि अलग-अलग चुनावों में मतदान कर चुके मतदाता अपने मताधिकार के इस्तेमाल से वंचित न रहें और चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष तरीके से पूरी हो सके। बता दें कि हिमाचल में पंचायत चुनाव के लिए मतदान 3 चरणों में 26, 28 व 30 मई को होगा।

गुरुग्राम में विकास कार्यों की सौगात: सेक्टर 10ए में नई सड़क, स्टॉर्म वाटर ड्रेन का निर्माण शुरू

गुरुग्राम, एजेंसी। वार्ड दस में बृहस्पतिवार को स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने मेयर राजरानी मल्होत्रा व निगम पार्षदों की उपस्थिति में लगभग 55 लाख रुपये की लागत से महिला पार्क, कादीपुर मंदिर के नवीनीकरण कार्य सहित अन्य कार्यों का शुभारंभ किया। इस मौके पर वार्ड के पार्षद महावीर यादव सहित कई गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर क्षेत्र में सड़क, जल निकासी, सार्वजनिक सुविधाओं एवं सामाजिक अवसंरचना से जुड़े कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान सेक्टर-दस ए के 1700 पाकेट क्षेत्र में आरएमसी द्वारा सड़क के अपग्रेडेशन एवं ऊंचाई बढ़ाने के कार्य का शुभारंभ किया गया। लगभग 83.60 लाख रुपये की लागत से होने वाले इस कार्य से क्षेत्र में जलभराव की समस्या कम होगी।

स्टार्म वाटर ड्रेन निर्माण होगा

नत्थू स्वीट्स से रोटरी ब्लड बैंक तक आरसीसी बाक्स टाइप स्टार्म वाटर ड्रेन निर्माण कार्य भी शुरू किया गया। लगभग एक करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाली यह परियोजना क्षेत्र में वर्षा के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कादीपुर बूस्टिंग स्टेशन पर आरसीसी स्लैब निर्माण कादीपुर बूस्टिंग स्टेशन पर आरसीसी स्लैब निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया। लगभग 39.53 लाख रुपये की लागत से होने वाले इस कार्य का उद्देश्य बूस्टिंग स्टेशन की संरचना को अधिक सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाना है। राजकीय संस्कृत प्राथमिक विद्यालय, कादीपुर के निकट पुनर्वास केंद्र के निर्माण कार्य को पूर्ण करने की दिशा में भी कार्य शुरू किया गया। लगभग 32.89 लाख रुपये की लागत से बनने वाला यह केंद्र क्षेत्र के जरूरतमंद नागरिकों के लिए उपयोगी सुविधाएं उपलब्ध करवाएगा। इस मौके पर मेयर राजरानी मल्होत्रा, पटौदी विधायक बिमला चौधरी, पूर्व मेयर विमल यादव, निगम पार्षद महावीर यादव, पटौदी मार्केट कमेटी चेयरमैन मनोज यादव सहित आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

भोजशाला: विद्या, संस्कृति और आस्था का हजार वर्ष पुराना केंद्र, शिल्प वैभव की अद्भुत धरोहर

इंदौर, एजेंसी। भोजशाला केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृत अध्ययन और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक मानी जाती रही है। परमार राजा भोज के काल में स्थापित भोजशाला को मां वाग्देवी (सरस्वती) की आराधना, वैदिक अध्ययन और विद्वानों के केंद्र के रूप में पहचान मिली।

विशाल स्थापत्य, नक्काशीदार स्तंभ, यज्ञकुंड और वाग्देवी प्रतिमा ने इसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाए रखा। यहां धार्मिक अनुष्ठान, यज्ञ, वैदिक आयोजन और वसंत पंचमी महोत्सव आयोजित होते थे। परिसर से कुछ ही किलोमीटर दूर ज्ञानपुरा गांव के बारे में माना जाता है कि परमार काल में यह आचार्यों और विद्वानों का निवास क्षेत्र था। राजा भोज के समय की विद्वता और शिल्प वैभव की अद्भुत धरोहर है।1034 ईस्वी में परमार वंश के प्रतापी राजा भोज ने धार में एक विशाल आवासीय संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना की, जिसे आज भोजशाला के नाम से जाना जाता है। यह संस्थान नालंदा और तक्षशिला की समृद्ध परंपरा का हिस्सा था। वसंत पंचमी के दिन यहां मां सरस्वती की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की गई और लगभग 271 वर्षों तक यह स्थान विश्व में शिक्षा का प्रमुख केंद्र बना रहा। श्वेत संगमरमर से उच्च उत्कीर्णन शैली में निर्मित यह मूर्ति तत्कालीन मूर्तिकला कौशल की उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है। सुनवाई के दौरान यह बताया गया कि वर्ष 1875 में ब्रिटिश सरकार के राजनीतिक प्रतिनिधि मेजर जनरल विलियम किंकेड ने मंदिर परिसर की खोदाई करवाई थी। इस

दौरान मुस्लिम शासकों द्वारा वहां गाड़ी गई वाग्देवी की मूर्ति को बाहर निकाला गया। वर्ष 1903 में लार्ड कर्जन इस मूर्ति को अपने साथ ले गए और उन्होंने इसे लंदन के संग्रहालय में रखवाया। तबसे यह वहीं है। इतिहासकारों के अनुसार, यह प्रतिमा मूल रूप से चार भुजाओं वाली थी। देवी के सिर पर मुकुट और सुसज्जित केश विन्यास उनकी दिव्यता और गरिमा को दर्शाते हैं। इसके आधार भाग पर संस्कृत भाषा और देवनागरी लिपि में उकेरे अभिलेख के अनुसार वररुचि नामक विद्वान ने वाग्देवी सहित तीन प्रतिमाओं का निर्माण करवाया था। मूर्ति लगभग 128.5 सेमी ऊंची, 58.6 सेमी चौड़ी है। इसका अनुमानित भार करीब 250 किलो माना जाता है।

गरीब, मिडिल क्लास और कैब चालकों पर पड़ेगा सीधा असर', पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी पर भड़के तमिलनाडु के सीएम विजय

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में की गई 3 रुपये की बढ़ोतरी को अस्वीकार्य करार दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि बिना किसी देरी के इस मूल्य वृद्धि को तुरंत वापस लिया जाए। सीएम विजय ने तेल कंपनियों की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतें गिरती हैं, तो ये कंपनियां आम जनता को राहत देने के लिए पेट्रोल-डीजल के दाम कम नहीं करतीं, बल्कि भारी मुनाफा कमाना जारी रखती हैं।

केंद्र सरकार को लिखे अपने पत्र में विजय ने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम गिरते हैं, तो तेल कंपनियां उसके अनुरूप कीमतें नहीं घटाती हैं। इसके बजाय, वे केवल अपना मुनाफा देखती हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के तुरंत बाद पेट्रोलियम उत्पादों की

कीमतों में की गई यह वृद्धि पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

गरीब, मध्यम वर्ग और कैब चालकों पर सीधी मार: मुख्यमंत्री विजय ने इस बढ़ोतरी से आम जनता पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस कदम से गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों का मासिक खर्च काफी बढ़ जाएगा। इसके अलावा, जो कैब संचालक अपनी गाड़ियों का लोन चुका रहे हैं, उनके लिए यह महंगाई एक बड़ा झटका साबित होगी। आम जनता के अलावा, विजय ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को लेकर भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में उछाल के कारण उत्पादन लागत बढ़ गई है। इस वजह से स्वस्थ्य सेक्टर को बाजार और निर्यात दोनों ही मोर्चों पर भारी मंदी का सामना करना पड़ रहा है।

अंतरराष्ट्रीय संकट है बढ़ोतरी का कारण

एक तरफ जहां तमिलनाडु के मुख्यमंत्री इस बढ़ोतरी का विरोध कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने इस कदम का बचाव किया है। उन्होंने इस मूल्य वृद्धि के पीछे अंतरराष्ट्रीय कारणों का हवाला दिया। रेड्डी ने कहा कि मिडिल ईस्ट में चल रहे मौजूदा संघर्ष और वैश्विक तेल शिपिंग के प्रमुख मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में लगे प्रतिबंधों के कारण कच्चे तेल की आयात लागत में काफी वृद्धि हुई है।

वाणिज्य विभाग बनेगा वन-स्टॉप हब, 20 दफ्तरों को एक ही छत के नीचे लाने की तैयारी

मुंबई, एजेंसी। प्रशासनिक ढांचे में सुधार, कार्यक्षमता बढ़ाने और ऑपरेशनल लागत को कम करने के उद्देश्य से वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाया है। मंत्रालय की योजना मुंबई भर में फैले 12 संगठनों के 20 कार्यालयों का विलय करके उन्हें सिंगल इंटीग्रेटेड कैंपस में लाने की है। भविष्य में इस मॉडल को देश के अन्य हिस्सों में भी अपनाया जा सकता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मुंबई में की जा रही यह कवायद उनके मंत्रालय द्वारा पूरे देश में चलाए जाने वाले एकीकरण अभियान के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में काम करेगी। उन्होंने आगे बताया कि राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद को अध्ययन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है कि इस तरह का एकीकरण पूरे देश में किस तरह से लागू किया जा सकता है। यह प्रस्तावित नया परिसर मंत्रालय से जुड़ी काम के लिए नागरिकों के लिए एक वन-स्टॉप हब के रूप में काम करेगा। इसके अलावा, यह परिसर उपयोगकर्ताओं को डिजिटल रूप से वाणिज्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले सभी 46 संगठनों से भी जोड़ेगा। इसमें मसाला बोर्ड और समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण जैसी संस्थाएं भी शामिल होंगी जिनके कार्यालय वर्तमान में मुंबई में मौजूद नहीं हैं। वाणिज्य मंत्री गोयल ने कहा कि इस नए कदम से न सिर्फ प्रशासनिक कामकाज ज्यादा सुव्यवस्थित और आसान होगा, बल्कि सरकार के खर्चों में भी भारी कमी आएगी। इससे कार्यालयों का किराया, हाउसकीपिंग, आतिथ्य सत्कार और अन्य ऊपरी खर्च काफी हद तक कम हो जाएंगे। मंत्री ने इस योजना की अहमियत बताते हुए कहा कि सरकार के काम करने के तरीके पर इस कदम का दूरगामी और सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

विचार-मंथन

संपादकीय

प्रवेश परीक्षाओं में बार-बार गड़बड़ियों के मामले सामने क्यों आ रहे हैं?

नीट परीक्षा जरूरी है कि प्रवेश परीक्षाओं में गड़बड़ियों पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं, ताकि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो। देश भर में हर साल लाखों विद्यार्थी इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। मगर उनकी उम्मीदें तब धुंधली पड़ जाती हैं, जब परीक्षा में अनियमितता की बातें सामने आती हैं या फिर पर्चाफोड़ की वजह से परीक्षा को रद्द कर दिया जाता है। इस बार भी मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी-2026' में पर्चाफोड़ के गंभीर आरोप लगे हैं, जिस कारण राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) ने तीन मई को आयोजित परीक्षा को रद्द कर दिया है। साथ ही इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी गई है।सवाल है कि इस तरह की प्रवेश परीक्षाओं में बार-बार गड़बड़ियों के मामले सामने क्यों आ रहे हैं? एनटीए का दावा है कि प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर उसे संबंधित परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में पूरी गोपनीयता बरती जाती है और जरूरी सुरक्षा मानदंडों का भी कड़ाई से पालन किया जाता है, फिर क्या वजह है कि परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र चुनिंदा विद्यार्थियों तक पहुंच जाता है! आखिर एनटीए और जांच एजंसियां उस सिरे को क्यों नहीं ढूंढ पा रही हैं, जिसकी वजह से इस तरह की गड़बड़ियों का सिलसिला जारी है।गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है, जब एनटीए की ओर से आयोजित की जाने वाली किसी प्रवेश परीक्षा में गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं। वर्ष 2024 में नीट की परीक्षा देने वाले कुछ अभ्यर्थियों ने शिकायत की थी कि उन्हें दूसरी भाषा के प्रश्नपत्र दिए गए।इसके बाद एनटीए की ओर से क्षतिपूर्ति के तौर पर प्रभावित परीक्षार्थियों को दिए गए कृपांक को लेकर भी गंभीर सवाल उठे थे। इससे पहले वर्ष 2021 में भी कुछ छात्रों को गलत प्रश्नपत्र दिए जाने और कई केंद्रों पर परीक्षा में अनुचित साधनों के उपयोग की शिकायतों से विवाद हुआ था। सरकार ने वर्ष 2018 में एनटीए की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय स्तर की पात्रता परीक्षाएं आयोजित करना है, जिनमें नीट, जेईई, यूजीसी और नेट भी शामिल हैं।दरअसल, प्रवेश परीक्षाओं की प्रक्रिया को पारदर्शी, कुशल और निष्पक्ष बनाना एनटीए की बुनियादी प्राथमिकता है। मगर, इनमें जिस तरह से एक के बाद एक विसंगतियां सामने आ रही हैं, उससे इस एजंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। नीट यूजी 2026 परीक्षा में करीब 23 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे।एनटीए का दावा है कि इस परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र तैयार करने में पूरी गोपनीयता बरती गई और इन्हें 'जीपीएस-ट्रैकिंग' वाले वाहनों में ले जाया गया था। परीक्षा केंद्रों की निगरानी एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से एआइ-सहायता प्राप्त सीसीटीवी के माध्यम से की गई थी। सुरक्षा के इन तमाम प्रबंधों के बावजूद अगर प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही कुछ विद्यार्थियों तक पहुंच जाता है, तो यह वास्तव में बहुत ही गंभीर मसला है।जाहिर है कि परीक्षा के आयोजन से संबंधित संस्था और अन्य संगठनों की पर्चाफोड़ माफिया से मिलीभगत के बिना यह संभव नहीं हो सकता। सरकार को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि विद्यार्थी इन परीक्षाओं के लिए कितनी मेहनत करते हैं, महंगी कोचिंग के लिए कई परिवार तो अपनी जमीन गिरवी रख देते हैं, तो कोई बैंक से कर्ज लेता है। इसलिए जरूरी है कि प्रवेश परीक्षाओं में गड़बड़ियों पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं, ताकि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो।

संघ के नेताओं ने कहा कि टीएमसी की वजह से आरएसएस और बीजेपी का विकास हो सकता है। चुनाव के दौरान राज्य भर में तैनात रहे कोलकाता के संघ एक वरिष्ठ प्रचारक ने कहा, अगर टीएमसी सरकार नहीं होती, तो पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत संभव नहीं होती। राज्य में हमारा काम टीएमसी के उदय और मजबूती के साथ बढ़ा और ममता बनर्जी के नेतृत्व में उनकी मुस्लिम तुष्टीकरण नीतियों के कारण राज्य में सांप्रदायिक विभाजन और भी गहरा गया।

ममता का किला ढहाने के लिए भाजपा की बंगाल विजय में अहम रही संघ की भूमिका

(श्यामलाल यादव)

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी की जो प्रचंड जीत मिली है, उसमें बीजेपी संगठन के अलावा आरएसएस की भूमिका काफी अहम रही है। आरएसएस के कार्यकर्ताओं और प्रचारकों का कहना है कि टीएमसी के शासन में उन्हें काम करने में सबसे ज्यादा दिक्कतें आई थीं। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की अभूतपूर्व जीत में वैसे तो कई कारक रहे हैं, लेकिन एक अहम बिंदु आरएसएस का है। बीजेपी के लिए आरएसएस ने पिछले एक दशक में शांत तरीके से जमीन पर उतरकर काम किया। संगठन में विस्तार की पुरजोर कोशिशें कीं। उसी का नतीजा है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी सत्ता तक पहुंच गई। बीजेपी ने बंगाल के इस बार के विधानसभा चुनाव में हिंदुत्व का मुद्दा मुखरता के साथ उठाया था लेकिन ऐसा नहीं हैं, कि ये बीजेपी के लिए कोई नया मुद्दा नहीं बल्कि यहां हिंदू पहचान की राजनीति का इतिहास एक सदी पुराना है। इसके बावजूद आरएसएस और बीजेपी के पूर्ववर्ती संगठन यानी जनसंघ बंगाल में अपनी जड़े जमाने में कामयाब नहीं हो पाया। बंगाल में लंबा रहा है बीजेपी का संघर्ष साल 1951 के बंगाल चुनाव में भारतीय जनसंघ ने 9 विधानसभा सीटें जीती थीं, और 12.57 वोट प्रतिशत का वोट भी हासिल किया था लेकिन उसके बाद यहां से जनसंघ का नामोनिशान मिटता चला गया। इसके बाद जनसंघ का स्वरूप बदला और वो भारतीय जनता पार्टी बन गई। यह लंबा सूखा 2014 में तब समाप्त हुआ, जब बीजेपी ने उपचुनाव में अपनी पहली विधानसभा सीट जीती। बीजेपी ने साल 2016 में 3, 2021 में 77 सीटें जीती थीं। वह मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई थी। इस बार के चुनाव में 207 सीटों के साथ प्रचंड जीत के साथ सरकार बना ली। वरिष्ठ आरएसएस पदाधिकारियों ने बताया कि चुनावी लिहाज से निर्णायक मोड़ 2021 के विधानसभा चुनाव में आयास क्योंकि आरएसएस को यह समझ आ गया था कि अब ममता बनर्जी के खिलाफ चुनावी लड़ाई जीती जा सकती है। पिछले दो वर्षों में संघ ने भाजपा के जमीनी स्तर के तंत्र में मौजूद कमियों को पूरा करने के लिए अन्य राज्यों से 2,000 पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को जुटाया था। संघ ने जमीन पर उतारे थे कार्यकर्ता ये कार्यकर्ता संघ और पार्टी के कैडर से लिए गए थे। इन कार्यकर्ताओं के सभी खर्चों का वहन पार्टी द्वारा किया गया था और उन्हें एक ही लक्ष्य दिया गया था। जमीन स्तर पर गांवों, बस्तियों विशिष्ट समुदायों के बीच काम करने के लिए आरएसएस ने पूरी ताकत झोंकी थी। संघ की भूमिका बीजेपी की राजनीतिक सफलता का मार्ग प्रशस्त करने वाली सामाजिक और मनोवैज्ञानिक परिस्थितियाँ बनाने की थी। 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी को बंगाल में काफी बड़ा झटका लगा था। इसका काफी हद तक कारण ये माना गया था, कि संघ और बीजेपी के बीच किसी भी तरह का समन्वय स्थापित न हो पाना था।। तत्कालीन अध्यक्ष जेपी नड्डा ने द इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक साक्षात्कार में यह संकेत दिया था कि पार्टी को अब आरएसएस की जरूरत नहीं है। उनके इस बयान के बाद आरएसएस ने कथित तौर पर अपनी सक्रियता जमीन पर काफी कम कर दी थी। इस बार के चुनाव में बेहतर था समन्वय आरएसएस की मध्य बंगाल इकाई के एक पदाधिकारी ने इस बार के चुनाव को लेकर कहा, लगातार समन्वय बना रहा। बीजेपी कार्यकर्ता राजनीतिक लड़ाई में सबसे आगे थे, हमारे कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को निडर होकर मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहे थे। बता दें कि राज्य में आरएसएस की संगठनात्मक संरचना उत्तर, मध्य और दक्षिण बंगाल के तीन क्षेत्रों में विभाजित है। राज्य के बाहर से आए 2,000 कार्यकर्ता बारी-बारी से काम करते थे जिनकी न्यूनतम तैनाती तीन महीने की होती थी। 150 से अधिक वरिष्ठ नेता, अन्य राज्यों के विधायक और चुनाव प्रबंधन के अनुभवी लोग भी लगभग दो वर्षों तक राज्य में डेरा डाले रहे। इन नेताओं ने विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी के रूप में कार्य किया और उनकी भूमिका पारंपरिक चुनाव प्रचार से कहीं अधिक व्यापक थी। भय के बीच कार्यकर्ताओं ने किया काम एक बीजेपी नेता ने कहा, कई जगहों पर तो हमारे आरएसएस-भाजपा कार्यकर्ता भी डरे हुए थे और कई जगहों पर उन्होंने शिकायत की कि टीएमसी के लोगों ने उन्हें धमकाया है। डर के मारे हमारे कुछ कार्यकर्ताओं ने काम करना भी बंद कर दिया, लेकिन हमने उन्हें समझाया कि चिंता न करें। हमने उन्हें टीएमसी कार्यकर्ताओं से झड़पों से बचने और घर-घर जाकर संपर्क साधने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। जाति, समुदाय, महिला और छात्र समूहों के साथ-साथ शिक्षक और पेशेवर नेटवर्क में तैनात इन कार्यकर्ताओं ने 15-20 लोगों की अनेकों सभाएं कीं। इनमेंमें बंगाली गौरव, महिलाओं की सुरक्षा, बेरोजगारी और आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार और हत्या मामले और सांप्रदायिक विभाजन जैसे भावनात्मक मुद्दों पर सावधानीपूर्वक तैयार किए गए चर्चा बिंदु शामिल थे। सुनील बंसल का डेटा मैनेंजमेंट जमीनी स्तर की ताकत के अलावा, बीजेपी-आरएसएस ने ऐसी नियुक्तियां भी कीं, जिनसे अंततः अच्छे परिणाम मिले। 2016 के चुनावों में भूपेंद्र यादव और कैलाश विजयवर्गीय की जोड़ी सत्ता में थी। 2021 तक पार्टी ने अपने संयुक्त महासचिव (संगठन) शिव प्रकाश और राष्ट्रीय सचिव अरविंद मेनन को तैनात कर दिया था। शिव प्रकाश ने आरएसएस की तर्ज पर लगभग पांच साल जमीनी स्तर पर काम किया। बंगाल के प्रभारी वर्तमान भाजपा महासचिव सुनील बंसल ने अपने पूर्ववर्तियों द्वारा स्थापित मॉडल को और बारीकी से लागू किया। उत्तर प्रदेश के एक नेता ने बंगाल चुनाव में 6 महीने बिताए थे। उन्होंने बताया कि सुनील बंसल और पार्टी द्वारा इस चुनाव में डेटा-आधारित सटीकता के साथ किए गए कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा, डेटा के मामले में रिसर्च इतनी गहरी थी कि अन्य राज्यों से नियुक्त किए गए 294 विधानसभा क्षेत्रों के सभी प्रभारियों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित 20-25 पृष्ठों की एक फ़ोल्डर दी गई थी। इसमें स्थानीय मुद्दे, पिछले कुछ चुनावों का मतदान पैटर्न, क्षेत्र के प्रमुख कार्यकर्ता, विभिन्न दलों के प्रमुख पदाधिकारियों के विवरण और संपर्क, साथ ही उनकी कमजोरियां और ताकतें जैसी जानकारियां भी शामिल थीं। 2016 से डेटा तैयार कर रही थी टीम पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर बीजेपी संगठन के नेताओं ने जिस डेटा का इस्तेमाल किया था। वह 20216 से बीजेपी के लिए काम करने वाली राजनीतिक रणनीति बनाने वाली एक कंपनी ने जुटाया था। कंपनी के डेटा को देख स्थानीय स्तर के नेता भी काफी चौंक गए थे। उत्तर प्रदेश के एक नेता ने कहा, हम विधानसभा क्षेत्रों में सभी आवश्यक आंकड़ों से लैस थे। स्थानीय नेता और कार्यकर्ता अक्सर जमीनी स्तर की जानकारी और अन्य दलों के नेताओं के बारे में हमारे ज्ञान और समझ से आश्चर्यचकित रह जाते थे। सूची में यह भी शामिल था कि हमारे क्षेत्र में टीएमसी के कौन से नेता अप्रत्यक्ष रूप से हमारे लिए काम कर सकते हैं।

जंगलों की आग- प्रकृति, पर्यावरण और भविष्य पर बढ़ता संकट

(ज्ञान चंद पाटनी)

इन दिनों देश भर में भीषण गर्मी और लू के कारण लोग बेहाल हैं। वहीं जंगल भी प्रभावित हुए हैं। देश के एक दर्जन राज्यों में कई जंगल आग की चपेट में हैं। देश भर में जंगलों में आग लगना अब एक सामान्य घटना बन चुकी है। इससे न केवल प्राकृतिक संपदा नष्ट हो रही है, बल्कि वन्य जीवों, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण को भी भारी नुकसान हो रहा है। जंगलों में आग लगने की घटनाएं चिंताजनक रूप से बढ़ी हैं। जलवायु परिवर्तन, प्रबंधकीय कमियों और मानवीय लापरवाही के कारण यह समस्या जटिल होती जा रही है। हालात को देखते हुए वनों को बचाने के लिए अब सजगता के साथ ठोस कदम उठाने की जरूरत है। इंडिया स्टेट आफ फारेस्ट रपट (आइएसएफआर)-2023 के अनुसार, देश में कुल वन और वृक्ष आवरण यहां के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 25.17 फीसद है। 'स्टेट आफ वाइल्ड फायर्स' की रपट से पता चलता है कि जंगलों में वर्ष 2000 से 2019 के बीच आग लगने की घटनाएं दस गुना तक बढ़ी हैं। वर्ष 2024-25 में उत्तर प्रदेश जंगल में आग की घटनाओं के मामले में सबसे अधिक प्रभावित रहा। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब भी इससे काफी प्रभावित हुए। हिमालयी क्षेत्रों में चीड़ के विशाल वन सुईनुमा सूखी पत्तियों के कारण शीघ्र ही आग पकड़ लेते हैं। ये पत्तियां सूखने के बाद बेहद ज्वलनशील हो जाती हैं। इनमें तेल की मात्रा अधिक होती है, जो आग में घी का काम करती हैं। मध्य भारत विशेषकर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओड़ीशा और महाराष्ट्र में साल और बांस के जंगल मुख्य रूप से शुष्क मौसम (फरवरी से जून) में आग की चपेट में आ जाते हैं। यह हर वर्ष की समस्या है। यहां सबसे भीषण आग अप्रैल और मई के महीनों में लगती है। दक्षिण भारत में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु के वन भी आग से अछूते नहीं हैं। इसी तरह असम, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड, मेघालय और त्रिपुरा के वन भी संवेदनशील हैं। इन दिनों देश भर में भीषण गर्मी और लू के कारण लोग बेहाल हैं। वहीं जंगल भी प्रभावित हुए हैं। देश के एक दर्जन राज्यों में कई जंगल आग की चपेट में हैं। उपग्रहों से मिले आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के जंगलों में बड़े पैमाने पर आग लगने के मामले सामने आए हैं। उत्तराखंड और तमिलनाडु से जंगलों में आग लगने की खबरें आ रही हैं। तमिलनाडु में नीलगिरि जिले तथा उससे लगे मुदुमलई, कोयंबटूर और इरोड के जंगल आग से जूझ रहे हैं। आग ने इतना विकराल रूप ले लिया कि वायुसेना की मदद की जरूरत पड़ गई। असम और मणिपुर के जंगल भी आग से धधक रहे हैं। पूर्वोत्तर के जंगलों में आग लगने की अधिक आशंका रहती है। वर्ष 2025 की पर्यावरण लेखांकन रपट और दूसरी रपटों के अनुसार, भारत में जंगलों में आग गंभीर समस्या बनी हुई है। आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2024 से जून 2025 की अवधि के दौरान आग लगने के अनेक मामले सामने आए। सुओमी नेशनल पोलर-आर्बिटिंग पार्टनरशिप (एसएनपीपी) उपग्रह पर लगे वीआइआइआरएस सेंसर के जरिए ये आंकड़े एकत्र किए गए थे। आग लगने की घटनाओं के कारण वन क्षेत्र प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा, हाल के अध्ययनों में यह भी बताया गया है कि वर्ष 2024-25 के दौरान जंगलों की आग से भारत में करीब डेढ़ करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं। वैश्विक स्तर पर भी वर्ष 2024 में कनाडा और अमेरिका में लाखों वर्गकिलोमीटर में फैले जंगल राख हो गए। भारत में जंगल में आग लगने के नब्बे फीसद से ज्यादा मामले मानवजनित हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6094

		7				8		6
		3	8		2			
6					4	9	5	
3	6			1				
4			3		5			7
				2			3	9
	9	1	5					4
			2		1	7		
8		4				2		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6093

4	7	8	6	3	9	5	1	2
1	3	9	5	8	2	7	6	4
6	2	5	4	1	7	3	8	9
7	9	2	8	6	3	4	5	1
5	6	1	9	7	4	8	2	3
8	4	3	2	5	1	9	7	6
9	8	7	3	2	6	1	4	5
3	5	6	1	4	8	2	9	7
2	1	4	7	9	5	6	3	8

वर्ग पहेली 6094

1	2	■	3	4	5		6
7		8	■	9		■	
■	10		11		■	12	
13	■	14		■	15	■	■
16	17	■	18				19
■	20			■		■	
21		■	22	23	■	24	
25			■	26			■

संकेतः बाएं से दाएं

1. 24 सितंबर 1979 को इस देश ने संविधान अपनाया (2)
3. 1983 का प्रुडेंशियल कप (विश्वकप) क्रिकेट इस क्रिकेटर के नेतृत्व में भारत ने जीता था (5)
7. यह भारत की पहली रहस्य प्रधान फिल्म थी, राजा का निवास (3)
9. एक मोटा वस्त्र, सपटा (2)
10. क से ह तक की वर्णमाल (4)
12. सूर्य, पुत्र (अंग्रेजी)(2)
14. सप्ताह का दिन (2)
16. हिंदी के बारह महिनों में से एक (2)
18. कोलकात के समीप स्थित प्रसिद्ध शिवलिंग (शिवपुराणानुसार)(5)
20. पुराणानुसार इंद्र के सारथि का नाम (3)
21. जिसे प्यास लगी हो (2)
22. यह वाराणसी का पुराना नाम है (2)
24. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
25. विमान पथ, धावन पथ (3)
26. काबिल, योग्य (3)

ऊपर से नीचे

1. ग्रीष्म अनुभूति, धूप (2)
2. व्यर्थ, बेमतलब, बेफिजूल (3)
4. झपोला, विविध भारती से प्रसारित कार्यक्रमों में से एक (3)
5. केशलता, बालों का गुच्छा (2)
6. वादा, इकरार (3)
8. एक वात रोग जिसमें शरीर का कोई अंग सुन्न या बेकार हो जाता है, पक्षाघात (3)
11. भाद्रप्रद के शुक्ल तृतीय को महिलाओं का व्रत विशेष जिसमें निर्जला रहकर रात्रि जागरण कर भजन आदि करती है (5)
13. दक्षिण अमेरिका के प्रशांत तट स्थित पेरू देश की यह राजधानी है (2)
15. ऊंट, बैल आदि की नाक में बंधी हुई रस्सी (3)
17. भयंकर युद्ध (4)
19. करूणा, दया, तरस (3)
21. प्रेम, मुहब्बत, इश्क (2)
23. दिल्ली की पूर्व महिला मुख्यमंत्री (सिर्फ नाम)(2)
24. हिमालय पर्वत का एक जंगली बैल (2)

वर्ग पहेली 6093 का हल

गु	ला	ब	■	सो	म	ना	थ
ल	ल	क	■	म	द	न	■
ब	च	ना	■	■	■	■	सा
द	■	■	मु	ग	ल	का	ल
न	ई	दु	नि	या	■	ति	■
■	द	म	■	ना	ग	ब	ल
आ	गा	■	क	■	री	■	ग
शा	ह	ज	हां	■	ब	न	ना

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन आर्थिक मामलों में लाभदायक रहेगा। आपकी राशि में चंद्रमा और मंगल की युति होने से धन योग बनेगा पारिवारिक जीवन में नोंक-झोंक के साथ प्यार भी बना रहेगा। दिन का दूसरा भाग मनोरंजक बीतेगा। कारोबार में लाभ का संयोग बनेगा। कोई बड़ी डील मिल सकती है। नया काम भी शुरु कर पाएंगे और उसमें लाभ मिलने का संकेत है।

वृष

आज का दिन बहुत ही शुभ लाभदायक रहेगा। सूर्य और बुध के प्रभाव से आपकी ऊर्जा मे वृद्धि होगी। सरकारी क्षेत्र से संबंधित काम में सफलता का संयोग बनेगा। नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। आपको कुछ नए अवसर भी प्राप्त होगे। आर्थिक क्षेत्र में दिन आपके लिन अनुकूल रहेगा। बिजनेस मे लाभ का संयोग बनेगा।

मिथुन

आज धन योग का लाभ मिलेगा। जबकि कल पंचम भौव में बुधादित्य योग बनने का भी इनको फायदा मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपको प्रगति का मौका मिलेगा। आप कुछ नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। कोई अटका हुआ काम है तो वह पूरा हो सकता है।

तुला

आज का दिन धन योग बनाकर आपके लाभ में वृद्धि करेंगे। चंद्रमा आपके मनोबल को बढाएगा और आपको अप्रत्याशित रूप से आर्थिक लाभ का मौका मिलेगा। आपक प्रोपर्टी और धातु से संबंधित वस्तुओं के कारोबार में लाभ पाएंगे। पेय पदार्थ के कारोबार से संबंधित क्षेत्र से जुड़े जातको के लिए भी कल ग्रहों का योग लाभ का संयोग बना रहा है।

वृश्चिक

आज आपके कार्यक्षेत्र में अनुकूलता आएगी। बुद्धि और तत्परता से आप अपने कार्यक्षेत्र में प्रगति करेंगे। काफी समय से अटक रहे कार्यों को पूरा करने पर भी आपका फोकस रहेगा। अधिकारी वर्ग से आपको सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में साथी सहकर्मियों से भी सहयोग प्राप्त करेंगे। आपके लिए कल का दिन पिता और पैतृक पक्ष से भी लाभ दिलाने वाला रहेगा।

धनु

आज सूर्यदेव भी बुध के साथ युति में रहने से बुधादित्य योग बनाएंगे। भाग्य भाव में बना यह शुभ योग आपके लिए लाभ का संयोग बना रहा है। सबसे अधिक फायदा आपको बुद्धि कुशलता से मिलने वाली है। बिजनेस मे आपको लाभ प्राप्त होगा। आप अपने कारोबार व्यापार को विस्तार दे सकते हैं। आपको बैंकिंग और इंश्योरेंस के क्षेत्र में फायदा मिलेगा।

कर्क

आज का दिन गजलक्ष्मी योग बना है। जबकि राशि स्वामी बुध द्वादश भाव में सूर्य के साथ युति बनाकर संचार कर रहे हैं। आपके लिए दिन बिजनेस मे लाभ का अवसर लाएगा। कमाई मे वृद्धि से आपको पसन्नता होगी। बुद्धि का भी पूरा लाभ मिलेगा। और सकारात्मक रहेंगे और सटीक निर्णय लेकर स्थिति को अपने पक्ष में रख पाएंगे फैमिली का सपोर्ट बना रहेगा।

सिंह

आज दिन में धन योग भी बन रहा है और आपकी राशि पर गुरु और शुक्र की शुभ दृष्टि भी बनी हुई है जो आपके लिए शुभ संयोग बना रहा है। जबकि सूर्य का गोचर राशि से छठे भाव में बुध के साथ हो रहा है। आपको यूं तो कार्यक्षेत्र में सफलता का मौका मिलेगा। लेकिन उतावलेपन से बचना होगा। गहरी सोच और कूटनीतिक क्षमताओं से आप लाभ प्राप्त कर पाएंगे।

कन्या

आज आपका आत्मविश्वास और साहस बढेगा। महात्वाकांक्षा में वृद्धि होगी।करियर में आपको अपनी मेहनत और कार्यकुशलता का फायदा मिलेगा। आपके लिए कल का दिन तकनीकी मामलो में भी लाभ का संयोग बना रहा है। आप किसी नई योजना पर काम शुरू कर सकते हैं।

मकर

आज का दिन लाभदायक और शुभ रहने वाला है। लेकिन फिर अष्टम में गुरु और शुक्र का होना प्रतिकूल रहेगा। आपके लिए दिन मानसिक उलझन भरा रहेगा ऐसे में जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसानदायक हो सकता है। आपको जोखिम वाले निवेश और काम से बचने की सलाह है। पारिवारिक जीवन के मामले में दिन अच्छा रहेगा। पिता के सहयोग से आपको फायदा होगा।

कुंभ

आज आपको आर्थिक लाभ मिलेगा। लेकिन कुछ अनचाहे और अप्रत्याशित खर्च का सामना करना पड़ सकता है। प्रोपर्टी और दीर्घकालीन योजनाओं में निवेश करने से आपको फायदा मिल सकता है। नौकरी और कारोबार में स्थिति प्रगति वाली रहेगी। कामकाज में गति आने से आपकी व्यस्तता भी बनी रहेगी। लेकिन किसी पुरानी समस्या के सामने आ जाने से कुछ उलझनों का भी सामना करना पड़ सकता है।

मीन

आज का दिन आपके लिए लाभ और सुख का संयोग बना रहा है। आपकी कोई चिंता परेशानी दूर होगी। सकारात्मक भाव बढेगा। सुख साधनों में भी वृद्धि होगी।नौकरी में आपका दिन सुखद और अनुकूल बीतेगा। आप अपने साथी सहकर्मियों से सहयोग प्राप्त कर पाएंगे। विपरीत लिंगी सहकर्मियों से आपको विशेष रूप से सहयोग मिलेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

● IPL में सबसे कम पारियों में 1000 से 14 हजार रन बनाने वाले भारतीय

कोहली ने 6 और राहुल ने 4 बार बनाया कीर्तिमान

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रन बनाना जितना मुश्किल होता गया है, उतना ही खास हो गया है किसी बल्लेबाज का लगातार बड़े आंकड़ों तक पहुंचना। कई भारतीय बल्लेबाजों ने टूर्नामेंट में शानदार निरंतरता दिखाई, लेकिन जब बात सबसे कम पारियों में बड़े रन-माइलस्टोन तक पहुंचने की आती है, तो कुछ नाम अलग ही चमकते हैं। एक हजार से लेकर 14000 रन तक के सफर में अलग-अलग भारतीय बल्लेबाजों ने रिकॉर्ड बनाए हैं। शुरुआती आंकड़ों में युवा बल्लेबाजों का दबदबा दिखता है, जबकि बड़े आंकड़ों पर पूरी तरह विराट कोहली और केएल राहुल राज नजर आता है।

शुरुआती माइलस्टोन पर युवा बल्लेबाजों का कब्जा- 1000 रन तक पहुंचने में सबसे तेज भारतीय बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल हैं। देवदत्त पडिक्कल ने सिर्फ 25 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। वहीं, दो हजार रन के मामले में बी साई सुदर्शन ने 54 पारियों में यह आंकड़ा छूकर अपनी निरंतरता साबित की। तीन हजार और चार हजार रन तक पहुंचने में क्रमशः तिलक वर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ ने सबसे कम पारियां खेलीं। इससे साफ है कि नई पीढ़ी के भारतीय बल्लेबाज आईपीएल में तेजी से प्रभाव छोड़ रहे हैं।

केएल राहुल 5000 से 8000 रन तक के बादशाह- पांच हजार रन के बाद कहानी पूरी तरह केएल राहुल के नाम हो जाती है। केएल राहुल ने 143 पारियों में पांच हजार रन पूरे किये। इसके बाद 6000, 7000 और 8000 रन तक के सभी रिकॉर्ड अपने नाम किये। केएल राहुल की बल्लेबाजी की सबसे बड़ी खासियत निरंतरता और तेज रन गति रही है।

नौ हजार के बाद सिर्फ विराट कोहली का राज

नौ हजार रन के बाद आईपीएल में विराट कोहली का ही नाम दिखाई देता है। विराट कोहली ने 271 पारियों में 9000 रन पूरे किये और फिर दस हजार से से लेकर 14000 रन तक का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। विराट कोहली की सबसे बड़ी ताकत उनकी निरंतरता, फिटनेस और लंबे समय तक एक ही स्तर पर प्रदर्शन करना रही है। आईपीएल इतिहास में इतने बड़े रन आंकड़ों तक पहुंचना इस बात का सबूत है कि उन्होंने लगभग हर सीजन में टीम के लिए अहम योगदान दिया।

हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स अब मुश्किल में

● प्लेऑफ में पहुंचने के लिए ऐसा है समीकरण

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल 2026 के 59वें मैच में लगभग एकतरफा अंदाज में 7 विकेट से हरा दिया। इस हार से सीएसके को 2 अंक का नुकसान हुआ और उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को झटका जरूर लगा, लेकिन इस टीम के लिए अभी रास्ते बंद नहीं हुए हैं। सीएसके के पास अब भी प्लेऑफ में पहुंचने मौका है। आइए जानते हैं कि इसके लिए आखिरी ऋतुराज गायकवाड़ की टीम को क्या करना होगा।

सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने का समीकरण- सीएसके को लखनऊ से हार मिली और अब इस टीम के 12 अंक हैं। सीएसके का ये 12वां लीग मैच था जिसमें उसे 6 में जीत मिली है और 6 मैचों में हार मिली है। सीएसके अब 12 अंक के साथ छठे स्थान पर आ गया और इस मैच में हार के बाद उसका नेट रन रेट भी गिर गया और राजस्थान को फायदा हुआ जो छठे स्थान से 5वें स्थान पर आ गया। चेन्नई सुपर किंग्स को अभी भी 2 मैच खेलने हैं और उसे अब हर हाल में ये दोनों मैच जीतने होंगे।

● सीएसके को लखनऊ ने 7 विकेट से हराया

मार्श ने खेली तूफानी 90 रन की पारी

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स को लखनऊ सुपर जायंट्स ने मिचेल मार्श की तूफानी 90 रन की पारी और आकाश सिंह की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर 7 विकेट से हरा दिया। ये लखनऊ की इस सीजन में 12 मैचों में चौथी जीत रही जबकि सीएसके को लगातार 3 जीत के बाद हार का सामना करना पड़ा। यही नहीं इस हार के बाद सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना को भी जोरदार झटका लगा है। इस मैच में मिचेल मार्श को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आईपीएल 2026 के 59वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना चेन्नई सुपर किंग्स के साथ भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में हुआ। लखनऊ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। सीएसके ने पहली पारी में कार्तिक शर्मा की अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 5 विकेट पर 187 रन बाए और लखनऊ को जीत के लिए 188 रन का टारगेट दिया। लखनऊ ने दूसरी पारी में 16.4 ओवर में 3 विकेट पर 188 रन बनाकर मैच जीत लिया।

- **मिचेल मार्श ने लगाया अर्धशतक-** लखनऊ के ओपनर मिचेल मार्श ने 21 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और 90 रन बनाकर आउट हुए। जोश इंग्लिश ने सीएसके के खिलाफ 36 रन की पारी खेली जबकि अब्दुल समद 7 रन के स्कोर पर आउट हुए। निकोलस पूरन 32 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि मुकुल चौधरी ने 13 रन की नाबाद पारी खेली।
- **कार्तिक शर्मा ने लगाया अर्धशतक-** सीएसके के ओपनर संजू सैमसन ने 20 रन बनाए जबकि कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने 13 रन की पारी खेली। पिछले मैच में 13 गेंदों पर अर्धशतक लगाने वाले उर्विल पटेल ने सिर्फ 6 रन बनाए। कार्तिक शर्मा ने 35 गेंदों पर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और 71 रन की शानदार पारी खेली। डेवाल्ड ब्रेविस 25 रन बनाकर आउट हुए।

'आकाश जानता है टी20 में विकेट कैसे लेते हैं'

● संजू, ऋतुराज, उर्विल को आउट करके लखनऊ के युवा बॉलर ने खास अंदाज में मनाया जश्न

नई दिल्ली। सीएसके के खिलाफ लखनऊ के युवा गेंदबाज आकाश सिंह ने गजब की गेंदबाजी की और 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। आकाश सिंह ने पावरप्ले के दौरान 2 विकेट लिए जबकि उसके बाद उन्हें एक सफलता मिली। आकाश सिंह ने सीएसके की बैटिंग क्रम को बुरी तरह से प्रभावित किया और अपनी टीम के लिए शानदार काम किया। आकाश ने संजू सैमसन, ऋतुराज गायकवाड़ और उर्विल पटेल को भी आउट करने में सफलता हासिल की और उन्हें आउट करने का जश्न खास अंदाज में मनाया।

संजू ऋतुराज, उर्विल को आउट करने का आकाश ने मनाया जश्न- लखनऊ के युवा बॉलर आकाश महाराज सिंह ने सीएसके के खिलाफ गजब का स्पैल डाला। उन्होंने इस मैच में अपना पहला विकेट ऋतुराज गायकवाड़ के रूप में लिया जिन्होंने 9 गेंदों पर 13 रन बनाए। आकाश ने ऋतुराज को निकोलस पूरन के हाथों कैच आउट करवाया, लेकिन जब उन्होंने संजू सैमसन को आउट किया तब उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। संजू, ऋतुराज और उर्विल पटेल को आउट करने के बाद आकाश ने एक पर्ची निकाली और उसे हाथ में लेकर सबको दिखाया। आकाश ने तीनों बैटर को आउट करने के बाद जो पर्ची निकाली उस पर लिखा हुआ था कि आकाश ऑन फायर, आकाश जानता है कि टी20 गेम में किस तरह से विकेट लिया जाता है। इस मैच में संजू ने 20 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 20 रन बनाए। आकाश ने इसके बाद उर्विल पटेल को आउट किया जिन्होंने 7 गेंदों पर एक चौके की मदद से 6 रन बनाए। आकाश के इन तीन विकेट ने सीएसके को इस मैच में पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया। आकाश ने सभी को आउट करने के बाद पर्ची जश्न मनाया और अपनी धाक जमाई।

इटैलियन ओपन इगा स्वियातेक को हराकर एलिना

स्वितोलिना ने बनाई फाइनल में जगह

रोम। दो बार की चैंपियन एलिना स्वितोलिना ने रोमांचक इटैलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में तीन बार की विजेता इगा स्वियातेक को 6-2, 4-6, 6-2 से हराकर तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली है। स्वितोलिना 2017-18 में लगातार दो ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार फाइनल मैच में पहुंची हैं। खिताबी मुकाबले में स्वितोलिना का सामना कोको गॉफ से होगा। स्वितोलिना तीसरी बार इस खिताब को अपने नाम करना चाहेंगी, तो गॉफ की निगाहें पहली बार इस ट्रॉफी को उठाने पर होंगी। इसके साथ ही, दोनों खिलाड़ी सीजन का अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 टाइटल जीतने की कोशिश भी करेंगी। स्वितोलिना इस साल गॉफ को दो बार हरा चुकी हैं, और वह अपने इस शानदार रिकॉर्ड को फाइनल में भी कायम रखना चाहेंगी। एलिना स्वितोलिना ने स्वियातेक को 2 घंटे 14 मिनट में हराने के बाद कहा, 'इतने सालों बाद फिर से फाइनल में होना बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे लगता है कि टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करके इस तरीके से फाइनल में पहुंचना शानदार एहसास है।'

स्वितोलिना ने सेमीफाइनल में 16 में से 11 ब्रेक पॉइंट बचाए, जिसमें फाइनल सेट में उनके सभी पांच ब्रेक पॉइंट शामिल थे। उन्होंने इस सीजन में किसी भी डब्ल्यूटीए मेन ड्रॉ में किसी भी खिलाड़ी के मुकाबले सबसे ज्यादा (59) ब्रेक पॉइंट का सामना किया है, जबकि 44 बचाए हैं। हालांकि, इसमें टीम और ग्रैंड स्लैम इवेंट शामिल नहीं हैं।

गॉफ के खिलाफ एलिना स्वितोलिना का हेड टू हेड रिकॉर्ड 3-2 का रहा है। स्वितोलिना ने गॉफ को ऑस्ट्रेलियन ओपन और फिर दुबई में हराया था। डब्ल्यूटीए के अनुसार, स्वितोलिना और गॉफ की उम्र में 9 साल 182 दिन का फर्क है। यह इटैलियन ओपन के फाइनल में 1990 के बाद सबसे बड़ा उम्र का अंतर है। 1990 में मार्टिना नवरातिलोवा और मोनिका सेलेस के बीच खेले गए फाइनल में उम्र का अंतर 17 साल 45 दिन था। खास बात यह है कि गॉफ 1998-99 में वीनस विलियम्स के बाद लगातार इटैलियन ओपन फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की अमेरिकी खिलाड़ी बन गई हैं। वह 2021-22 में इगा स्वियाटेक के बाद लगातार दो रोम फाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी भी हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लिया महाकाल का आशीर्वाद, भस्म आरती में शामिल हुईं

उज्जैन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर पहुंची। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया और सभी खिलाड़ी भस्म आरती में भी शामिल हुईं। भारतीय टीम की कई खिलाड़ी अपने परिवार संग आशीर्वाद लेने पहुंचीं। सभी खिलाड़ियों ने पूजा-अर्चना करते हुए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने की मनोकामना मांगी। भारतीय टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने आईएएनएस के साथ बात करते हुए बताया कि महाकाल के दरबार में आकर उन्हें काफी शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि वह पिछले महीने भी यहां आई थीं और भस्म आरती के दौरान बाबा के दर्शन करके उन्हें काफी सुकून मिलता है। यास्तिका ने बताया कि सभी खिलाड़ी विश्व कप से पहले भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेना चाहती थीं, ताकि टीम के लिए टूर्नामेंट शानदार गुजरे।

गौरतलब है कि वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीतने के बाद भी भारतीय टीम ने महाकाल के दर्शन किए थे।

महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज 12 जून से होगा। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अपने अभियान का आगाज 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम की अगली भिड़ंत 17 जून को नीदरलैंड से होगी। वहीं, 21 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर टीम इंडिया का सामना मजबूत साउथ अफ्रीका से होगा। भारत और बांग्लादेश के बीच 25 जून को रोमांचक मुकाबला खेला जाएगा, जबकि ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में भारतीय टीम 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम टी20 में भी दमदार प्रदर्शन करना चाहेगी। साल 2024 में खेले गए टी20 विश्व कप में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाने में नाकाम रही थी।

इशान किशन को बिहार के सीएम सम्राट चौधरी ने किया सम्मानित

एक करोड़ रुपये का इनाम दिया

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इशान किशन को सम्मानित किया और प्राइज मनी के रूप में एक करोड़ रुपये का चेक भी प्रदान किया। इशान किशन को ये सम्मान आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की जीत में उनकी शानदार भागीदारी के लिए दिया गया। इशान किशन ने 15 मई 2026 को

यानी शुक्रवार को सम्राट चौधरी से पटना में मुलाकात की। इशान किशन को इस दौरान सम्मानित किया गया और उनके साथ इस मौके पर उनकी मां सुचित्रा सिंह और परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। बिहार के मुख्यमंत्री ने इशान किशन को भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी।

1 करोड़ की राशि देकर किया गया सम्मानित- इशान किशन को सम्मानित करने के बाद बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की और लिखा कि आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य, शानदार बल्लेबाज, बिहार के लाल, श्री इशान किशन जी को विश्व कप जिताने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए राज्य सरकार द्वारा एक करोड़ रुपये की राशि देकर सम्मानित किया गया।

एलएसजी की धमाकेदार जीत का मजा किरकिरा

कप्तान ऋषभ पंत पर लगा 12 लाख का जुर्माना

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। पंत पर यह जुर्माना एलएसजी और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच हुए मुकाबले में धीमी गति से ओवर फेंकने को लेकर लगा है। एलएसजी के गेंदबाजों ने सीएसके के खिलाफ 20 ओवर पूरे करने के लिए निर्धारित समय से ज्यादा वक्त लिया। आईपीएल 2026 में यह पहला मौका है, जब एलएसजी के गेंदबाज तय समय में ओवर फेंकने में नाकाम रहे हैं। इसी वजह से कप्तान पंत पर आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल ने एक बयान में कहा, 'लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कैप्टन ऋषभ पंत पर जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम ने शुक्रवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ आईपीएल 2026 के 59वें मैच के दौरान धीमी गति से ओवर फेंके। यह आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत इस सीजन में उनकी टीम की पहली गलती थी, इसलिए ऋषभ पंत पर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया।

अपने घरेलू मैदान पर एलएसजी का प्रदर्शन सीएसके के खिलाफ शानदार रहा। कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। सीएसके ने कार्तिक शर्मा द्वारा खेली गई 42 गेंदों पर 71 रनों की दमदार पारी के बूते 20 ओवर में 5 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 187 रन लगाए। गेंदबाजी में एलएसजी की ओर से युवा तेज गेंदबाज आकाश महाराज ने 26 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

हालांकि, लखनऊ सुपर जायंट्स ने 188 रनों के लक्ष्य को सिर्फ 16.4 ओवर में 3 विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। एलएसजी की तरफ से मिचेल मार्श ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 38 गेंदों पर 90 रनों की आतिशी पारी खेली और मैच को पूरी तरह से एकतरफा कर दिया।

न्यूज बाइट्स

लापता मासूम का शव पोखर में मिलने से सनसनी

देव (औरंगाबाद) (नि. सं.)। जिले के देव थाना क्षेत्र के नयापुर गांव में एक आठ वर्षीय बच्चे का शव पोखर में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सतीश कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं ग्रामीणों में भी आक्रोश और शोक का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार सतीश कुमार शुक्रवार की शाम करीब चार बजे घर से खेलने के लिए निकला था। देर शाम तक घर वापस नहीं लौटने पर परिवार के लोगों की चिंता बढ़ गई। रात करीब आठ बजे के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने बच्चे की तलाश शुरू की। गांव के आसपास, रिश्तेदारों के यहां तथा संभावित स्थानों पर काफी खोजबीन की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद परिजनों ने देव थाना पहुंचकर बच्चे की गुमशुदगी की सूचना पुलिस को दी। शनिवार की सुबह परिजन और कुछ ग्रामीण थाना जाने के दौरान उसी रास्ते से गुजर रहे थे, जहां स्थित पोखर में उस समय कुछ दिखाई नहीं दिया। करीब आधे घंटे बाद स्थानीय लोगों ने पोखर में एक बच्चे का शव तैरता देखा। सूचना मिलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जब शव को बाहर निकाला गया तो उसकी पहचान सतीश कुमार के रूप में हुई। मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। बच्चे के पिता अक्षय कुमार ने बताया कि उनके बेटे के मुंह से खून निकल रहा था, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि उनका किसी से कोई विवाद या दुश्मनी नहीं है।

शिक्षक पर आठवीं की छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप, स्कूल में बवाल

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। औरंगाबाद जिले के उपहारा थाना क्षेत्र से एक बेहद संवेदनशील मामला सामने आया है, जहां उपहारा मध्य विद्यालय के एक शिक्षक पर कक्षा आठवीं की नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ करने का गंभीर आरोप लगा है। इस शर्मनाक घटना की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों और परिजनों को हुई, उनका गुस्सा फूट पड़ा। आज सुबह बड़ी संख्या में आक्रोशित ग्रामीणों ने स्कूल परिसर में धावा बोल दिया और आरोपी शिक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया।

पति के दीर्घायु जीवन की कामना, पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार रखा निर्जला व्रत

सुहागिन महिलाओं ने श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ की वट सावित्री पूजा

शिक्षक पिंटू गुप्ता की पत्नी सुमन गुप्ता पति की लंबी आयु के लिए वट सावित्री पूजा-अर्चना करती हुईं।

- **सुबह से ही पूजा स्थलों और वट वृक्षों के पास उमड़ी महिलाओं की भीड़**

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद में शनिवार को वट सावित्री पूजा श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाई गई। सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य और अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर निर्जला व्रत रखा तथा विधि-विधान से वट वृक्ष की पूजा-अर्चना की। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक धार्मिक माहौल बना रहा और सुबह से ही विभिन्न पूजा स्थलों पर महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह करीब छह बजे से महिलाएं सोलह श्रृंगार कर पूजा की थाली के साथ घरों से निकलीं। पूजा सामग्री में जल, दूध, रोली, हल्दी, अक्षत, फूल, फल, भीगे चने, गुड़ और अन्य पूजन सामग्री शामिल थी। वट वृक्ष के समीप पहुंचकर महिलाओं ने जल एवं दूध अर्पित किया और सात, ग्यारह अथवा इक्कीस बार परिक्रमा करते हुए कच्चा सूत लपेटकर पति के दीर्घायु जीवन की कामना की।

पूजा के दौरान महिलाओं ने सामूहिक रूप से सावित्री और सत्यवान की कथा भी सुनी। कथा में बताया गया कि किस प्रकार सावित्री ने अपने तप, त्याग और पतिव्रता धर्म के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। कथा श्रवण के बाद महिलाओं ने अपने वैवाहिक जीवन में सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

पारंपरिक मान्यता के अनुसार पूजा संपन्न होने के बाद महिलाओं ने बांस के पंखे से वट वृक्ष और अपने पति को हवा दी। इसके साथ ही सास, ननद और परिवार की अन्य महिलाओं को भीगे चने, गुड़, फल एवं श्रृंगार सामग्री दान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। शहर के विभिन्न इलाकों में स्थित प्राचीन वट वृक्षों के पास विशेष पूजा व्यवस्था की गई थी। सिन्हा कॉलेज परिसर, बराटपुर, सोन कॉलोनी, नॉर्थ कोयल परिसर, यादव कॉलेज रोड, अदरी नदी सूर्य मंदिर परिसर, चित्रगुप्त नगर, गांधीनगर और रमेश चौक समेत कई स्थानों पर महिलाओं की भारी भीड़ देखी गई। कई जगहों पर कथा वाचकों द्वारा सामूहिक कथा श्रवण कराया गया, जबकि कुछ स्थानों पर सामूहिक पूजा कार्यक्रम भी आयोजित हुए। आचार्य विश्वजीत तिवारी ने बताया कि वट सावित्री व्रत पति-पत्नी के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। इस दिन महिलाएं निर्जला उपवास रखकर भगवान विष्णु एवं वट वृक्ष की पूजा करती हैं तथा परिवार की सुख-समृद्धि और पति की दीर्घायु की कामना करती हैं।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर सदर अस्पताल में जागरूकता अभियान आयोजित

डेंगू से बचाव के लिए सतर्कता अपनाने की अपील

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर शनिवार को सदर अस्पताल परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को डेंगू संक्रमण, उसके लक्षण, बचाव और रोकथाम के उपायों के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों ने उपस्थित लोगों को डेंगू से बचाव के लिए स्वच्छता अपनाने तथा मच्छरों से सुरक्षा के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मरीज, उनके परिजन और स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

एडीज एजिप्टी मच्छर से फैलता है डेंगू

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चिकित्सकों ने बताया कि डेंगू एडीज एजिप्टी नामक मच्छर के काटने से फैलने वाला वायरल संक्रमण है। यह मच्छर मुख्य रूप से साफ और जमा पानी में पनपता है तथा दिन के समय अधिक सक्रिय रहता है। चिकित्सकों ने लोगों से अपील की कि वे अपने घरों और आसपास साफ-सफाई बनाए रखें तथा कहीं भी पानी जमा नहीं होने दें। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही भी डेंगू संक्रमण का कारण बन सकती है।

तेज बुखार और शरीर दर्द हैं डेंगू के प्रमुख लक्षण

डॉक्टरों ने डेंगू के प्रमुख लक्षणों की जानकारी देते हुए बताया कि तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, शरीर और जोड़ों में तेज दर्द, कमजोरी तथा त्वचा पर लाल चकत्ते इसके सामान्य लक्षण हैं। चिकित्सकों ने कहा कि ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच करानी चाहिए। समय पर इलाज नहीं मिलने पर मरीज की स्थिति गंभीर हो सकती है और प्लेटलेट्स कम होने के साथ रक्तस्राव जैसी समस्या भी उत्पन्न हो सकती है।

आसपास जल जमाव नहीं होने देने की सलाह

जागरूकता अभियान के दौरान लोगों को डेंगू से बचाव के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। चिकित्सकों ने कहा कि पूरी बांह के कपड़े पहनें, मच्छरदानी का उपयोग करें तथा कूलर, गमले, पुराने टायर और अन्य बर्तनों में पानी जमा नहीं होने दें। इसके अलावा मच्छर भगाने वाली क्रीम और स्प्रे के उपयोग पर भी जोर दिया गया। स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को घर और आसपास नियमित सफाई रखने तथा सप्ताह में एक दिन 'सूखा दिवस' मनाने की सलाह दी।

लोगों के बीच बांटे गए जागरूकता पंपलेट कार्यक्रम में सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. रविरंजन, डॉ. सुनील कुमार, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. मिथिलेश सिंह एवं डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह मौजूद रहे। इस दौरान आम लोगों के बीच डेंगू से संबंधित जागरूकता पंपलेट वितरित किए गए, जिनमें बीमारी के लक्षण, बचाव और उपचार संबंधी जानकारी दी गई थी।

जागरूकता ही डेंगू से बचाव का सबसे बड़ा उपाय

जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. मिथिलेश सिंह ने कहा कि डेंगू से बचाव के लिए जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच और सही उपचार से इस बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग लगातार लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चला रहा है और सभी से सहयोग की अपील की जा रही है।

जम्होर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया वट सावित्री पर्व

निज संवाददाता | जम्होर (औरंगाबाद)

औरंगाबाद सदर प्रखंड के ग्राम जम्होर में सनातन परंपरा का प्रमुख पर्व वट सावित्री पूजा श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही गांव के विभिन्न स्थानों पर सुहागिन महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं ने अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर विधि-विधान से वट वृक्ष की पूजा-अर्चना की। जम्होर विकास मंच के संयोजक सुरेश विद्यार्थी जम्होरिया ने विभिन्न पूजा स्थलों का निरीक्षण करते हुए बताया कि विष्णु धाम परिसर में वर्तमान महंत बालकानंद ब्रह्मचारी के नेतृत्व में त्रिसंकट निवारण वृक्ष के नीचे महिलाओं ने विशेष पूजा की। वहीं ग्राम के उत्तर स्थित प्रसिद्ध शिव स्थल सिद्धनाथ बाबा परिसर में भी वट वृक्ष के नीचे श्रद्धालु महिलाओं ने पूजा-अर्चना कर व्रत संपन्न किया। सिद्धनाथ परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सुभाष गुप्ता और विजय मेहता व्यवस्था संभालते नजर आए। भीषण गर्मी को देखते हुए वहां शरबत की विशेष व्यवस्था भी की गई थी। इसके अलावा जम्होर निरीक्षण भवन एवं उच्च विद्यालय के समीप स्थित सैकड़ों वर्ष पुराने वट वृक्ष के नीचे आचार्य कुंदन पाठक और अनिल कुमार पांडेय के नेतृत्व में महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा संपन्न की। अनुग्रह नारायण रोड स्थित रेलवे कॉलोनी, गायत्री शक्तिपीठ के सामने स्थित वट वृक्ष सहित दर्जनों स्थानों पर महिलाओं ने पूरे श्रद्धा भाव से पूजा की। पूजा के दौरान महिलाओं ने सत्यवान और सावित्री की कथा भी सुनी तथा पति की दीर्घायु की कामना की। सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि ज्येष्ठ अमावस्या को मनाया जाने वाला यह पर्व भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि बरगद के वृक्ष की लंबी आयु को प्रतीक मानकर महिलाएं पति के दीर्घ और सुखद वैवाहिक जीवन की कामना करती हैं। इस अवसर पर बांस के डंठल से बने पंखे की भी पूजा की जाती है, जो सेवा भाव, वंश वृद्धि और आयु वृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

बौद्ध रीति-रिवाज से अनोखी शादी हुई संपन्न

रफीगंज (औरंगाबाद)(नि.सं.)। जिले के रफीगंज प्रखंड मुख्यालय में शनिवार शाम एक अनोखा विवाह समारोह संपन्न हुआ, जिसने सामाजिक समरसता और समानता का संदेश दिया। इस विवाह में भगवान गौतम बुद्ध और भारत रत्न बीआर अम्बेडकरको साक्षी मानकर वर-वधू ने एक-दूसरे का हाथ थामा। गोरडीहा निवासी सचिव अमरेश राज की पहल पर दोनों परिवारों की सहमति से बौद्ध रीति-रिवाज एवं पारंपरिक विधि-विधान के साथ विवाह संपन्न कराया गया। गाजे-बाजे और मंगल गीतों के बीच आयोजित इस समारोह में सादगी और सामाजिक भाईचारे की विशेष झलक देखने को मिली।

सरकार के खिलाफ कर्मचारियों ने की नारेबाजी, सिविल सर्जन को सौंपा ज्ञापन

26 सूत्रीय मांगों को लेकर मेडिकल कर्मियों का विरोध-प्रदर्शन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले शनिवार को औरंगाबाद जिले के स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी 26 सूत्री मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। सदर अस्पताल परिसर से निकाला गया विरोध मार्च शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए रमेश चौक पहुंचा, जहां कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद संघ के प्रतिनिधिमंडल ने सिविल सर्जन कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन का नेतृत्व संघ के जिला संयोजक संजय कुमार सिंह एवं सह संयोजक राकेश कुमार सिंह ने किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मी, एएनएम, परिचारिका, लिपिक और संविदा कर्मी शामिल हुए। कर्मचारियों ने नई पेंशन योजना (एनपीएस) एवं यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को समाप्त कर 1 सितंबर 2005 से पुरानी पेंशन योजना लागू करते हुए सभी कर्मियों को पूर्ण पेंशन का लाभ देने की मांग उठाई। कर्मचारियों का कहना था कि वर्तमान पेंशन व्यवस्था कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित नहीं कर पा रही है। संघ नेताओं संजय कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह, राजीव कुमार, पंकज कुमार, भरत प्रसाद सिंह, मंजू कुमारी, उषा कुमारी, प्रेमलता कुमारी और कांति कुमारी समेत अन्य ने कहा कि लंबे समय तक सेवा देने के बावजूद कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने महिला एएनएम और अन्य महिला कर्मियों को गृह जिला अथवा निकटतम सीमावर्ती जिले में पदस्थापन देने की मांग भी उठाई। साथ ही परिचारिका श्रेणी-ए, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता और लिपिक संवर्ग के सामूहिक स्थानांतरण पर रोक लगाने की मांग की गई। स्वास्थ्य कर्मियों ने बिहार में चार नए श्रम कोड लागू करने का विरोध करते हुए कहा कि इससे कर्मचारियों के अधिकार प्रभावित होंगे। वहीं जिला स्तरीय संवर्ग को राज्य स्तरीय संवर्ग में परिवर्तित किए जाने का भी विरोध किया गया। कर्मचारियों ने इसे पुनः जिला स्तरीय संवर्ग घोषित करने की मांग की। संघ नेताओं ने आरोप लगाया कि सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के बावजूद राज्य स्तरीय संवर्ग के कर्मचारियों को अब तक प्रोन्नति का लाभ नहीं मिला है, जिससे कर्मियों में भारी असंतोष है। प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने कहा कि महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश, उपार्जित अवकाश, एमएसीपी और पेंशन भुगतान से संबंधित मामलों में अनावश्यक प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ता है। स्वच्छता प्रमाण पत्र जैसी औपचारिकताओं के कारण सेवानिवृत्त कर्मियों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही है। एनएचएम कर्मियों की समस्याओं को उठाते हुए नेताओं ने कार्य बहिष्कार अवधि के मानदेय भुगतान की मांग की।

दिशा समिति की बैठक में विकास योजनाओं की समीक्षा, योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर

पौधारोपण कार्यक्रम के तहत तीन लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद समाहरणालय स्थित योजना भवन में सांसद एवं जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) के अध्यक्ष अभय कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में दिशा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी और विकास योजनाओं की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक की शुरुआत जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा द्वारा सांसद एवं सभी विधायकों का पौधा देकर स्वागत करने के साथ हुई। बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों ने योजनाओं के क्रियान्वयन, गुणवत्ता, लाभुकों तक पहुंच और लंबित मामलों से जुड़े मुद्दे उठाए, जिस पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषि यंत्र अनुदान, सूक्ष्म सिंचाई, बीज वितरण और जैविक खेती को बढ़ावा देने संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई। सदर विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने खाद आपूर्ति की स्थिति पर सवाल उठाया, जिस पर जिला कृषि पदाधिकारी ने समय पर उपलब्धता की जानकारी दी। सांसद ने जैविक खाद को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया।

योजनाओं की दी गई जानकारी

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की समीक्षा में दाखिल-खारिज, ऑनलाइन जमाबंदी, भू-सर्वेक्षण और भूमि विवादों के निष्पादन की प्रगति पर चर्चा हुई। शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों में आधारभूत संरचना, स्मार्ट क्लास, पेयजल, शौचालय निर्माण और छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी दी गई। नामांकन बढ़ाने और ड्रॉपआउट कम करने के लिए विशेष अभियान चलाए जाने की बात कही गई। पंचायती राज विभाग ने पंचायत सरकार भवन निर्माण, नल-जल योजना और ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रमों की समीक्षा प्रस्तुत की। पशुपालन विभाग ने बताया कि जिले में 36 पशु चिकित्सालयों के माध्यम से पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। विभाग द्वारा लाखों पशुओं के टीकाकरण और हजारों पशुओं के उपचार की जानकारी दी गई। श्रम संसाधन विभाग ने बताया कि जिले में अब तक 8 लाख से अधिक श्रमिकों का ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण किया जा चुका है। सामाजिक सुरक्षा कोषांग ने वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन योजनाओं के लाभुकों की जानकारी साझा की। उद्योग विभाग ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, पीएमएफएमई और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत स्वीकृत आवेदनों और ऋण वितरण की स्थिति बताई। दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग ने यूडीआईडी कार्ड निर्माण और सहायक उपकरण वितरण योजना की प्रगति की जानकारी दी। बाल संरक्षण इकाई ने परवरिश योजना, स्पॉन्सरशिप योजना और मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के लाभुकों का विवरण प्रस्तुत किया।

वन विभाग ने वर्ष 2026 के पौधारोपण कार्यक्रम के तहत 3 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य बताया। ग्रामीण कार्य विभाग ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पुल निर्माण और सड़क मरम्मत योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। वहीं नगर विकास एवं आवास विभाग ने अमृत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), जलापूर्ति और स्वच्छता योजनाओं की समीक्षा की। बैठक के दौरान कुटुंबा विधायक ललन राम ने ओवरलोड वाहनों पर सख्ती बरतने की मांग उठाई। जनप्रतिनिधियों ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता और समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अध्यक्ष अभय कुमार सिन्हा ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी और प्रभावी तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए तथा विकास कार्यों में तेजी लाई जाए। बैठक में विधायक प्रकाश चन्द्रा, प्रमोद कुमार, चेतन आनंद, अमरेंद्र कुमार कुशवाहा, पुलिस अधीक्षक अंबरीष राहुल, उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दाउदनगर अनुमंडल अस्पताल में खुलेगा डायलिसिस सेंटर, मरीजों को मिलेगी राहत

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

जिले के दाउदनगर अनुमंडल अस्पताल में जल्द ही डायलिसिस सेंटर की शुरुआत होने जा रही है। यह पहल क्षेत्र के किडनी मरीजों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। सेंटर शुरू होने के बाद मरीजों को डायलिसिस के लिए पटना, औरंगाबाद सदर अस्पताल या महंगे निजी अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा। राज्य स्वास्थ्य समिति की योजना के तहत प्रदेश के 56 अनुमंडल अस्पतालों में पीपीपी मॉडल पर डायलिसिस सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में दाउदनगर अनुमंडल अस्पताल में डायलिसिस यूनिट स्थापित करने की जिम्मेदारी हैदराबाद की अपोलो डायलिसिस प्राइवेट लिमिटेड को सौंपी गई है। अस्पताल परिसर में इसके लिए विशेष कमरा तैयार किया जा रहा है, जहां तेजी से मशीनें और अन्य तकनीकी संसाधन लगाए जा रहे हैं। प्रारंभिक चरण में तीन बेड का डायलिसिस सेंटर शुरू किया जाएगा। यहां अत्याधुनिक डायलिसिस मशीन, आरओ प्लांट, प्रोसेसिंग यूनिट, बिजली बैकअप और ड्रेनेज सिस्टम की व्यवस्था की जा रही है। तकनीकी टीम के अनुसार, सेंटर संचालन के दौरान प्रतिदिन करीब 2000 लीटर पानी वेस्ट होने की संभावना है, जिसे

मगध रेंज के आईजी विकास वैभव का औरंगाबाद में स्वागत, विधि-व्यवस्था व जनसुरक्षा पर हुई अहम चर्चा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विकास वैभव के औरंगाबाद आगमन पर जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के कई वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। स्वागत के बाद प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के बीच जिले की विधि-व्यवस्था, जनसुरक्षा तथा विकासात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के बेहतर समन्वय के माध्यम से शांति व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा जनहित के कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया गया।

आईजी विकास वैभव ने अपराध नियंत्रण, अपराधियों पर सख्त कार्रवाई और आम लोगों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के निर्देश दिए। वहीं डीएम अभिलाषा शर्मा ने कहा कि प्रशासन एवं पुलिस मिलकर विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा कानून व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रेमिका से शादी की मांग को लेकर युवक 120 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ा, घंटों चला हाई वोल्टेज ड्रामा

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

जिले के देवकुंड स्थित मठ परिसर में शनिवार की दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक प्रेमिका से शादी कराने की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गया। घटना करीब 2:45 बजे की बताई जा रही है। युवक के टावर पर चढ़ते ही आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर देवकुंड थाना पुलिस और मठ के महंत कन्हैया नंद पुरी मौके पर पहुंचे। पुलिस एवं स्थानीय लोग युवक को समझाकर नीचे उतारने का प्रयास करते रहे, लेकिन वह अपनी मांग पर अड़ा रहा। युवक की पहचान अरवल जिले के परासी थाना क्षेत्र के रामलखन बिगहा निवासी कृष्णा सिंह के 27 वर्षीय पुत्र अभिनंदन कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि जिस युवती से वह शादी करना चाहता है, वह औरंगाबाद जिले के हसपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है। अभिनंदन कुमार ने पुलिस को एक चिट्ठी भी सौंपी, जिसमें उसने अपनी प्रेमिका की तस्वीर और पूरी जानकारी दी है। युवक ने चेतावनी दी कि यदि उसकी शादी उक्त युवती से नहीं कराई गई तो वह आत्महत्या कर लेगा। जानकारी के अनुसार अभिनंदन पैरा मेडिकल की तैयारी करता है। बताया जा रहा है कि पिछले करीब दो वर्षों से दोनों के बीच प्रेम संबंध था। हालांकि युवती भी अभिनंदन से शादी करने के लिए तैयार है, लेकिन उसके परिजन इस रिश्ते का विरोध कर रहे हैं। इसी से आहत होकर युवक लगभग 120 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया, जहां करीब दो घंटे तक हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा।